- कर्नाटक के राज्यपाल ने तीन वाक्य में खत्म किया अपना संबोधन, सीएम ने की आलोचना - 7

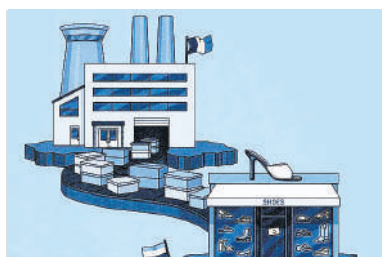

- यूरोपीय संघ ने निर्यात लाभ छूट की स्थगित, 87% भारतीय उत्पाद उच्च आयात शुल्क से होंगे प्रभावित - 10

- भारत ने यूएन में की अफ्रीका एशिया प्रशांत की पैरवी - 11

- फिनिशर की भूमिका में खरे उतरे टीम से अंदर बाहर होने वाले रिकू सिंह - 12

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.57

सूर्यास्त 05.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष पंचमी 01:46 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 23 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 354, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

हवाई अड्डे से 38.60 करोड़ की कोकीन जब्त, यात्री गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने ब्राजील के साओ पाउलो से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 38.60 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि यात्री को हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर रोका गया था। बेंगलुरु सीमा शुल्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यात्री के कब्जे से 7.72 किलोग्राम कोकीन जब्त की, जिसकी कीमत 38.60 करोड़ रुपये आंकी गई है। यात्री को एनडीपीएस के तहत गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप 3 के तहत लागू पाबंदियां हटाई गईं

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता में सुधार होने के बाद, दिल्ली-एनसीआर में चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत लागू पाबंदियां गुरुवार को हटा दी गईं। सीएक्यूएम ने एक आदेश में कहा कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 332 दर्ज किया गया, जिसके बाद पाबंदियों में ढील दी जा रही है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में एक्यूआई के मध्यम से खराब श्रेणी में रहने की आशंका है।

भाषण के दौरान महिलाओं के उठकर जाने पर भड़के नीतीश

सिवान। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को उस समय आपा खो बैठे, जब उन्होंने अपने भाषण के दौरान महिलाओं के एक समूह को उठकर जाते देखा। उस वक्त वह अपनी सरकार द्वारा महिलाओं के लिए उठाए गए कदमों का विस्तार से जिक्र कर रहे थे। राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री ने सिवान जिले में एक कार्यक्रम में तीखे लहजे में कहा, आप सभी महिलाएं क्यों भाग रही हैं? अगर आप रुककर नहीं सुनेंगी तो आपको कैसे पता चलेगा कि आपके लिए क्या-क्या किया जा रहा है? वह सिवान जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां वह एक सप्ताह पहले शुरू की गई राज्यव्यापी समृद्धि यात्रा के क्रम में पहुंचे थे।

मुठभेड़ में एक करोड़ के ईनामी अनल दा समेत 15 माओवादी ढेर

चाईबासा (झारखंड)। सिंहभूम जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष नक्सली नेता अनल दा समेत 15 माओवादी मारे गए। अनल पर एक करोड़ का इनाम था। पुलिस ने बताया कि सीआरपीएफ की कोबरा इकाई के लगभग 1,500 जवान सारंडा जंगल के कुमडी में किरीबुरु थाना क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में उलझे हैं। पुलिस मुख्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है, हमने माओवादियों के शीर्ष नेता पतिराम मांझी उर्फ अनल दा समेत 15 माओवादियों के शव बरामद किए हैं। भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। सुबह छह बजे शुरू हुई मुठभेड़ देर शाम तक जारी थी।

जम्मू में सेना का वाहन 200 फीट गहरी खाई में गिरा, 10 जवानों की गई जान

सैनिकों को आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए ले जा रहा था वाहन, 11 गंभीर घायल

- जम्मू में 9,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित खन्नी टॉप के पास हुआ हादसा
- 21 जवान सवार थे वाहन में

भद्रवाह/जम्मू, एजेंसी

खाई में गिरा सेना का वाहन। **दाएं:** घायलों को अस्पताल ले जाती टीम।

सैनिकों को आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए ले जा रहा सेना का एक बख्तरबंद वाहन गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसमें सवार 10 जवानों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतर्राज्यीय मार्ग पर लगभग 9,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित खन्नी टॉप पर उस समय हुआ, जब सेना के बुलेटप्रूफ वाहन 'कैस्पर' के चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और यह 200 फुट गहरी खाई में जा गिरा। 'कैस्पर' एक 'माइन-रेजिस्टेंट एंबुश प्रोटेक्टेड (एमआरएपी)' वाहन है, जिसे सैनिकों को उन संवेदनशील इलाकों से सुरक्षित रूप से गुजरने की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जहां बारूदी सुरंगें बिछाए जाने या आईईडी (संवर्द्धित विस्फोटक उपकरण) लगाए जाने की आशंका अधिक होती है। सेना के जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि खराब मौसम में दुर्गम इलाके से गुजरते समय वाहन सड़क से फिसल गया।

हादसे के बाद सेना और पुलिस ने तत्काल संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया, हालांकि तब तक चार सैनिकों की जान जा चुकी थी और 17 अन्य घायल अवस्था में पाए गए। उन्होंने बताया कि बचाव दल को सेना का वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त अवस्था में मिला। अधिकारियों के मुताबिक, बचाव अभियान के दौरान बाद में, चोटों के चलते छह और सैनिकों की मौत हो गई। घायल जवानों में से एक की हालत स्थिर बताई जा रही है और उसे भद्रवाह उप-जिला अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है, जबकि 10 अन्य को विशेष उपचार के लिए हवाई मार्ग से उधमपुर कमान अस्पताल ले जाया गया।

भद्रवाह के अतिरिक्त उपायुक्त सुमित कुमार भुटयाल ने बताया, सेना का एक वाहन हादसे का शिकार हो गया, जिससे हमने 10 जवान खो दिए और 11 अन्य घायल हो गए। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, डोडा में खराब मौसम के बीच दुर्गम इलाके से गुजर रहा सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा। इस वाहन में आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए जा रहे सैनिक सवार थे। हादसे में कई जवान हताहत हुए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने हादसे पर गहरा दुख जताया।

सैनिकों की मौत पर मोदी ने गहरा दुख जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक सड़क दुर्घटना में सेना के जवानों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डोडा में हुए हादसे से गहरा दुख हुआ है, जिसमें हमने अपने बहादुर सैन्यकर्मियों को खो दिया है। राष्ट्र के लिए उनकी सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा। मोदी ने कहा, घायल व्यक्ति जल्द से जल्द स्वस्थ हों। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

कुशाग्र हत्याकांड में तीनों हत्यारों को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कुशाग्र कनोडिया

- अदालत ने तीनों दोषियों पर 2.10 लाख अर्थदंड लगाया
- कुशाग्र की मां बोलीं तीनों को फांसी की सजा होनी चाहिए

अमृत विचार: कुशाग्र कनोडिया हत्याकांड में दो दिन पहले दोषी करार दिए गए तीनों हत्यारों को अदालत ने गुरुवार को उम्रकैद की सजा सुनाई और दो लाख 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। कोर्ट ने कहा है कि तीनों दोषियों को मरते दम तक जेल में रखा जाए। कोर्ट के इस फैसले पर कुशाग्र की मां सोनिया बोलीं, तीनों को सजा के तौर पर फांसी होनी चाहिए थी।

एडीजे-11 सुभाष सिंह की कोर्ट ने मंगलवार को कुशाग्र की ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और प्रेमी के दोस्त आर्यन उर्फ शिवा गुप्ता को दोषी करार दिया था। 30 अक्टूबर 2023 को स्कूटी से ट्यूशन जाते समय दसवीं के छात्र कुशाग्र का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी और फिर 30 लाख की फिरौती का पत्र भेजा गया था। अभियोजन पक्ष ने इस सनसनीखेज हत्याकांड के मामले में 14 गवाह अदालत में पेश किए। गुरुवार दोपहर कुशाग्र की हत्यारिन ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला व दोस्त आर्यन उर्फ शिवा गुप्ता को कोर्ट लाया गया। सजा सुनाए जाने के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया। कोर्ट में फैसला सुनाए जाने के दौरान कुशाग्र की मां सोनिया भी मौजूद थीं। वह बोलीं, तीनों हत्यारों को फांसी की सजा होनी चाहिए थी। वहीं, कुशाग्र के चाचा सुमित कनोडिया ने आंसू पोछते हुए कहा कि मेरा बच्चा तो चला गया। कोर्ट में दौड़ते-दौड़ते आंखों के आंसू सूख गए। उनके बच्चे को गए ढाई साल हो गए, जबकि हत्यारे आराम से सांस ले रहे हैं। फांसी की मांग को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

सीसीटीवी फुटेज अहम सबूत

एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में 600 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। अभियोजन की ओर से 14 गवाह पेश किए गए। 240 पेज की जिरह हुई। पुलिस ने वारदात से जुड़ी 112 वस्तुएं बरामद कीं। अदालत में सीसीटीवी फुटेज दिखाए गए, जिसमें प्रभात और कुशाग्र कमरे में जाते दिखे। प्रभात 30 लाख फिरौती का पत्र कुशाग्र के घर में डालते समय कैमरे में दिखा, जो दोष साबित होने का मुख्य आधार बना।

135वीं सुनवाई में हुई सजा

अभियोजन की ओर से अधिवक्ता कमलेश पाठक ने बताया कि 9 फरवरी 2024 को फाइल सत्र न्यायालय भेजी गई थी। तीन मई को आरोप तय किए गए। उसकी माह सुनवाई की पहली तारीख पड़ी। सेशन कोर्ट में 711 दिनों में 134 सुनवाई हुईं। गुरुवार को 135वीं सुनवाई में दोषियों को सजा हुई। दो दिन पहले मंगलवार को रचिता को कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद उसे जेल भेजा गया।

योगी की चेतावनी, बेटियों से खिलवाड़ नहीं करेंगे बर्दाश्त

- मुख्यमंत्री ने कहा- एक योगी संत या संन्यासी के लिए राष्ट्र व सनातन धर्म से बढ़कर कुछ नहीं
- धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर करने वाले कालनेमियों से सतर्क रहने की अपील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सोनीपत, हरियाणा में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह एवं आठ मान के भव्य भण्डारा के दौरान लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अमृत विचार: गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों में लिप्त तत्वों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि बेटियों के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों को पूरी शक्ति से रोकने का संकल्प दोहराया। योगी ने धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर करने वाले कालनेमियों से सतर्क रहने का आह्वान किया।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को हरियाणा के मुरथल में नाथ संप्रदाय के मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा एवं आठ मान भव्य भंडारा कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक योगी, संत या संन्यासी के लिए राष्ट्र और धर्म ही सर्वस्व होते हैं। धर्म उसकी संपत्ति और राष्ट्र उसका स्वाभिमान है। जो कोई राष्ट्रीय स्वाभिमान को चुनौती देगा, उसके विरुद्ध खड़ा होना हमारा दायित्व है। उन्होंने चेताया कि धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने वाले कई 'कालनेमि' सक्रिय हैं, जिनसे सतर्क रहना आवश्यक है। योगी ने कहा कि डेमोग्राफी बदलने, लव जिहाद के नाम पर बेटियों को बहकाने और अवैध धर्मांतरण की साजिशों को पूरी तरह नियंत्रित किया जाएगा। उन्होंने संयुक्त परिवार व्यवस्था के क्षरण पर चिंता जताते हुए कहा कि यह परंपरा संस्कारों की मजबूत नींव थी, जिसे पुनर्जीवित करने की जरूरत है।

योगी ने युवाओं को नशे से बचाने की अपील करते हुए कहा कि देश के दुश्मन सीधे युद्ध नहीं कर पा रहे, इसलिए नशे के जरिए युवा पीढ़ी को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं।

एक हजार वर्षों तक बजेगा सनातन का डंका

मुख्यमंत्री ने नाथ पंथ को भारत की प्राचीनतम आध्यात्मिक परंपराओं में से एक बताते हुए कहा कि इस परंपरा ने सदैव समाज को जोड़ने और जीवन को सार्थक दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का संकल्प साकार हो रहा है। योगी ने कहा कि प्रयागराज, अयोध्या और काशी में एक दिन में जितने श्रद्धालु आते हैं, उतनी कई देशों की जनसंख्या भी नहीं होती। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले एक हजार वर्षों तक विश्व में भारत और सनातन धर्म का डंका बजेगा।

भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलेगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश ने भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलने का फैसला किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी), उनके क्रिकेटरों व सरकार के खेल सलाहकार के बीच ढाका में गुरुवार को बैठक के बाद यह फैसला सामने आया है। बांग्लादेश यदि नहीं खेलता है तो विश्वकप में स्काटलैंड को खेलने का मौका मिल जाएगा। बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा कि हम श्रीलंका में खेलने की अपनी योजना के साथ आईसीसी के पास जाएंगे। उन्होंने हमें 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन एक वैश्विक संस्था सही में ऐसा नहीं कर सकती।

सिख विरोधी दंगों में सज्जन कुमार बरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय राजधानी के जनकपुरी इलाके में हिंसा भड़काने के मामले में नहीं साबित हुए आरोप

दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद सज्जन कुमार को वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के जनकपुरी इलाके में हिंसा भड़काने से संबंधित मामले में गुरुवार को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि अदालत पीड़ितों और उनके परिवारों द्वारा झेली गई पीड़ा को समझती है लेकिन उसका निर्णय भावनात्मकता से रहित होना चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, इस मामले में आरोपी को दोषी ठहराने का फैसला पेश किए गए सबूतों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। दुर्भाग्य से, अभियोजन पक्ष ने जिन गवाहों से जिरह की, उनमें से अधिकतर की गवाही सुनी-सुनाई बातों पर आधारित हैं और/या वे ऐसे गवाह हैं जिन्होंने तीन दशकों तक आरोपी का नाम नहीं लिया।

2015 में दो प्राथमिकी की गईं थीं दर्ज

एक विशेष जांच दल ने दंगों के दौरान जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में हुई हिंसा की शिकायतों के आधार पर फरवरी 2015 में कुमार के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की थीं। पहली प्राथमिकी जनकपुरी में हुई हिंसा के मामले में दर्ज की गई थी, जहां एक नवंबर, 1984 को सोहन सिंह और अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी। दूसरी प्राथमिकी विकासपुरी में दो नवंबर, 1984 को गुरचरण सिंह को जला दिए जाने के मामले में दर्ज की गई थी। फिलहाल जेल में बंद कुमार को पिछले साल फरवरी में एक अधीनस्थ अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

सहकारी ग्राम विकास बैंक चुनाव में भाजपा का लहराया परचम

लखनऊ। उप्र सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के चुनाव में भाजपा ने पूरे प्रदेश में अभूतपूर्व जीत दर्ज की है। प्रदेश के 75 जिलों में स्थित 323 शाखाओं में से 309 शाखाओं पर भाजपा द्वारा अधिकृत प्रत्याशी अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए हैं।

छह स्थानों पर चुनाव स्थगित किया गया है, जबकि आठ स्थानों पर चुनाव होना शेष है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सभी नवनिर्वाचित अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि सहकारिता के क्षेत्र में सुधार, ईमानदारी और विकास की राजनीति की जीत है। उन्होंने विश्वास जताया कि नव-निर्वाचित अध्यक्ष किसानों, ग्रामीण युवाओं व जरूरतमंदों के लिए सशक्त मंच बनाएंगे।

- 323 में से 309 शाखाओं पर भाजपा समर्थित अध्यक्ष निर्वाचित

जनगणना 2027 में पूछे जाएंगे 33 सवाल, अधिसूचना जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को 33 प्रश्नों की सूची जारी की, जो एक अप्रैल से शुरू होने वाले जनगणना के पहले चरण के दौरान नागरिकों से पूछे जाएंगे। गुरुवार को प्रकाशित एक राजपत्र अधिसूचना में, भारत के रजिस्ट्रार जनरल मृत्युंजय कुमार नारायण ने घर के फर्श और छत में प्रयुक्त सामग्री, वहां रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या, घर का मुखिया पुरुष है या महिला, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी एवं आधुनिक आवश्यकताओं तक पहुंच और स्वामित्व वाले वाहनों के प्रकार जैसे प्रश्न सूचीबद्ध किए हैं। अधिसूचना में कहा गया है, जनगणना अधिकारी जनगणना 2027 के संबंध में आवास गणना और घर-सूचीकरण के माध्यम से जानकारी एकत्र करने के लिए उक्त सभी सूचीबद्ध प्रश्न पूछ सकते हैं। प्रश्नों की शुरुआत भवन संख्या, मकान के फर्श, दीवारों और छत में प्रयुक्त मुख्य सामग्री के बारे में पूछकर की जाएगी।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर दी गई शुल्क की धमकी वापस ली

दावोस, एजेंसी

- अमेरिका के राष्ट्रपति ने की घोषणा, यूरोपीय देशों को राहत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वह ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण के लिए दबाव बनाने के वास्ते आठ यूरोपीय देशों पर शुल्क लगाने की अपनी योजना रद्द कर रहे हैं। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि वह इस द्वीप पर पूरा अधिकार, और स्वामित्व हासिल करना चाहते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट में कहा कि आर्कटिक सुरक्षा को लेकर नाटो प्रमुख के साथ भविष्य के एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है, जिससे व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव वाले तनाव के कम होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि ग्रीनलैंड को लेकर 'अतिरिक्त बातचीत' भी जारी है, जिसमें गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा कार्यक्रम शामिल है। यह एक बहु-स्तरीय, 175 अरब डॉलर की प्रणाली है जिसके तहत पहली बार अंतरिक्ष में अमेरिकी हथियार तैनात किए जाएंगे। इसके बाद एक साक्षात्कार में ट्रंप कहा कि यह हमेशा के लिए किया गया समझौता है, साथ ही दावा किया अब हमारे पास पहले से भी बेहतर सुरक्षा होगी। राष्ट्रपति पहले भी देशों को शुल्क लगाने की धमकी दे चुके हैं, लेकिन बाद में उससे पीछे हटते रहे हैं। अप्रैल में, दुनिया भर के देशों पर भारी आयात शुल्क लगाने की बात कहने के बाद, बाजारों में तीखी नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली थी, जिसके कारण ट्रंप ने अपना रुख नरम कर लिया था। ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच में अपने संबोधन में ग्रीनलैंड पर जोर दिया और नाटो को झकझोर देने की धमकी दी। नाटो शीत युद्ध के शुरुआती दौर से ही दुनिया के सबसे मजबूत और स्थिर सैन्य गठबंधनों में से एक रहा है।

फैसला सुप्रीम कोर्ट ने बसंत पंचमी से ठीक एक दिन पहले सुनाया आदेश

बसंत पंचमी पर भोजशाला में एक साथ होगी पूजा और नमाज

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश के धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद स्थल पर बसंत पंचमी के दिन शुक्रवार को सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने, जबकि मुसलमानों को अपराह्न एक बजे से तीन बजे तक नमाज अदा करने की अनुमति दी है।

न्यायालय ने गुरुवार को यह भी निर्देश दिया कि नमाज के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की सूची जिला प्रशासन को दी जाए। हिंदू और मुस्लिम समूहों ने 23 जनवरी शुक्रवार को भोजशाला परिसर में धार्मिक रस्मों के लिए अनुमति मांगी थी। उस दिन बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा भी है।

सीजेआई सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने दोनों पक्षों से परस्पर सम्मान और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य और जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की। पीठ ने कहा, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल और महाधिवक्ता, दोनों ने उचित सुझाव दिया है कि यह जानने के बाद कि शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए मुस्लिम समुदाय से कितने लोगों के आने की संभावना है, परिसर के भीतर एक विशेष और अलग स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि निर्धारित समय पर नमाज अदा की जा सके। कोर्ट ने कहा, इसी प्रकार, पहले की तरह, बसंत पंचमी के अवसर पर पारंपरिक अनुष्ठान के लिए हिंदू समुदाय को एक अलग स्थान उपलब्ध कराया जाए। जिला प्रशासन को उस स्थान पर कानून व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया।

एएसआई द्वारा संरक्षित 11वीं शताब्दी का स्मारक है भोजशाला

हिंदू समुदाय, भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है। यह स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित 11वीं शताब्दी का स्मारक है। एएसआई द्वारा सात अप्रैल 2003 को की गई एक व्यवस्था के तहत, हिंदू समुदाय के सदस्य मंगलवार को भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना करते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय के सदस्य शुक्रवार को परिसर में नमाज अदा करते हैं। न्यायालय 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा। याचिका में, बसंत पंचमी पर हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने का विशेष अधिकार देने का अनुरोध किया गया था। अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के मार्फत दायर याचिका पर मंगलवार को तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया गया था। जैन ने कहा था कि एएसआई के 2003 के आदेश में शुक्रवार के दिन बसंत पंचमी पड़ने से उत्पन्न होने वाली स्थिति का समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने बसंत पंचमी के अवसर पर पूरे दिन हिंदुओं के लिए विशेष, निर्बाध पूजा-अर्चना की अनुमति देने का अनुरोध किया था।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

तलाक की खबरों को किया खारिज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अपर्णा यादव बोलीं- प्रतीक यादव से रिश्ते बिल्कुल ठीक
- पहचान लिए गए हैं रिश्ते में दरार डालने वाले

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता अपर्णा यादव ने पति प्रतीक यादव से तलाक की खबरों को गुरुवार को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहें पूरी तरह निराधार हैं और उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने की साजिश का हिस्सा हैं। बोलीं, प्रतीक यादव से रिश्ते बिल्कुल ठीक हैं, रिश्ते में दरार डालने वाले पहचान लिए गए हैं। जल्द ही सार्वजनिक रूप से एक्सपोज होंगे।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने एक टीवी चैनल से बातचीत में स्पष्ट किया कि उनके वैवाहिक जीवन में किसी तरह की दरार नहीं है। उन्होंने कहा कि परिवार और पति के साथ उनका रिश्ता मजबूत है, लेकिन कुछ लोग इसे पचा नहीं पा रहे हैं। मेरे निजी जीवन को राजनीतिक हथियार बनाकर सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अपर्णा यादव ने आरोप लगाया कि उन्होंने ऐसे लोगों की पहचान कर ली है, जो जानबूझकर उनके रिश्तों में दरार डालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन साजिशकर्ताओं को सार्वजनिक रूप से बेनकाब किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि वह किसी भी दबाव से डरने वाली नहीं हैं और हर चुनौती का मजबूती से सामना करेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी राजनीतिक सक्रियता और हालिया मामलों में पीड़ित महिलाओं के पक्ष में मुखर भूमिका कुछ लोगों को रास नहीं आ रही है। निजी रिश्तों को लेकर फैलाई जा रही अफवाहें उसी का परिणाम हैं।

कर्तव्य पथ पर परेड में नजर आएगी बुंदेलखंड की शान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी की झांकी में दिखेगी विरासत और विकास की एकजुट तस्वीर
- कालिंजर दुर्ग से ब्रह्मोस तक परंपरा व प्रगति का अद्भुत संगम

गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में निकलने वाली परेड में यूपी के बुंदेलखंड की सांस्कृतिक विरासत की झांकी का मॉडल।

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय परेड में उत्तर प्रदेश की झांकी इस वर्ष भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तैयार यह झांकी बुंदेलखंड की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक उत्तर प्रदेश की तेज विकास यात्रा को एक साथ प्रस्तुत करेगी। झांकी के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि प्रदेश अपनी परंपराओं को सहेजते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

झांकी के अग्रभाग में बुंदेलखंड के ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग की प्राचीन गरिमा को दर्शाया गया है। यहां स्थापित एकमुख लिंग बुंदेलखंड की आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक आस्था का प्रतीक होगा। मध्य भाग में क्षेत्र की समृद्ध हस्तशिल्प परंपराओं मृद्भांड कला, मनका शिल्प और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है, जिन्हें 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के तहत बढ़ावा दिया जा रहा है। यह हिस्सा पारंपरिक कारीगरों की आत्मनिर्भरता और स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को रेखांकित करता है।

झांकी के पिछले हिस्से में कालिंजर दुर्ग के नक्काशीदार स्तंभों और द्वारों के साथ नीलकंठ महादेव मंदिर की भव्य झलक दिखाई देगी, जो बुंदेलखंड को एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में प्रस्तुत करती है। इसी क्रम में बुंदेली कलाकार पारंपरिक लोकनृत्य के माध्यम से क्षेत्र के लोकजीवन और सांस्कृतिक रंगों को जीवंत बनाएंगे।

झांकी का अंतिम भाग आधुनिक उत्तर प्रदेश की तस्वीर पेश करता है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल, एक्सप्रेसवे नेटवर्क, औद्योगिक विकास और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाया गया है।

न्यूज ब्रीफ

हेलमेट न पहनने पर 49,500 चालान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पहली से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग द्वारा सघन जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने गुरुवार को बताया कि 1 से 21 जनवरी तक की गई कार्रवाई में हेलमेट न पहनने के 49,500, सीट बेल्ट के 11,740, ओवर स्पीडिंग के 15,180, मोबाइल फोन के प्रयोग के 4,164, ड्रंक एंड ड्राइव के 304 तथा रांग साइड ड्राइविंग के 5,546 चालान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आगरा जोन में सर्वाधिक हेलमेट और कानपुर जोन में सर्वाधिक सीट बेल्ट चालान दर्ज हुए। 18,379 स्कूली वाहनों की जांच में 996 के चालान किए गए तथा 75 वाहनों की फिटनेस निरस्त की गई। अवैध पार्किंग के 2,617 चालान किए गए।

नवोदित प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी दिवस के अवसर पर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और नवोदित प्रतिभाओं को नया मंच मिलने जा रहा है। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता "हमारी संस्कृति–हमारी पहचान" (संस्कृति उत्सव 2025–26) के तहत चयनित कलाकार 24 से 26 जनवरी तक राजधानी स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में अपनी प्रस्तुतियां देंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि यह बहुस्तरीय प्रतियोगिता गांव से लेकर मंडल स्तर तक आयोजित की गई, जिससे प्रदेश के कोने–कोने से प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिला। इसमें प्रदेश के सभी 18 मंडलों से आए प्रतिभागियों ने सहभागिता की। चयनित विजयी प्रतिभागियों को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

14 धार्मिक स्थलों के लिए स्मारक मित्र चयनित

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार द्वारा एडाप्ट हेरिटेज पॉलिसी के अंतर्गत राज्य संरक्षित धार्मिक स्थलों एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रयास लगातार कर रही है। संस्कृति विभाग ने इस पॉलिसी के दूसरे चरण में 10 सहित कुल 14 स्मारकों के लिए स्मारक मित्रों का चयन किया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि चयनित स्थलों में गोपीनाथ मंदिर वृन्दावन, पोत्राकुण्ड मथुरा, विगारा की गढ़ी व लक्ष्मी मंदिर झांसी, कुसुमवन सरोवर मथुरा, रसखान की समाधि मथुरा, बाल्मीकि आश्रम बिठूर, टिकैतराय शिव मंदिर बिठूर, शिव मंदिर का तालाब मूरतगंज कौशाम्बी, सारनाथ मंदिर, दरबाग व लरवाक मिर्जापुर, गोवर्धन मंदिर तथा गुरुधाम मंदिर वाराणसी शामिल हैं।

अनावश्यक नियम हटें, भरोसे पर आधारित प्रशासन बने : मुख्यमंत्री

कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-II की समीक्षा, कहा- सुधार कागज पर नहीं, जमीन पर दिखें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कम्प्लायंस रिडक्शन और डी–रेगुलेशन फेज–II के तहत चल रहे सुधारों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी।

- योगी बोले- डी रेगुलेशन का मतलब नियंत्रण खत्म करना नहीं, बल्कि नियमों को सरल और पारदर्शी बनाना

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रदेश में कम्प्लायंस रिडक्शन और डी-रेगुलेशन फेज-II के तहत चल रहे सुधारों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन का उद्देश्य आम नागरिकों और उद्यमियों को अनावश्यक प्रक्रियाओं, अनुमतियों और निरीक्षणों से राहत देकर भरोसे पर आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध प्रशासन उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि सुधारों का असर फाइलों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखना चाहिए और नागरिकों को यह अनुभव होना चाहिए कि व्यवस्था उनके लिए आसान हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कम्प्लायंस रिफॉर्म्स के फेज-I में उत्तर प्रदेश ने देशभर में एक मजबूत पहचान बनाई है और अब फेज-II के माध्यम से इन सुधारों को स्थायी और संस्थागत रूप दिया जाना है। यह चरण केवल नियमों में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली और सोच में परिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने दोहराया कि डी-रेगुलेशन का अर्थ नियंत्रण समाप्त करना नहीं, बल्कि अनावश्यक नियंत्रण हटाकर जरूरी नियमों को सरल, स्पष्ट और पारदर्शी बनाना है। सरकार का संकल्प उत्तर प्रदेश को ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस दोनों में अग्रणी राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी-अपनी प्रक्रियाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाएं, स्पष्ट समयसीमा तय करें और ऑनलाइन व ऑटो-अप्रूवल सिस्टम को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि निरीक्षणों की संख्या घटाई जाए, पुराने व अप्रासंगिक नियम हटाए जाएं और हर सुधार की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो।

बैठक में अवगत कराया गया कि कैबिनेट सचिवालय द्वारा जनवरी 2026 में जारी रैंकिंग में उत्तर प्रदेश को कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-I में 'बेस्ट स्टेट' घोषित किया गया है। फेज-II के तहत 9 थीम, 23 प्रायोरिटी एरिया और 5 ऑप्शनल प्रायोरिटी एरिया चिन्हित किए गए हैं, जिन पर चरणबद्ध तरीके से सुधार लागू किए जा रहे हैं। भूमि उपयोग सुधारों पर चर्चा करते हुए बताया गया कि किसानों और भू-स्वामियों को अनावश्यक परेशानियों से बचाने के लिए चेंज इन लैंड यूज जैसी जटिल अनुमतियों को समाप्त या सरल किया जा रहा है। नियोजित क्षेत्रों में मास्टर प्लान के अनुरूप मामलों में अलग अनुमति की जरूरत खत्म करने और अनियोजित क्षेत्रों में भूमि रूपांतरण प्रक्रिया को सरल बनाने पर विशेष फोकस है। बैठक में भूमि उपयोग, भवन निर्माण, यूटिलिटीज, ऊर्जा, पर्यावरण, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े सुधारों की प्रगति की समीक्षा की गई।

कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-II : एक नजर में

लक्ष्य : भरोसे पर आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध प्रशासन

फोकस क्षेत्र : 9 थीम, 23 प्रायोरिटी एरिया, 5 ऑप्शनल एरिया

भूमि उपयोग : चेंज इन लैंड यूज जैसी जटिल अनुमतियों का सरलीकरण/समापन

निर्माण सेक्टर : रिस्क-बेस्ड सिस्टम, सेल्फ-सर्टिफिकेशन, डीम्ड अप्रूवल

यूटिलिटीज व ऊर्जा : एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन व ऑटो-अप्रूवल

पर्यावरण : कम जोखिम गतिविधियों के लिए ट्रस्ट-बेस्ड अप्रोच

नागरिक लाभ : घर निर्माण, बिजली-पानी कनेक्शन और सेवाएं होंगी आसान

निर्देश : सभी विभाग तय समयसीमा में सुधार लागू करें, नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें

माघ मेला: बसंत पंचमी पर 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान का अनुमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- भीड़ प्रबंधन और रूट डायवर्जन की नई व्यवस्था, प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

अमृत विचार: गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर आयोजित माघ मेले के चौथे स्नान पर्व बसंत पंचमी को सकुशल संपन्न कराने के लिए मेला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। बसंत पंचमी, अचला सप्तमी और सप्ताहांत के संयोग को देखते हुए प्रशासन ने अनुमान लगाया है कि इन तीन दिनों में करीब 3.5 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्राउड मैनेजमेंट और रूट डायवर्जन की विशेष व्यवस्था लागू की गई है।

माघ मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि श्रद्धालुओं के स्नान के लिए 3.5 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में 24 घाट तैयार किए गए हैं। घाटों की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं।

श्रद्धालुओं की सुचारु आवाजाही के लिए पांटून पुलों पर ऑड-इवेन व्यवस्था लागू की गई है। परेड से झूंसी जाने के लिए पांटून पुल संख्या 3, 5 और 7 तथा झूंसी से परेड आने के लिए पुल संख्या 4 और 6 का उपयोग होगा। आपात स्थिति के लिए पांटून पुल संख्या 1 और 2 आरक्षित रहेंगे।मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने बताया कि यातायात सुगम रखने के लिए बसंत पंचमी के दिन नया यमुना पुल बंद रहेगा, जबकि आवागमन पुराने पुल से किया जाएगा। भारी और हल्के वाहनों के लिए रूट डायवर्जन लागू रहेगा।

25 को मनाया जाएगा राष्ट्रीय मतदाता दिवस

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 25 जनवरी को 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम "माई इंडिया, माई वोट" निर्धारित की गई है। इस अवसर पर प्रदेशभर के स्कूलों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में मतदाता जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने गुरुवार को बताया कि विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में वाद-विवाद, परिचर्चा, निबंध लेखन, चित्रकला, गीत, नाटक (स्किट) जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

निर्वाचन प्रक्रिया में कानून की सख्ती जरूरी : रिणवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) सम्मेलन में उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शांतिपूर्ण और विश्वसनीय निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मजबूत संस्थागत ढांचे, अंतर-एजेंसी समन्वय तथा तकनीक आधारित उपायों की भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता विश्वास बनाए रखने के लिए कानून व्यवस्था का प्रभावी प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित आईआईसीडीईएम-2026 के तीन दिवसीय सम्मेलन में दूसरे दिन संबोधित कर रहे थे। इस सत्र में प्रदेश के विशेषज्ञ प्रो. संजय गुप्ता, अविनाश सिंह बिसेन और शत्रुघन कर (एनएलएमटी) ने भी सहभागिता की। सम्मेलन में 27 देशों के राजदूत एवं उच्चायुक्तों सहित 42 निर्वाचन प्रबंधन निकायों, 70 से अधिक राष्ट्रीय संस्थाओं के विशेषज्ञ और देशभर से 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारी भाग ले रहे हैं।

'छोटे लोहिया' के नाम से प्रसिद्ध स्व. जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में स्थापित आदमकद प्रतिमा पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया, साथ में शिवपाल सिंह यादव व अन्य पार्टी नेता मौजूद रहे। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने पार्क में भ्रमण कर रहे बच्चों से मुलाकात की और उन्हें बिस्कुट वितरित किए।

ओडिशा में गूंजा यूपी का डिजिटल मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भुवनेश्वर के 'चिंतन शिविर' में आयुष्मान योजना के यूपी मॉडल की हुई सराहना

भुवनेश्वर में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' में यूपी की टीम हुई सम्मानित।

अमृत विचार: आयुष्मान भारत योजना के तहत डिजिटल नवाचार और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की पहल को देशभर में सराहना मिल रही है। इसका ताजा उदाहरण ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' में देखने को मिला, जहां योगी सरकार के डिजिटल प्रयासों की खुले मंच से प्रशंसा की गई।

आयुष्मान भारत योजना पर केंद्रित इस चिंतन शिविर का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत, ओडिशा सरकार के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्देश्य आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की प्रगति की समीक्षा तथा राज्यों के बीच श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करना रहा। शिविर में स्टेट हेल्थ एजेंसी की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश को डिजिटल नवाचारों के प्रभावी उपयोग के लिए विशेष रूप से सराहा गया। लाभार्थियों को सही जानकारी, अस्पतालों तक आसान पहुंच और सेवाओं के सरल उपयोग के लिए प्रदेश में कई डिजिटल व सूचना-शिक्षा-संचार (आईईसी) पहलें शुरू की गईं, जिनका सीधा लाभ आम लोगों को मिला है।

बीमा अस्पताल में पैथालॉजी लैब व फिजियोथेरेपी यूनिट का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ : बीमित श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव, डॉ. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम ने कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, सरोजनी नगर में नव स्थापित पैथालॉजी लैब एवं फिजियोथेरेपी यूनिट का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने औषधालय का निरीक्षण भी किया।

निरीक्षण के दौरान गुरुवार को पाई गई कमियों पर तत्काल सुधार के निर्देश देते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ईएसआई योजना) डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि नई पैथालॉजी लैब में एचबीए वन सी मशीन, सेमी ऑटोमैटिक बायोकेमिस्ट्री एनालाइजर एवं फुली ऑटोमेटिक हिमैटोलॉजी एनालाइजर स्थापित किए गए हैं, जिससे मरीजों को जांच की सुविधा औषधालय स्तर पर ही उपलब्ध होगी।

पशुपालन विभाग की सीधी भर्तियों में आरक्षण की स्थिति तलब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग में 17 शिकायतों पर जनसुनवाई

अमृत विचार : उप्र. पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने वर्ष 1994 के बाद पशु चिकित्साधिकारी के 404 पदों पर की गई सीधी भर्तियों में आरक्षण की स्थिति एवं रोस्टर रजिस्टर का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी 2026 को होगी।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष गुरुवार को इन्दिरा भवन स्थित आयोग कार्यालय में विभिन्न जिलों से प्राप्त 17 शिकायतों एवं पत्रावलियों पर जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। सुनवाई में जगन्नाथ प्रसाद गंगवार को भूखंड न दिए जाने के प्रकरण में उपाध्यक्ष, बरेली विकास प्राधिकरण को बुलाया गया था, लेकिन किसी सक्षम अधिकारी के उपस्थित न होने पर सुनवाई नहीं हो सकी। अध्यक्ष ने इस पर अप्रसन्नता व्यक्त की। सोनू कश्यप हत्याकांड से जुड़े प्रकरण में आयोग सदस्य रमेश कश्यप गौड़ द्वारा मामला प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मेरठ के प्रतिनिधि ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है तथा एसआईटी का गठन कर जांच शुरू कर दी गई है।

नीलम, प्रधानाध्यापिका (कानपुर देहात) के प्रकरण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति के कारण निस्तारण नहीं हो सका। वहीं विनोद कुमार के प्रकरण में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता उपस्थित रहे और पिछड़े वर्ग के कार्मिक की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

निरीक्षण | मेरठ में मुख्यमंत्री योगी का दौरा, सभी कार्य तय समय–सीमा में पूरा करने के दिए निर्देश

विश्वस्तरीय खेल विश्वविद्यालय बनाना सरकार का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खेल विश्वविद्यालय में 12 खेलों में डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम चलेंगे

निर्माणाधीन खेल विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मेरठ के सरधना क्षेत्र में निर्माणाधीन मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य इस संस्थान को विश्वस्तरीय खेल विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समयसीमा में पूर्ण किए जाएं।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण, समीक्षा बैठक और विश्वविद्यालय के अभिवादन वाक्य 'जय हिंद' और प्रतीक चिन्ह का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता वाली फैकल्टी की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए और पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को कोच के रूप में जोड़ा जाए, ताकि प्रशिक्षण में अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान का समुचित समावेश हो सके। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में बताया कि खेल विश्वविद्यालय में 12 खेलों में डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इनमें छह पारंपरिक खेल भी शामिल होंगे। इसके साथ ही खेल विज्ञान, कोचिंग, खेल प्रबंधन और शोध से जुड़े पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।

100 एकड़ में आकार ले रहा खेल परिसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पहले चरण में 90 एकड़ भूमि पर निर्माण शुरू किया गया था, जिसे बढ़ाकर कुल 100 एकड़ किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। पहले चरण में 250 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कार्य जारी है, जिसे मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। दूसरे चरण में 200 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीएचसी के बाबू पर धार्मिक टिप्पणी का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : काकोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कार्यरत बेसिक हेल्थ वर्कर सैय्यद अली ने सीएचसी में तैनात बाबू पर धर्म विरोधी टिप्पणी कर गाली देने का आरोप लगा आईजीआरएस पोर्टल पर मुख्यमंत्री से शिकायत की है। आरोप है कि 10 जनवरी को सैलरी अकाउंट बदलने के लिए बाबू को प्रार्थना पत्र दिया था। बुधवार शाम फोन करने पर बाबू ने अभद्रता और धर्म विरोधी टिप्पणी कर गालियां दीं। बाबू से बातचीत का ऑडियो भी वायरल किया गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. केडी मिश्रा ने जांच रिपोर्ट सीएमओ कार्यालय भेजने की बात कही है।

कार की चपेट में आने से ग्राम प्रधान घायल

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र के गोड़वा बरौकी गांव में गुरुवार को लॉन के उद्घाटन समारोह में पहुंचे सदस्य विधान परिषद रामचंद्र सिंह प्रधान के काफिले की एक कार की चपेट में आने से पीरनगर ग्राम प्रधान अनवार अहमद घायल हो गए। आस पास के लोगों ने निजी गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल पहुंचाया। जानकारी मिलते ही एमएलसी रामचंद्र सिंह प्रधान भी सीएचसी पहुंच गए। चिकित्सकों ने घायल प्रधान को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

ट्रांसफार्मर काट कर 240 लीटर तेल चोरी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र में बुधवार रात चोरों ने एक विद्युत ट्रांसफार्मर को नीचे से काट कर हजारों रुपये का तेल चोरी कर लिया। गुरुवार को संबंधित अवर अभियंता ने थाने में तहरीर दी है। गहरू पावर हाउस में तैनात अवर अभियंता विनय कुमार ने बताया कि कृषि फीडर से जुड़ी विद्युत लाइन में गहरु के गंगादीन खेड़ा में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा है। जिसके जरिए आसपास के आठ निजी ट्यूबवेल को विद्युत आपूर्ति की जाती है। बुधवार रात चोरों ने उक्त विद्युत ट्रांसफार्मर को नीचे ब्लेड से काटकर उसमें भरा करीब 240 लीटर तेल चोरी कर लिया। जिससे ट्रांसफार्मर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इससे करीब 20 हजार रुपये की राजस्व क्षति हुई है।

मौसेरे भाई ने की थी कंटेनर चालक की हत्या

आरोपी गिरफ्तार, हत्या में प्रयुक्त रॉड, कपड़े और ई-रिक्शा बरामद

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार: सीतापुर के कंटेनर चालक राममूर्ति की हत्या उसके मौसेरे भाई ने की थी। सर्विलांस और करीब 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद बीकेटी पुलिस हत्यारोपी मौसेरे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त रॉड, खून लगे कपड़े और ई-रिक्शा बरामद कर लिया गया है। आरोपी ने साली से छेड़छाड़ की खुन्नस में हत्या को अंजाम दिया।

- साली से छेड़छाड़ करने की बात पर खोया आपा

एडीसीपी उत्तरी ऋषभ रुणवाल ने बताया कि आरोपी ई-रिक्शा चालक संदीप कुमार सीतापुर के खैराबाद धनीपुर का मूल निवासी है। वह जानकीपुरम के सेक्टर-8 में पत्नी और साली के साथ रहता था। सीतापुर के रामकोट नंसोहा निवासी मौसेरा भाई राममूर्ति (38) कंटेनर चलाता था। लखनऊ से निकलते समय वह संदीप के घर जरूर आता था। 19 जनवरी को सुबह राममूर्ति ने फोन कर बताया कि संदीप को बताया था कि हरिद्वार से गाजीपुर जाने के लिए निकल रहा है। उसी दिन शाम करीब 6 बजे के बीच संदीप व राममूर्ति बीकेटी क इंदौरा बाग मोड़ पर मिले और देशी ठेके से लेकर शराब पी। इसके बाद चिकन खरीदकर ई-रिक्शे से संदीप के घर आए। संदीप ने पुलिस को बताया कि जिस समय पत्नी चिकन बना रही थी, वह पानी लेने चल गया। अकेला पाकर राममूर्ति ने साली सेछेड़छाड़ की और किसी को बताने पर बदनाम करने की धमकी दी। साली ने बहन को सारी बात बता दी। जानकारी होने पर संदीप का राममूर्ति के बीच विवाद हुआ था। पत्नी के कहने पर संदीप राममूर्ति को ई-रिक्शे से इंदौरा बाग मोड़ पर छोड़ आया।

इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि घर लौटते समय संदीप को पत्नी की बातें याद आने लगी। राममूर्ति से भरोसा टूटने पर वह आपा खो बैठा। दोबारा इंदौरा बाग मोड़ पर पहुंचा, वहां राममूर्ति कंटेनर के केबिन में बैठा था। नशे में धुत राममूर्ति से दोबारा विवाद हो गया। संदीप ने केबिन में रखे लोहे के रॉड से सिर और चेहरे पर हमला किया, इसके बाद गला दबाकर राममूर्ति की हत्या कर दी।

मृतक की पत्नी से मिला पुलिस को अहम सुराग

- यूपी 112 के पुलिसकर्मियों को मंगलवार देर रात राममूर्ति का शव मिला था। परिजन से संपर्क करने पर पता चला कि राममूर्ति ने मरने से पहले पत्नी रानी को फोन पर पीटे जाने की जानकारी दी थी। उसके फौरन बाद संदीप ने रानी से बात करके सब कुछ ठीक होना बताया था। रानी का कहना है कि संदीप से बात होने के बाद वह सो गई। अगले दिन सुबह से राममूर्ति का फोन ऑफ था। रानी के शक जताने पर पुलिस ने संदीप को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो हत्या की बात कबूल कर ली।

आरोपी संदीप

बड़े बेटे को भेजा जेल छोटे को बाल सुधार गृह

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार: खड़ता गांव में ई-रिक्शा चालक अर्जुन पाल की हत्या में उसके दोनों बेटों ने आए दिन की मारपीट से परेशान होकर की थी। गुरुवार को पुलिस ने दोनों बेटों को पकड़ लिया। बड़े बेटे को जेल और नाबालिग छोटे बेटे को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

एडीसीपी उत्तरी ऋषभ रुणवाल ने बताया कि ई-रिक्शा चालक अर्जुन पाल (50) की हत्या के आरोप में उसके बेटों रूपलाल दूसरे नाबालिक बेटे को पकड़ा गया है। रूपलाल ने पूछताछ बताया कि 20 जनवरी की रात वह नशे में था। शराब और गांजे के नशे में पिता अर्जुन गाली-गलौज कर मारपीट कर रहे थी। इस पर झगड़ा हो गया तो दोनों भाई पिता को घसीटकर कमरे में ले गए और फावड़े से वार कर हत्या कर दी। खून निकलता देख स्टील की टंकी पर सिर टिका दिया। शव को बिस्तर में लपेटकर ई-रिक्शा पर एक किमी दूर नहर पट्टी पर फेंक दिया था।

आरोपी रूपलाल।

- नशे की हालत में अक्सर करता था बेटों और पत्नी से मारपीट

हत्या के बाद घर पर साफ कर टीशर्ट बदली और सो गए थे। पुलिस ने मामले में मां शिवरानी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त भावड़ा बी बरामद कर लिया है। एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे ने बताया कि अर्जुन नशे में बेटों और पत्नी को गालियां देकर पीटता था। आरोपी रूपलाल ने बताया कि 19 जनवरी की शाम छोटा भाई गांव में ताश खेल रहा था। अर्जुन वहां पहुंचा और उसे पीटते हुए लेकर आया। रूपलाल ने विरोध किया तो उसे भी पीटा। आए दिन की मारपीट से दोनों भाई परेशान हो चुके थे। बताया कि पिता बहन के सामने भी गंदी गालियां देते थे।

केंद्र पर जांच करते जिला कृषि अधिकारी तेगबहादुर सिंह।

दो सहकारी समितियों में मिली गड़बड़ी, सचिवों को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : रबी फसल के सहकारी और निजी क्षेत्र में बेची जा रही उर्वरकों की गुरुवार को जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने पड़ताल की। छापेमारी के दौरान साधन सहकारी समिति माल व खंडसरा पर यूरिया के स्टॉक और बिक्री में अंतर पाया। बिक्री के अभिलेख और जवाब न मिलने पर संबंधित सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

जिला कृषि अधिकारी ने एडीओ कृषि सिकंदर यादव के साथ विकास खंड माल अंतर्गत साधन सहकारी समिति माल, साधन सहकारी समिति खंडसरा, आईएफएफडीसी गहदों प्रथम व द्वितीय, साहू खाद भंडार में छापा मारा। इस दौरान सभी जगह यूरिया व अन्य उर्वरकों का उपलब्ध स्टॉक देखा और गिनती कराई। इसके बाद पीओएस मशीन से की गई बिक्री से मिलान किया। साधन सहकारी समिति माल और खंडसरा में यूरिया बिक्री और स्टॉक में बड़ा अंतर पाया। संबंधित सचिव बेची गई यूरिया का जवाब नहीं दे पाए न ही दस्तावेज से पुष्टि हुई। जिला कृषि अधिकारी ने दोनों सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

- माल व खंडसरा समितियों पर यूरिया के स्टॉक और बिक्री में अंतर
- जिला कृषि अधिकारी ने समिति व निजी दुकानों छापा मार की जांच

शिक्षक संघ काकोरी की नई कार्यकारिणी बनी

अमृत विचार, काकोरी: उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के विकास खंड काकोरी का त्रिवार्षिक अधिवेशन समारोह एवं शैक्षिक संगोष्ठी कंपोजिट विद्यालय सलेमपुर पतौरा में हुई। इसमें नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश अवस्थी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंजूलिका गुप्ता, मंत्री अंकुर कश्यप,संयुक्त मंत्री प्रफुल्ल सिंह,कोषाध्यक्ष सौरभ भारती बनाए गए। पदाधिकारियों को शपथ भी दिलाई गई। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज सोनी, जिला संयुक्त मंत्री मोहम्मद रियाज, जिला संगठन मंत्री भीम सिंह उपस्थित रहे।

भतोइया गांव में मिले हिंसक जानवर के पगचिह्न

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: भतोइया गांव के निकट आम के एक बाग में गुरुवार को हिंसक जानवर के पग चिह्न मिलने से इलाके में दहशत फैल गई। सुबह के समय जब ग्रामीण अपने खेतों और बागों की ओर गए, तब गांव निवासी आलोक के आम के बाग में कई स्थानों पर संदिग्ध पग चिह्न दिखाई दिए।

पग चिह्न देखते ही ग्रामीणों में डर का माहौल बन गया और इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। इस संबंध में रेंजर आलोक तिवारी ने बताया कि पगचिह्न मिलने की जानकारी प्राप्त हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम को मौके पर भेजा जाएगा और पग चिह्नों की जांच के साथ-साथ क्षेत्र में कांबिंग की जाएगी, ताकि स्थिति साफ हो सके।

ग्रामीण इकबाल ने बताया कि भतोइया गांव से लगभग सौ मीटर की दूरी पर स्थित आम के बाग में ये पग चिह्न देखे गए हैं। संभावित खतरे को देखते हुए एहतियातन बागों से सटे घरों के लोगों ने शाम ढलते ही अपने बच्चों के घर से बाहर निकलने पर रोक लगा दी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द से जल्द जांच कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

इटौंजा में युवक से लूटा मोबाइल

अमृत विचार, लखनऊ: दवा लेने इटौंजा जा रहे युवक से बुधवार देर शाम बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल लूट लिया। पीड़ित ने लुटेरों की बाइक का नंबर पुलिस को बताया है। इंस्पेक्टर मारकंडेय यादव ने बताया कि सीतापुर के अटरिया निवासी राजन बुधवार को दवा लेने के लिए इटौंजा जा रहे थे। इस दौरान पत्नी की कॉल आने पर वह फोन पर बात करने लगे। जैसे ही बेलवा गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से आए बाइक (यूपी 36 जेड 8001) सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर राजन के हाथ से फोन छीन लिया और इटौंजा की ओर भाग निकले। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली रही है।

डायवर्जन से घंटों जाम, दो एंबुलेंस फंसी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: एक बार फिर राजधानी में लोगों को गुरुवार सुबह से ही भीषण जाम का सामना करना पड़ा। गणतंत्र दिवस की परेड का प्रथम पूर्वाभ्यास और अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन के चलते डायवर्जन लागू किया गया है। भीषण जाम के चलते दो एंबुलेंस भी फंस गईं। नेशनल पीजी कॉलेज के सामने फंसी एंबुलेंस को जहां काफी देर तक इंतजार करना पड़ा तो वहीं रिहर्सल के बीच फंसी एंबुलेंस के लिए रास्ता पुलिसकर्मियों ने निकाला। डायवर्जन रूट पर जिम्मेदार नजर नहीं आए जिसकी वजह से हजरतगंज, कैंट, कैसरबाग समेत कई इलाकों में ट्रैफिक रेंगता तो कई जगह पहिए थम गए। करीब डेढ़ घंटे तक वाहन चालक परेशान हुए।

- हजरतगंज, कैंट, गौतमपल्ली, कैसरबाग, हुसैनगंज, डालीगंज पुल तक रेंगते रहे वाहन

पूर्वाभ्यास को लेकर हजरतगंज, हुसैनगंज समेत कई इलाकों के मार्गों का ट्रैफिक डायवर्जन किया गया था। मवैय्या की ओर से आने वाले वाहन गुप्ता तिराहा से बांसमंडी चौराहा होकर गुजरे जिसकी वजह से यहां ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। चारबाग, मवैय्या अंडरपास तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। वहीं, पुरानी जेल रो से करियप्पा चौराहे तक वाहन रेंगते रहे। इधर 1090 चौराहे से गोल्फ क्लब तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। जाम से बचने के लिए वाहन चालक बालू अड्डा, यूपीटेक चौराहा, सिकंदबाग चौराहा होकर गुजरे। दबाव बढ़ने से इन मार्गों पर भी वाहन रेंगते नजर आए। हजरतगंज के कई मार्गों और परिवर्तन चौक, हुनमान सेतु से आईटी चौराहे तक यही हाल रहा। सुबह बच्चों को स्कूल पहुंचाने आए अभिभावक गलियों से होकर गुजरे। गलियों में ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। कैसरबाग अशोक लॉट चौराहा, कैसरबाग बस अड्डा चौराहे पर भी वाहनों के पहिए रूक गए। यहां यातायात की रफ्तार थमने की वजह से लालबाग, डालीगंज पुल, टीले वाली मस्जिद तक ट्रैफिक का दबाव बना रहा।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

लखनऊ

एस्सार समूह यूपी में करेगा 25,000 करोड़ का निवेश

एएस टेक्नोलॉजी भी करेगी 200 करोड़ का निवेश, जीसीसी स्थापना पर सहमति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दावोस में विश्व आर्थिक मंच के सम्मेलन में तीन दिनों में 2.5 लाख करोड़ के करार

अमृत विचार: स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) के सम्मेलन में प्रदेश के लिए निवेश के नए द्वार खुले हैं। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में 25,200 करोड़ रुपये के निवेश को लेकर दो प्रमुख कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें एस्सार समूह राज्य में करेगा 25,000 करोड़ का निवेश करेगा, जबकि एएस टेक्नोलॉजीज 200 करोड़। खास बात यह है कि सम्मेलन के पहले तीन दिनों में ही प्रदेश के लिए करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बन चुकी है।

गुरुवार को सम्मेलन के दौरान राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल और एस्सार समूह के शीर्ष अधिकारियों के बीच हुई बैठक में समूह ने पावर और ऊर्जा प्रणाली, लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग तथा डेटा सेंटर के क्षेत्र में निवेश की सहमति दी। इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो महीनों से एस्सार समूह के साथ निरंतर संवाद चल रहा था, जिसके परिणामस्वरूप अब यह बड़ा निवेश प्रस्ताव साकार हो सका है।

एएस टेक्नोलॉजीज ने निवेश को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किए। समूह ने प्रदेश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस केंद्र के माध्यम से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को उन्नत आईटी सेवाएं, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन समाधान और नवाचार आधारित क्षमता निर्माण में सहयोग दिया जाएगा। इससे प्रदेश में उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। इसके अलावा, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं के विकास के लिए राज्य सरकार के साथ एक गैर-वित्तीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा और हरित औद्योगिक विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक माना जा रहा है।

सम्मेलन के चौथे दिन उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्ना क्षेत्रों में निवेश को लेकर कई वैश्विक कंपनियों और संगठनों के साथ विस्तृत बैठकें कीं।

धार्मिक स्थल के पास जानवर काटा, हंगामा

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र के ग्राम भटऊ जमालपुर मजरा अशरफखेड़ा में गुरुवार सुबह धार्मिक स्थल के पास जंगली जानवर काटे जाने की सूचना से गांव में तनाव फैल गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक पांच आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस ने घटनास्थल से दो बाइक बरामद की है।

इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चन्द्र राठौर ने बताया कि इब्राहिमखेड़ा निवासी संजय कुमार ने तहरीर में बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10 बजे गांव के तिराहे पर अर्द्ध निर्मित हनुमान मंदिर के पास स्थित दिगम्बर सिंह यादव की आटा चक्की में दिगम्बर सिंह यादव, शत्रोहन, सर्वेश रावत, रमेश, महेंद्र रावत समेत अन्य अज्ञात लोग किसी जानवर का मांस काटते दिखे। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

चारबाग स्टेशन के पास से मासूम अगवा

फुटपाथ पर मां व परिवार संग सो रही थी बच्ची, मां की तहरीर पर डेढ़ माह बाद रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

जीआरपी की लापरवाही आई सामने

इस घटना से रेलवे स्टेशन क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। एसओ शिवमंगल सिंह ने बताया कि 4 जनवरी को ही बच्ची के माता-पिता ने जीआरपी में सूचना दी थी। जीआरपी घटनास्थल पर पहुंची। घटनास्थल हुसैनगंज का था, इसके बाद भी जीआरपी ने हुसैनगंज पुलिस को जानकारी नहीं दी। डाक से पत्र आने के बाद हुसैनगंज पुलिस मौके पर पहुंची तो जानकारी हुई। अगर जीआरपी खुद एक्शन लेती या उन्हें सूचना देती तो अहम सीसीटीवी फुटेज मिल सकती थी।

अमृत विचार: चारबाग रेलवे स्टेशन स्थित बड़ी लाइन के पास से तीन साल की मासूम को अगवा कर लिया गया। यह घटना उस वक्त हुई जब बच्ची परिवार संग स्टेशन के पास फुटपाथ पर सो रही थी। 4 दिसंबर को गायब बच्ची की सूचना जीआरपी में देने के बाद परिजन लखनऊ व कानपुर में खोजबीन करते रहे। फिर डॉक से प्रार्थना पत्र भेजकर पैतृक गांव जौनपुर चले गए। पत्र देख हुसैनगंज पुलिस जौनपुर पहुंची। करीब डेढ़ माह बाद 21 जनवरी को अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की गयी। पुलिस सर्विलांस और सीसीटीवी कैमरों की मदद से जांच कर रही है।

मूल रूप से जौनपुर के मछली शहर निवासी वीना चारबाग रेलवे स्टेशन की बड़ी लाइन स्थित पानी की टंकी के नीचे अपने परिवार के साथ रहती हैं। 4 दिसंबर की रात करीब 2:30 बजे वीना परिवार संग सो रही थी। इसी दौरान कोई उनकी तीन साल की बेटी रतिका को उठा ले गया। करीब 3 बजे जब वीना की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि बेटी रतिका गायब है। यह देख वह डर गयी। परिवारवालों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बच्ची का कहीं पता नहीं चला।

इसी बीच पति राजेश के मोबाइल फोन पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि बच्ची उसके पास सुरक्षित है और वह घंटाघर के पास मौजूद है। परिजन ने बच्ची के अपहरण की सूचना जीआरपी थाने में दी। बताया कि मोबाइल नंबर (97952.....) से कॉल आया, उस पर दोबारा संपर्क करने पर कॉलर ने खुद को कानपुर से बोलने वाला बताया। पुलिस को जानकारी देने के बाद परिजन बच्ची की तलाश में कानपुर गए। कई दिनों तक खोजबीन के बाद भी बच्ची का कुछ पता नहीं चला।

करीब 20 दिन बाद पीड़ित माता-पिता लखनऊ आए और डाक प्रार्थना पत्र भेजकर वापस गांव चले गए। कुछ समय तक उनका मोबाइल फोन भी बंद रहा। डाक से प्रार्थना पत्र मिलने के बाद पुलिस ने जौनपुर जाकर परिजन से संपर्क किया। वहां से अपहृत बच्ची के माता-पिता का नंबर मिला। उसके बाद संपर्क कर उन्हें बुलाया गया। जिसके बाद परिजन 21 जनवरी को हुसैनगंज कोतवाली पहुंचे। पीड़ित माता-पिता ने पुलिस को सारी बात बतायी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

संभल हिंसा में कथित फर्जी एनकाउंटर के मामले में ट्रांसफर किए गए सीजेएम विभांशु सुधीर का ट्रांसफर रद्द करने और एएसपी अनुज चौधरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर हजरतगंज में प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई और समाजवादी छात्र सभा कार्यकर्ताओं को पकड़ कर ले जाती पुलिस टीम।

एनसीएलटी में एलडीए रखेगा अपना पक्ष

अमृत विचार, लखनऊ: मेसर्स अंसल प्रापर्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के दिवालिया प्रकरण पर लखनऊ विकास प्राधिकरण राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) में अपना पक्ष रखेगा। इससे सुशांत गोल्फ सिटी अंतर्गत हाईटेक टाउनशिप में भूखंड, मकान, दुकान खरीदने वालों को राहत मिलने की उम्मीद है।

25 फरवरी 2025 को मेसर्स अंसल प्रापर्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर को दिवालिया घोषित किया गया था। इस प्रकरण पर नेशनल कंपनी ला अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) द्वारा जारी आदेश के क्रम में एलडीए 19 जनवरी को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) में पक्षकार बन गया है। अब अगली सुनवाई में एलडीए अपना पक्ष रखेगा। हाईटेक टाउनशिप में लोगों ने भूखंड, मकान, दुकान खरीदकर लाखों-करोड़ों रुपये फंसाए थे। इधर, अंसल को दिवालिया घोषित कर दिया गया था। क्योंकि अंसल ने निर्धारित समय पर कर्ज नहीं अदा किया था। इस पर एनसीएलटी ने एलडीए को नोटिस जारी करके पक्षकार नहीं बनाया था। जबकि एलडीए ने हाईटेक सिटी नीति के तहत अंसल एपीआइ से एमओयू किया था। अब सुनवाई में एलडीए अपना पक्ष विस्तार से रखेगा।

कॉक्लियर इम्प्लांट से युवक की सुनने की शक्ति लौटी

संवाददाता, पीजीआई

- प्रदेश में पहली बार पीजीआई में नई तकनीक का इस्तेमाल, हादसे में दोनों कान हो गए थे क्षतिग्रस्त

अमृत विचार : संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के डॉक्टरों ने अत्याधुनिक कॉक्लियर इम्प्लांट तकनीक का सफल उपयोग कर एक युवक की सुनने की शक्ति बहाल कर दी। यह तकनीक उत्तर प्रदेश में पहली बार प्रयोग की गई है। भीषण सड़क दुर्घटना में युवक के दोनों कान गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे उसका जीवन लगभग खामोशी में डूब गया था।

दुर्घटना में युवक का बायां कान पूरी तरह काम करना बंद कर चुका था, जबकि दाहिने कान में फ्रैक्चर के कारण सुनने की क्षमता लगभग समाप्त हो गई थी। डॉक्टरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि दाहिने कान की श्रवण नसें सुरक्षित हैं या नहीं। यदि नसें क्षतिग्रस्त होतीं, तो युवक के दोबारा सुन पाने की कोई संभावना नहीं रहती। इस जटिल मामले में पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के प्रो. रमनदीप से परामर्श लिया गया। विशेष जांचों के बाद यह स्पष्ट हुआ कि दाहिने कान की नसें अभी सक्रिय हैं। इसके बाद कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी का निर्णय लिया गया।

बड़ी उपलब्धि

- जनवरी के दूसरे सप्ताह में एसजीपीजीआई की न्यूरो-ऑटोलॉजी टीम ने डॉ. एम. रवि शंकर के नेतृत्व में यह जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की। सर्जरी में ऐसे आधुनिक उपकरण का उपयोग किया गया, जो सामान्य बोलचाल की आवाज के काफी करीब सुनने में मदद करता है। बुधवार को जब डिवाइस को सक्रिय किया गया, तो युवक ने तुरंत आवाजों पर प्रतिक्रिया दी। यह क्षण डॉक्टरों और परिजनों के लिए बेहद भावुक रहा।

इस पूरी प्रक्रिया में पीजीआई चंडीगढ़ की पारुल और एसजीपीजीआई की ऑडियोलॉजी टीम की आद्या, कीर्ति और मंगल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेषज्ञ माथुर और शिवांगी ने भी तकनीकी सहयोग दिया। डॉक्टरों के अनुसार, दुर्घटना के कारण शरीर की आंतरिक संरचना में बदलाव आ गया था, जिससे सर्जरी और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई थी, लेकिन आधुनिक तकनीक और बेहतर टीमवर्क से सफलता मिली।

बलरामपुर अस्पताल की क्रय समिति में शासनादेश के विपरीत दो अतिरिक्त सदस्य, विरोध शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल में सामग्री खरीद के लिए गठित की गई नई क्रय समिति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि समिति का गठन शासनादेश के विपरीत किया गया है। शासनादेश में जहां क्रय समिति में अध्यक्ष सहित कुल पांच अधिकारियों को शामिल करने का स्पष्ट प्रावधान है, वहीं बलरामपुर अस्पताल में गठित समिति में छह से अधिक सदस्यों को शामिल कर लिया गया है।

बलरामपुर अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता आर्या ने 19 जनवरी को क्रय समिति का गठन किया। इस समिति में निदेशक डॉ. कविता आर्या को अध्यक्ष बनाया गया है। अन्य सदस्यों में सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी, वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. एसके पांडेय, सीएमओ की ओर से नामित डिप्टी सीएमओ डॉ. निशांत निर्वाण, एमएस व प्रभारी अधिकारी स्टोर डॉ. देवाशीष शुक्ला, चीफ फार्मासिस्ट व फार्मेसी अधिकारी जेके सचान और लेखाकार श्याम सुंदर कुशवाहा को शामिल किया गया है। समिति में चीफ फार्मासिस्ट और लेखाकार को शामिल किए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि इन दोनों पदों को शासनादेश के विपरीत क्रय समिति में शामिल किया गया है। यह समिति अस्पताल में मरीजों के लिए दवाओं, बेड और अन्य चिकित्सकीय उपकरणों की खरीद से संबंधित निर्णय लेगी।

इस संबंध में बलरामपुर अस्पताल के निदेशक ने बताया कि अस्पताल में मरीजों की दवा, उपकरण आदि खरीदने के लिए क्रय समिति का गठन किया गया है। शासनादेश देखकर ही क्रय समिति के संबंध में जानकारी करुंगी। शासनादेश के अनुसार ही क्रय समिति बनेगी।

क्या कहता है शासनादेश

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उत्तर प्रदेश के तत्कालीन महानिदेशक एलबी प्रसाद की ओर से सात फरवरी 2008 को जारी आदेश के अनुसार, जिला स्तरीय अस्पतालों अथवा उन अस्पतालों में जहां निदेशक या अपर निदेशक स्तर के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक तैनात हों, वहां क्रय समिति का गठन किया जाना चाहिए। शासनादेश के मुताबिक समिति में अध्यक्ष के रूप में अस्पताल के निदेशक या प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक होंगे, जबकि चार सदस्य सीएमएस या एमएस, अस्पताल का वरिष्ठतम विशेषज्ञ, प्रभारी चिकित्साधिकारी स्टोर और सीएमओ अथवा उनके द्वारा नामित डिप्टी सीएमओ होंगे। शासनादेश से हटकर समिति के गठन को लेकर अब प्रशासनिक स्तर पर जवाबदेही तय होने की मांग उठने लगी है।

नर्सों को सिजेरियन कराने का लक्ष्य देने का विरोध

- **अमृत विचार, लखनऊ:** भदोही जनपद के ज्ञानपुर स्थित महाराजा चेतसिंह जिला अस्पताल में नर्सिंग अधिकारियों को सिजेरियन ऑपरेशन कराने का लक्ष्य दिए जाने का मामला गंभीर होता जा रहा है। इसे लेकर राजकीय नर्सेज संघ उत्तर प्रदेश ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संघ के महामंत्री अशोक कुमार ने स्वास्थ्य महानिदेशक को पत्र भेजकर सीएमएस के आदेश को तत्काल निरस्त कराने की मांग की है। संघ का आरोप है कि 19 जनवरी को हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में चार नर्सों पर कुल 27 सिजेरियन कराने का दबाव डाला गया और वेतन कटौती व एसीआर में प्रतिकूल टिप्पणी की चेतावनी दी गई।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-अयोध्या।

पत्रांक– 4551/ ग्रा0अ0वि0/नि0 पत्रा0 /2025–26/ दिनांक : 13.01.2026

मैन्यूवल निविदा की प्रेस सूचना

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अयोध्या के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी, एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप इस विभाग में विद्युत कार्य हेतु 'ए' श्रेणी एवं विद्युत सुरक्षा निदेशालय में पात्र पंजीकृत निविदादाताओं से मैन्यूवल विधि के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	अयोध्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु0 लाख) (ड्राइंग एंव बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार (जी0एस0टी0 छोड़कर)	बिड सिकुरिटि (इ0एम0 डी0) (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी. एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित	अधिशाषी अभियन्ता कार्यालय का पता	अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय का पता	जिला अधिकारी कार्यालय का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना									
1	अयोध्या	ग्राम सभा आस्तीकन में राजाबाबा के स्थान पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–हरिंग्टन गंज।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, ग्रा0अ0वि विकास भवन अयोध्या	कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रा0अ0वि बड़ा रमना अयोध्या	कार्यालय जिला अधिकारी, कलेक्ट्रेट, अयोध्या
2	अयोध्या	ग्राम सभा हरिनाथपुर तिराहे पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–हरिंग्टन गंज।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
3	अयोध्या	रौनाही धन्नीपुर में कटरा मजार के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–सोहावल।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
4	अयोध्या	ग्राम सभा धर्मौरा चौराहे पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–रूदौली	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
5	अयोध्या	ग्राम सभा साखूपारा भाभा तिराहे पर विनोद रावत के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मसोधा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
6	अयोध्या	ग्राम सभा आदिनपुर चौराहे प्राथमिक विद्यालय तिराहा बजरंगबली के स्थान पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–हरिंग्टन गंज।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
7	अयोध्या	ग्राम दौलतपुर में कुर्बान शाह की मजार पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मसोधा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
8	अयोध्या	ग्राम टकसरा मूर्ति विर्सजन स्थल के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मिल्कीपुर	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
9	अयोध्या	ग्राम पुनहद कृष्णानगर पूर्व मंत्री श्री पवन पाण्डेय के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–पूरा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
10	अयोध्या	रसूलाबाद चौराहे पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–पूरा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
11	अयोध्या	कल्यान भदरसा कोटवा पक्की सड़क के पास जय माँ धर्मावती गेट के पास सड़क पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–नगर पं0 भदरसा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
12	अयोध्या	ग्राम सभा बसवार में समीमउल्ला के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–हरिंग्टन गंज।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
13.	अयोध्या	ग्राम सभा पुराय में फहीम के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–रूदौली	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
14	अयोध्या	ग्राम सभा चक्का सरेठा में काली माता मंदिर पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–रूदौली	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
15	अयोध्या	ग्राम सभा डेरामूसी में नहर की पटरी पर आबादी मोड़ पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–सोहावल	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
16	अयोध्या	ग्राम बिरौली चौराहा पंचायत भवन के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मसोधा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
17	अयोध्या	ग्राम सारी शिवजी के मंदिर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मिल्कीपुर।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
18	अयोध्या	ग्राम सभा देवरिया भुलनापुर तिराहे पर मंदिर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मिल्कीपुर।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
19	अयोध्या	ग्राम सभा पिरखौली में जयदेवनाथ बाबा के स्थान पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–सोहावल	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
20	अयोध्या	ग्राम सभा परानापुर बरवा में तिराहे पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–सोहावल।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
21	अयोध्या	ग्राम सभा पिलखवॉ में अलीगंज मुबारकगंज मोड़ पर मुन्ना के दुकान के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–सोहावल।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
22	अयोध्या	ग्राम सभा इनायत नगर कोटवा तिराहा पर अफजल खॉ के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मिल्कीपुर।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
23	अयोध्या	ग्राम सभा अरूवॉवा में सैययद सलार खॉ के मजार पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मसोधा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
24	अयोध्या	ग्राम सभा सुरवारी बाजार तिराहा पर भरत मौर्या के दुकान के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–सोहावल	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
25	अयोध्या	ग्राम पारा कैल राजेश कुमार पाण्डेय के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मसोधा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
26	अयोध्या	ग्राम सभा माधवपुर डेहवा में हनुमान मंदिर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मसोधा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
27	अयोध्या	ग्राम सभा भखौली तिराहा पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–अमानीगंज।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
28	अयोध्या	ग्राम सभा सुरवारी पूरे लक्ष्मन तिवारी हृदयराम के घर के आगे तिराहे पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–सोहावल।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
29	अयोध्या	ग्राम सभा उरूवा वैश्य मंत्री का पुरवा में अनु0जा0 बस्ती गुरूप्रसाद आदि के मुहल्ले में सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–हरिंग्टनगंज	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
30	अयोध्या	ग्राम सभा उपाध्यायपुर में पूर्व प्रमुख श्री कमलाशन पाण्डेय के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मिल्कीपुर	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
31	अयोध्या	ग्राम सभा धर्मदास पर चकियवा नहर पुलिया के पास तिराहे पर सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–मसोधा।	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
32	अयोध्या	ग्राम रायपुर में मुस्तजीब के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–रूदौली	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
33	अयोध्या	ग्राम नई सराय में इब्राहिम खान के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–रूदौली	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
34	अयोध्या	ग्राम सीवन वाजिदपुर में पूर्व माध्यमिक विद्यालय के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–रूदौली	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त
35	अयोध्या	ग्राम रौजा गॉव में सरफराज के घर के पास सेमी हाई मास्ट लाइट की स्थापना कार्य–रूदौली	2.08	20800	500+225+ 131 = 856	02माह	उपरोक्त	उपरोक्त	उपरोक्त

2. निविदा सूचना के कालम संख्या 8,9 एवं 10 में अंकित कार्यालय में बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता/ विक्रय की तिथि :– 06.02.2026 से 12.02.2026 तक।
3. निविदा डाले जाने की तिथि, समय व स्थानः–13.02.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक, कार्यालय अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–अयोध्या।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः–13.02.2026 को सायं 3.00 बजे से।

अधिक जानकारी के लिए कृपया नियोक्ता कार्यालय अर्थात अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अयोध्या में सम्पर्क करें।

(मुनेश कुमार लोधी) अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अयोध्या
महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से

UP-244267 दिनांक 21.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

युवाओं के दम पर बनेगा नया भारत : केशव

आज़मगढ़ में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने पहुंचे उप मुख्यमंत्री ने ग्राम चौपाल को भी किया संबोधित

संवाददाता, आज़मगढ़

अमृत विचार : स्वदेशी, विकास और विरासत के मुद्दे पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को आज़मगढ़ की धरती से बड़ा संदेश दिया। जनपद दौरे पर पहुंचे डिप्टी सीएम का पुलिस लाइन में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इसके बाद वे नगर के हरिऔध कला भवन पहुंचे, जहां आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत कर उन्होंने सरकार की उपलब्धियों के साथ 2047 के विकसित भारत का विज़न साझा किया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य गुरुवार को नगर के हरिऔध कला केंद्र में आयोजित ब्रह्मर्षि स्वामी सहजानंद सेवा न्यास एवं महाराजा सुहेलदेव विवि की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्होंने शिरकत की और कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में स्वदेशी की सोच बदली है। पहले स्वदेशी की बात करने में लोगों को संकोच होता था, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी पर गर्व किया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि देशवासी स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें तो दुनिया की कोई ताकत भारत को पीछे नहीं रख सकती। डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार ने गरीबों के खिलाफ जंग जीतते हुए 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम किया है। कार्यक्रम में मौजूद युवाओं को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने में अब केवल 21 वर्ष शेष हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनपद के उद्यमियों को सम्मानित भी किया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम चौपाल को भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने जिले के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संयोजक गोरखपुर सहजानंद राय, महाराजा सुहेलदेव विवि के कुलपति प्रो. संजीव कुमार, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती (राजगुरु मठ पीठाधीश्वर, काशी) आदि मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य। अमृत विचार

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा 50 हजार का इनामी

गोंडा, अमृत विचार : 50 हजार इनामीम अपराधी मलखान सिंह को एसटीएफ ने गिरफ्ता रकर लिया। मलखान सिंह थाना परसपुर में पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी बुधवार की रात परसपुर थाना क्षेत्र के मरचौर मोड़, ग्राम हरदिहा स्थित टावर के पास से की गई। एसटीएफ के निरीक्षक प्रताप नारायण सिंह के नेतृत्व में एक टीम जिले में अभिसूचना संकलन कर रही थी। टीम को सूचना मिली कि मलखान सिंह मरचौर मोड़ के पास मौजूद है। एसटीएफ टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को दबोच लिया।

ट्रक ने कोटेदार को रौंदा कई लोग बाल-बाल बचे

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : बुधवार की देर रात नशे में धुत ट्रक चालक ने गांव में ऐसा तांडव मचाया कि कई लोग बाल-बाल बचे, लेकिन अंततः सड़क किनारे खड़े बाइक सवार कोटेदार को कुचल दिया। उसकी मौत हो गई।

बिकौली निवासी चालक अमन वर्मा शराब के नशे में ट्रक लेकर गांव में घुसा। ट्रक ने सबसे पहले पवन कुमार उर्फ आदित्य गौतम और अखिलेश वर्मा को अपनी चपेट में लेने की कोशिश की इसके बाद ट्रक पेड़ से जा टकराया। नशे में धुत अमन वर्मा दोबारा ट्रक लेकर निकल पड़ा। इसी दौरान कोटेदार अरविंद वर्मा सड़क किनारे खड़े होकर चेतराम से बातचीत कर रहे थे। ट्रक ने अरविंद वर्मा को रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बस में लगी आग, छात्रों ने कूदकर बचायी जान

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : लखनऊ से लौट रही छात्र-छात्राओं से भरी बस में गुरुवार देर शाम आग लग गयी। बस में सवार लगभग 40 छात्र-छात्राओं में अफरा-तफरी मच गई। मोदी ढाबा के पास इंजन में आग लग गई। घबराए छात्र-छात्राओं ने बस के शीशे तोड़ दिए और कूदकर बाहर निकले। इस दौरान महिमा, लक्ष्मीनिवास व एक अन्य घायल हो गए।

कार्यालय नगर पंचायत सलोन जनपद-रायबरेली

पत्रांक: 675 / अधि0अधि0न0प0स0 / ई-टेण्डर / 2025-26 दिनांक-20/01/,2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

एतद्वारा ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य वित्त आयोग / निकाय निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत सलोन में निम्नांकित कार्य हेतु यू0पी0 इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन लिमिटेड में रजिस्टर्ड बिल्डर्स/कान्ट्रैक्टर्स / बेन्डर्स से दिनांक 21-01-2026 से 04-02-2026 सांय 05: 00 बजे तक ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है, जिसकी समस्त कार्यवाही WWW.etender.up.nic.in पर ही की जायेगी। दिनांक-05-02-2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे निविदाऐं खोली जायेगी। किसी एक अथवा समस्त टेण्डर को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। शासन के निर्देशानुरूप जी.एस.टी. भी मान्य होगी। ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

टेण्डर शेड्यूल (WWW.etender.up.nic.in पर)

क्र0सं0	नगर पंचायत	ठेकेदार	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अंतिम दिनांक एवं समय
01	Tender Release		21-01-2026 02.00 PM	-
02	–	Tender Download	21-01-2026 02.00 PM	04-02-2026 05.00 PM
03	–	Bid Submission	21-01-2026 02.00 PM	04-02-2026 05.00 PM
04	Bid Opening Date		05-02-2026 11.00 PM	-

कार्य-विवरण

क्र.सं.	कार्य स्थल का विवरण	अनुमानित लागत (GST सहित)	जमानत राशि 10 प्रति0	निविदा फार्म शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	नगर पंचायत सलोन के अन्तर्गत वार्ड नं0 15 मोहल्ला मिल्कियाना पश्चिमी में रबरमोल्ड इन्टरलाकिंग रिपेयरिंग व नाली मरम्मत का कार्य।	423263.00	42350.00	500.00	01 माह
2.	नगर पंचायत सलोन के अन्तर्गत वार्ड नं0 13 मोहल्ला करीमगंज में जिया राईन के मकान से नफीस के मकान तक नाली रिपेयरिंग व पत्थर रखने का निर्माण कार्य।	121776.00	12200.00	150.00	01 माह
3.	रायबरेली प्रतापगढ रोड़ में बिजली घर के सामने नाला व पाइप डालने का निर्माण कार्य।	502374.00	50250.00	600.00	01 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सलोन रायबरेली

प्रशासक
नगर पंचायत सलोन रायबरेली

पूर्व प्रधान के पौत्र पर चाकू से हमला

अयोध्या, अमृत विचार : इनायतनगर थाना क्षेत्र के चौकी बारुन बाजार अंतर्गत करमडांडा गांव के मजरे झलिहन में बुधवार रात आपसी विवाद में कुछ युवकों ने पूर्व प्रधान के पौत्र पर चाकू से हमला कर दिया। उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया है। पूर्व प्रधान चंद्रपाल श्रीवास्तव का पौत्र आदित्य (22) पुत्र सुभाष चंद श्रीवास्तव दिल्ली में रहता है। वह एक माह पूर्व परीक्षा देने अयोध्या आया था। उसके बाबा ने बताया कि बुधवार रात आदित्य अपने दोस्त दीपांशु यादव जो पड़ोस में ही रहता है, के साथ कहीं गया था। देर रात करीब दो बजे उन्हें सूचना मिली की किसी ने आदित्य का चाकू मार दिया है।

विकास कार्यों में तेजी लाएं : सुरेश राही

बाराबंकी, अमृत विचार : जनपद के प्रभारी मंत्री एवं राज्य मंत्री कारागार सुरेश राही की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी पात्र लाभार्थियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध व पारदर्शी ढंग से पहुंचे व लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाए तथा लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रभारी मंत्री ने गन्ना विभाग को उत्पादन बढ़ाने तथा ओवरलोड व बिना फिटनेस गन्ना लदी ट्रकों पर सख्त प्रवर्तन करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सकों की समय से उपस्थिति और बेहतर उपचार सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एमएलसी अंगद सिंह एवं विधायक हैदरगढ़ दिनेश रावत का स्वागत जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, सीडीओ अन्ना सुदन तथा पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय मौजूद रहे।

सटोरिया गैंग का खुलासा, 2 करोड़ नकदी और 62 किलो चांदी मिली

कानपुर, अमृत विचार : पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय सट्टा खिलाने वाले, शेयर ट्रेडिंग और हवाला कारोबार से जुड़े गैंग का खुलासा किया। पुलिस टीम ने कलक्टरगंज स्थित धनकुट्टी निवासी रमाकांत गुप्ता के मकान में छापेमारी कर मौके से करीब दो करोड़ रुपये नकद और 61.860 किग्रा. चांदी बरामद की। इलाके अलावा पैन ड्राइव, मॉडम और भारतीय व नेपाली करेंसी के नोट बरामद किए। पुलिस ने मकान मालिक समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया। जिनसे पूछताछ की जा रही है। साथ ही नकदी की गिनती कर रही है। वहीं आरोपितों से पूछताछ कर गैंग के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 07/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0: 1 कार्य का विवरण:** क्लटरबकगंज स्थित ट्रेन सेट डिपो में स्व-चालित निरीक्षण कार (एस.पी.आई.सी) के लिए निर्धारित रखरखाव शेड का प्रावधान एवं विविध कार्य, एवं क्लटरबकगंज में पिट व्हील लेथ मशीन के पीछे मौजूदा 80 मीटर ट्रैक को 400 मीटर तक विस्तारित करना। **अनुमानित लागत रूपयों में :** 3,34,12,269.89/- **बयाना राशि रुपयों में (रु0) :** 3,17,100/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 06 (माह) 1. ई-निविदा दिनांक 16.02.2026 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाधि/डब्लू-422 **इज्जतनगर**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

अंबेडकरनगर में पकड़ा गया सुलतानपुर से भागा तेंदुआ

अखंडनगर, सुलतानपुर

अमृत विचार : अखंड नगर थाना क्षेत्र में किसानों द्वारा फसलों की सुरक्षा के लिए लगाए गए जाल में फंसा तेंदुआ रेस्क्यू के दौरान निकलकर भाग गया और अंबेडकरनगर के मालीपुर थाना क्षेत्र में पहुंच गया। आबादी वाले इलाकों में तेंदुए की चहलकदमी से आसपास के गांवों में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। ग्रामीणों की मदद से तेंदुआ पकड़कर वन विभाग उसे गोरखपुर के लिए ले गया, तब ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् जनपद न्यायाधीश, लखनऊ
प्रकीर्ण वाद संख्या-1098/2025 ता0पेशी-20.02.2026
रामा लॉ कालेज समिति निबन्धन सं0-2064/2013-14, स्थित ग्राम व पोस्ट व थाना चिनहट, जिला लखनऊ द्वारा प्रबन्धक/सचिव सत्यप्रकाश यादव पुत्र स्व0 प्रेम सिंह, निवासी-ग्राम व पो0 हैवरा, जिला इटावा, वर्तमान पता-आर-8/98, राजनगर, गाजियाबाद, उ0प्र0-प्रार्थी/वादी

बनाम

1-उ0प्र0 सरकार, लखनऊ द्वारा कलेक्टर, लखनऊ-2-श्री आनन्द प्रकाश पुत्र स्व0 प्रेमसिंह- 3-श्रीमती सरला देवी पत्नी आनन्द प्रकाश निवासीगण- ग्राम व पो0 हैवरा, जिला इटावा-4-श्रीमती दीपशिखा यादव पत्नी श्री प्रदीप यादव निवासिनी-न्यू मंडी, फर्रूखाबाद रोड, इटावा-5-श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री सत्यप्रकाश निवासिनी-ग्राम व पो0 हैवरा, जिला इटावा-6-श्री परमिन्दर सिंह सोंडी पुत्र श्री मेंहगा सिंह निवासी-फ्लैट नं0-18, जमुना अपार्टमेंट, ब्लाक नं0- ए-1, खरड, एस0ए0एस0 नगर, मोहाली, पंजाब-7-श्री राहुल यादव पुत्र श्री सत्यप्रकाश यादव निवासी-ग्राम व पोस्ट हैवरा, जिला इटावा - विपक्षीगण

जन सामान्य हेतु सूचनार्थः-चूंकि उपरोक्त नामांकित-प्रार्थी/वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा-5(क) सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट-1960 हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 20.02.2026 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 29.11.2025 के दिवस को दिखायी गयी। दस्तखत हाकिम-मोहर अदालत

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं SAMYA KHATOON से नाम बदलकर SUMAIYA KHATOON रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वहां पहचान जाए पत्नी JAMEEL AHMAD ANSARI निवासी 616/139 बता 39 आजाद नगर खदरी थाना मड़ियावं सीतापुर लखनऊ का रहने वाला हूॅ।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं ZAMEEL AHMED ANSARI से नाम बदलकर JAMEEL AHMAD ANSARI रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वहां पहचान जाए पुत्र MOHAMMAD YUNUS ANSARI निवासी 616/139 बता 39 आजाद नगर खदरी थाना मड़ियावं सीतापुर लखनऊ का रहने वाला हूॅ।

सूचना

मैं **पठान वकील अहमद उर्फ भोला पुत्र पठान फारुख अहमद ग्रा./पो. गजपतिखेड़ा थाना सरेनी, तह. लालगंज, जिला रायबरेली** का निवासी हूं। मेरा पुत्र सोहेल अहमद खान उर्फ रुस्तम परिवार के साथ गाली गलौज और दुर्व्यवहार से तंग आकर समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से मेरा और मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मैं **छेदी लाल पुत्र निरपत निवासी वैरगरा थाना सौरिख जिला कन्नौज** मेरा बेटा सुधीर व उसकी पत्नी शिवा कुमारी आए दिन मेरे व मेरे परिवार के साथ घर का बंटवारा कराने के लिए गाली गलौज ग्रह क्लेश, मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते हैं पुत्र व पुत्रवधू के इन कृतों से तंग आकर मैं अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से इन दोनों को बेदखल करते हुए सम्बन्ध विच्छेद करता हूं अब मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का इन लोगों के कृत्यों से भविष्य में कोई सरोकार नहीं होगा।

सूचना

भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी फर्रूखाबाद शाखा में संचालित है, पॉलिसी संख्या 263657243 में मेरा नाम इसरार खान अंकित है, जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम कल्लू खान अंकित है। कल्लू खान व इसरार खान दोनों नाम मेरे ही है, मुझे दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। **कल्लू खान पुत्र नौशाद खान निवासी ग्राम वीरपुर नादी, पोस्ट पिपरगाँव, तहसील सदर, जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि **शीला पत्नी छोटे लाल निवासी खुरथुवा पोस्ट राम नगर खजुरी पयागपुर जिला बहराइच** तथा राम लली पत्नी छोटे एक ही महिला का नाम है अतः इन्हें इन दोनों नामों से जाना एवं पहचाना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मा. शि.प. उ.प्र. की हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण वर्ष 2020 (जन्मतिथि-10-05-2007), अनुक्रमांक 1129460 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण वर्ष 2023, अनुक्रमांक 2237220933 का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **-अंकित बाजपेयी पुत्र शिवप्रताप बाजपेयी, निवासी-बाजपेयी पुरवा, लखनापुर, थाना-हरदी, बहराइच**

सूचना

पहले मेरा नाम VASIM AHAMED था जो मैने बदलकर WASEEM AHMAD रख लिया हूँ। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। WASEEM AHMAD S/0-MUSTAQEEM AHMAD ADD-SADARPUR BARAULI PHOOLPUR DIST-AZAMGARH (U.P.)

सूचना

सूचित करना है कि मेरा पासपोर्ट में नाम ANFEESH KHAN दर्ज है जो कि गलत है। मेरा अंग्रेजी में सही नाम NAFIS KHAN है मेरा पासपोर्ट में भी NAFIS KHAN दर्ज किया जाए। **नफीस खान पुत्र जहीर खान निवासी ग्राम सेमरी, पोस्ट भगवानपुर, परगना व तहसील तुलसीपुर जिला बलरामपुर**

सूचना

पहले मेरा नाम JAGLAL DHOBI था अब मैने बदलकर अपना नाम JAGLAL रख लिया है भविष्य में मुझे JAGLAL के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- JAGLAL SHYAMARAJ R/O- BHABHAURA POST ALAUDDINPUR DEWARIYA BUJURG]RAJESULTANPUR, AMBEDKAR NAGAR

सूचना

सूचित करना है कि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश श्रीज्ता श्रीवास्तव (srijta) दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम श्रेया श्रीवास्तव (Shreya Shrivastava) है और यही नाम मेरे अंकपत्र एवं सह प्रमाणपत्र में अंकित है। मेरा वास्तविक नाम **श्रेया श्रीवास्तव पुत्री प्रवीन कुमार श्रीवास्तव ग्राम दिनकरपुर, तहसील मनकापुर गोंडा** है।

सूचना

पहले मेरा नाम PREMCHANDRA RAJAK था अब मैने बदलकर अपना नाम PREM रख लिया है भविष्य में मुझे PREM के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- JAGLAL R/O- BHABHAURA POST ALAUDDINPUR DEWARIYA BUJURG, RAJESULTANPUR, AMBEDKAR NAGAR

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माया प्रकाश जो की मुस्लिम बाग चकिया रोड रूपईडीहा जिला बहराइच उत्तर प्रदेश पिन कोड 271881 के निवासी है वो अब माया प्रकाश पटवा के नाम से जाने जायेंगे, रिकार्ड में ये नाम सम्मिलित किया जाए।

सूचना

मैं मोहम्मद शमीम (MOHD SHAMIM) पुत्र स्व0 अली हसन खान निवासी- शमा विहार, बाग नं0-02, कानपुर रोड, लखनऊ, उ0प्र0-226023 मेरे पासपोर्ट सं0 E1177863 में मेरा नाम अंग्रेजी के शब्द MOHAMMAD SHAMIM AKHTER त्रुटिवश अंकित हो गया है, जो कि गलत है। जबकि मेरा वास्तविक नाम मोहम्मद शमीम (MOHD SHAMIM है। अतः मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नईमउल्ला अंसारी पुत्र स्व. रहमत उल्ला अंसारी, निवासी मोहल्ला - मुट्ठीगंज, थाना नवाबगंज, तहसील तरबगंज, जनपद गोंडा का निवासी हूँ। मेरे पुत्र एजाजउल्ला अंसारी का चाल-चलन ठीक नहीं है, अतः मैं उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में उसके किसी भी अपराध/लेन-देन से मैं या मेरे परिवार का कोई सदस्य जिम्मेदार नहीं होगा। इस संबंध में कोई दावा मान्य नहीं होगा। **सूचनाकर्ता-नईमउल्ला अंसारी मो0-7355797806**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत इटारा, परगना व तहसील सलोन, जनपद, रायबरेली की भूमि प्रबंधन समिति की खुली बैठक दिनांक 25 जनवरी को पंचायत भवन इटारा में बुलायी गई है। जिसमें अनुसूचित जाति, जनजाति एवं गरीब व्यक्तियों को आवासीय एवं कृषि भूमि आवंटन पर विचार विमर्श किया जायेगा। सभी ग्रामवासियों से अनुरोध है कि बैठक में पहुंचने की कृपा करें।

प्रधान
ग्राम पंचायत इटारा

सूचना

मैं **प्रिया यादव पुत्र नन्द किशोर यादव, निवासिनी-370, शेखूपुरा नगर, कालोनी, विकास नगर/अलीगंज, लखनऊ,** मैने सन् 2011 में हाईस्कूल की परीक्षा जिसका अनुक्रमांक-1124715 के प्रमाण-पत्र व सह-अंकपत्र में नाम त्रुटिवश श्रीमती प्रिया यादव अंकित हो गया जो कि गलत है। तथा मैने सन् 2013 में इन्टर की परीक्षा से उत्तीर्ण की थी जिसका अनुक्रमांक-0962339 जिसमें मेरे प्रमाण-पत्र व सह-अंकपत्र में नाम त्रुटिवश कु0 प्रिया यादव अंकित हो गया जो कि गलत है। यहकि मेरा नाम प्रिया यादव है जो की सही नाम है प्रिया यादव व कु0 प्रिया यादव व श्रीमती प्रिया यादव एक ही नाम है जो कि मेरे ही है। मेरे नाम प्रिया यादव को सही माना जाये।

विवाहिता की मौत दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : एक सप्ताह पूर्व संदिग्ध दशा में फांसी के फंदे से लटकी मिली विवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। पिता की तहरीर पर दहेज की मांग को लेकर ससुरालियों के खिलाफ फांसी से लटकाकर मारने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। घटना सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम व कस्बा रसौली की है। क्षेत्र के ग्राम कटेसर मजरे पड़रा निवासी सुशील पुत्र रामफल ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री शिवानी का विवाह करीब चार वर्ष पूर्व ग्राम रसौली थाना सफदरगंज निवासी प्रवेश उर्फ गोलू पुत्र रामनरेश यादव से हुआ था। दहेज से ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं था।

आरोप है कि पति प्रवेश उर्फ गोलू, ससुर रामनरेश यादव, देवर रमेश तथा भूरे आए दिन शिवानी से अतिरिक्त दहेज के रूप में एक लाख रुपये नकद और एक सोने की जंजीर की मांग करते थे। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट की जाती और भूखा रखा जाता था। ससुराल पक्ष को समझाने का भी प्रयास हुआ, । सुशील का आरोप है कि ससुराल वालों ने उनकी पुत्री को जान से मारने की धमकी दी और यह भी कहा कि उसके लगभग तीन वर्षीय पुत्र को वे अपने पास रख लेंगे। इसी क्रम में 14 जनवरी को शिवानी को फांसी लगाकर जान लेने की कोशिश की गई।

U.P. Rajkiya Nirman Nigam Ltd.

(ISO 9001:2008 Certified Company)
Visheshwaraiya Bhawan, Gomti Nagar, Lucknow

S.L. N.	Code No.	NAME OF ZONE	NAME OF WORK	TENDER COST (in lakh)	Date of Pre-bid Meeting	Date of Submission/ Opening of Technical bid
1	Gkp-11/25	Gorakhpur Zone	Balance work of boundary wall for judicial officer Residential campus at District Kushinagar (Padrauna)	72,81	24.01.2026	31.01.2026
2	Del-5/25	Delhi Zone	Miscellaneous Work at Post Graduate Institute of Child Health (PGICH) Sector 30 Noida G.B. Nagar	2056.89	22.01.2026	02.02.2026
3	EI-IV-11/26	Electrical Zone-4	Conferencing System in Conference Room at Dr. Ram Manohar Lohiya Administrative & Management Academy, Sultanpur Road,Lucknow.	76.95	---	28.01.2026
4	EI-IV-12/26	-Do-	SITC of Audio System in Auditorium, Addressing Audio System (Various Class Room and Halls) and White Board at Dr. Ram Manohar Lohiya Administrative and Management Academy,Sultanpur	73.31	---	06.02.2026

For more details visit U.P. Government e-tender portal **http://etender.up.nic.in** and UPRNNL website **http://www.uprnn.upsdc.gov.in**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन नोटिस सं0 02/26

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा0), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है-

क्र.स	लाट सं	कार्य का विवरण
1	PnU-LJN-GD-Toi-27-24-2 (Pay and Use Toilets)	गोण्डा जं० स्टेशन के प्लेटफॉर्म - 2/3 एवं 4/5 के पच्छिमी छोर पर स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।
2	PnU-LJN-BST-Toi-57-26-1 (Pay and Use Toilets)	बस्ती स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु
3	PnU-LJN-BV-Toi-7-22-1 (Pay and Use Toilets)	बभनान स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु
4	PnU-LJN-SNC-Toi-37-25-1 (Pay and Use Toilets)	स्वामीनारायण छपिया स्टेशन के प्लेटफार्म स० 01 पर पूर्वी छोर स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु
5	PnU-LJN-LMP-Toi-16-25-1 (Pay and Use Toilets)	लखीमपुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया (आरएमएस के पास) स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु
6	PnU-LJN-GK-Toi-49-25-1 (Pay and Use Toilets)	गोलागोकरननाथ स्टेशन के वेटिंग हॉल में स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु

निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। आइआरपीएस पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। सभी लॉट के लिये ई-ऑक्शन दि0-04-02-2026, 14.00 बजे प्रारंभ होकर 04-02-2026, 15.20 बजे बंद होगी। इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पॉर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे-डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तो की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य-238 **सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

रेल यात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि प्रयागराज संगम स्टेशन को अस्थायी तौर पर बंद रखने के निर्णय के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ी सेवाओं को उनके गंतव्य स्टेशन से पहले यात्रा समापन/यात्रा प्रारंभ करने का प्रबंध किया गया है। विस्तृत सूची निम्नानुसार हैः-

फाफामऊ रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	स्टेशन	समय: आगमन	समय: प्रस्थान	आंशिक निरस्तीकरण की तिथि
54102 कानपुर अनवरगंज-प्रयागराज संगम पैसेंजर	फाफामऊ जं.	08:40	--	23.01.2026 24.01.2026 31.01.2026 01.02.2026 02.02.2026 14.02.2026 15.02.2026 16.02.2026
54214 जौनपुर जं.-प्रयागराज संगम पैसेंजर	फाफामऊ जं.	09:00	--	
54254 लखनऊ-प्रयागराज संगम पैसेंजर	फाफामऊ जं.	12:05	--	
64222 अयोध्या कैंट-प्रयागराज संगम एमईएमयू	फाफामऊ जं.	22:00	--	
54376 जौनपुर जं.-प्रयागराज संगम पैसेंजर	फाफामऊ जं.	20:36	--	
65117 गाजीपुर सिटी-प्रयागराज संगम एमईएमयू	फाफामऊ जं.	09:20	--	

प्रयाग जं. पर रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	स्टेशन	समय: आगमन	समय: प्रस्थान	आंशिक निरस्तीकरण की तिथि
14210 लखनऊ-प्रयागराज संगम इंटरसिटी एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	11:25	--	23.01.2026 24.01.2026 31.01.2026 एवं 01, 02, 14, 15, 16.02.2026
14216 लखनऊ-प्रयागराज संगम गंगा गोमती एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	22:10	--	
14102 कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	14:20	--	
14234 मनकापुर जं.-प्रयागराज संगम सरयू एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	07:50	--	
14232 बस्ती-प्रयागराज संगम मनवर संगम एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	19:40	--	23, 24, 31.01.26 एवं 02, 14, 16.02.26
14218 चंडीगढ़-प्रयागराज संगम ऊँचाहार एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	10:35	--	23.01.26, 30.01.26 31.01.26, 01.02.26 13.02.2026, 14.02.26, 15.02.26
14242 सहारनपुर-प्रयागराज संगम नौचंदी एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	08:50	--	
14308 बरेली-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	02:40	--	
14230 हावड़ा-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	06:45	--	23, 30.01.2026, एवं 13.02.2026

प्रयाग जं. से रेलगाड़ियों का प्रारंभ

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	स्टेशन	समय: आगमन	समय: प्रस्थान	आंशिक निरस्तीकरण की तिथि
54101 प्रयागराज संगम-कानपुर अनवरगंज पैसेंजर	प्रयाग जं.	--	16:06	23.01.2026 24.01.2026 31.01.2026 01.02.2026 02.02.2026 14.02.2026 15.02.2026 16.02.2026
54213 प्रयागराज संगम-जौनपुर जं. पैसेंजर	प्रयाग जं.	--	17:21	
54253 प्रयागराज संगम-लखनऊ पैसेंजर	प्रयाग जं.	--	16:56	
64221 प्रयागराज संगम-अयोध्या कैंट एमईएमयू	प्रयाग जं.	--	06:50	
54375 प्रयागराज संगम-जौनपुर जं. पैसेंजर	प्रयाग जं.	--	06:13	
65118 प्रयागराज संगम-गाजीपुर सिटी एमईएमयू	प्रयाग जं.	--	17:46	
14209 प्रयागराज संगम-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	--	15:36	23.01.26, 24.01.26 31.01.2026, 01.02.26, 02.02.26, 14.02.26, 15.02.26, 16.02.26
14215 प्रयागराज संगम-लखनऊ गंगा गोमती एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	--	05:56	
14101 प्रयागराज संगम-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	--	16:36	
14233 प्रयागराज संगम-मनकापुर जं. सरयू एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	--	19:06	
14231 प्रयागराज संगम-बस्ती मनवर संगम एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	--	05:06	23, 24, 31.01.26 एवं 02, 14, 16.02.26
14217 प्रयागराज संगम-चंडीगढ़ ऊँचाहार एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	--	14:16	23, 24, 31.01.26 एवं 01, 02, 14, 15, 16.02.2026
14241 प्रयागराज संगम-सहारनपुर नौचंदी एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	--	18:05	
14307 प्रयागराज संगम-बरेली एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	--	01:36	
14229 प्रयागराज संगम-हावड़ा एक्सप्रेस	प्रयाग जं.	--	23:55	01 एवं 15.02.2026

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

YouTube, Facebook, X पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें **www.nr.indianrailways.gov.in** पर मिलें

241/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

प्राण प्रतिष्ठा के दो साल पूरे होने पर एक साथ अयोध्या पहुंचे 400 राजनेता

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में पीठासीन अधिकारियों के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

विश्व गुरु के स्थान पर स्थापित हो भारतः महाना

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार। भगवान के चरणों में यह प्रार्थना है कि हमारा देश जो एक समय में विश्व गुरु के स्थान पर स्थापित था। आज के नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ एक नया सुंदर भारत, जो विश्व गुरु के स्थान पर स्थापित होगा। उसे स्थान तक पहुंचाएं, यही भगवान के चरणों में यह कामना करता हूं। ये बातें गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहीं। वह रामलला के दर्शन के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उनके व सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को देश की विधानसभाओं के अध्यक्ष व सभापतियों का 400 सदस्यीय दल अयोध्या पहुंचा। राम लला और राजा राम का दर्शन-पूजन किया। कहा, भगवान के इस रूप का दर्शन कर धन्य हुआ जीवन।

लखनऊ में बुधवार को 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में देश भर के विधानसभा अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारी पहुंचे थे। इसके बाद गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना के नेतृत्व में बस से अध्यक्ष व पीठासीन अधिकारी अयोध्या पहुंचे। यहां विधिवत राम लला और राजा राम का दर्शन किया। दर्शन के बाद बाहर निकले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अंग्रेजी तारीख के हिसाब से आज रामलला के विराजमान होने का दो साल वर्ष पूरे हुए। तिथिगत रूप से 31 दिसंबर को हुआ था। यह उत्साह की बात है। आज हम पुनः रामलला के दर्शन करने पहुंचे हैं।

कहा कि वह श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन से 1984 से जुड़े हैं। उस दौरान बजरंग दल के संयोजक थे। यहां आना मेरे लिए भावपूर्ण अवसर होता है। श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को नजदीक से देखा है। चाहे वह 1990 में कारसेवकों के ऊपर चली गोली हो। चाहे जिस समय ढांचा गिराया गया। उस समय विधायक बन गया था। उसे दौरान हम सब यहां थे। शिलान्यास का अवसर रहा हो या प्राण प्रतिष्ठा का। ध्वजा के दर्शन करने का अवसर। स्पीकर बना तो प्राण प्रतिष्ठा के बाद सभी मंत्रियों और विधायकों के साथ यहां पर दर्शन के लिए आया था। दो दिन देश भर के स्पीकर्स का सम्मेलन लखनऊ में था। उसमें अधिकांश लोग राम जन्मभूमि पर दर्शन करने के लिए आए थे। इसमें सिक्किम, आंध्र, तेलंगाना, दिल्ली, पांडिचेरी के स्पीकर्स हमारे साथ बस में हैं। दर्शन करने के बाद हम सभी अविभूत हैं। भगवान के इस स्वरूप के दर्शन करके अपने आप को धन्य मानते हैं। बताया कि गुजरात, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार, महाराष्ट्र, असम, केरल, पांडिचेरी, आंध्रपदेश, तेलंगाना, सिक्किम समेत अन्य सभी प्रदेश के लगभग चार सौ से अधिक विधानसभा अध्यक्ष व पीठासीन अधिकारी पहुंचे हैं।

न्यूज ब्रीफ

रामकोला-मथौली मार्ग पर पुल निर्माण शुरू

कुशीनगर, अमृत विचार। अधिशासी अभियंता लोनि विभाग (निर्माण खण्ड) द्वारा बताया गया कि रामकोला-मथौली मार्ग के ग्राम उर्दहा में बरसाती नाले पर पुल का निर्माण कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है। निर्माण कार्य के दृष्टिगत हल्के वाहनों के आवागमन हेतु डायवर्जन का निर्माण कर दिया गया है। साथ ही इस मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। भारी वाहनों का आवागमन दिनांक 22 जनवरी 2026 से 22 अप्रैल 2026 तक निषिद्ध रहेगा। भारी वाहन चालक निकटवर्ती वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। उक्त अवधि में यदि प्रतिबंध के बावजूद भारी वाहनों का प्रवेश किया जाता है और कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित वाहन स्वामी की होगी।

दुकान में आग लगने से हजारों की क्षति

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के बरैनिया गांव के टोला टेढ़ी गांव के बाहर नकाही मार्ग पर स्थित ऑटो पार्ट की दुकान में बुधवार की रात्रि आग लग गई। ग्रामीणों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से दुकान में रखे लाखों के सामान जलकर नष्ट हो गये। क्षेत्र के बरैनिया के टोला टेढ़ी निवासी प्रेम चौधरी गांव के बाहर नकाही मार्ग पर ऑटो पार्ट दुकान चलाता है। वहीं पर गाड़ी धुलने वाली मशीन, हवा भरने वाली मशीन रखकर पंचर भी बनाने के साथ मैकेनिक का भी काम करता है। प्रेम के मुताबिक बुधवार को सुबह बरैनिया गांव निवासी असगर किसी काम से पकड़ी चौराहे की तरफ जा रहा था तो देखा कि उसकी दुकान का सामान जल रहा है।

पत्नी की हिंसा से बेरोजगार पति से भरण-पोषण का अधिकार नहीं

परिवार न्यायालय, कुशीनगर के फैसले को हाईकोर्ट ने रखा बरकरार

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण- पोषण से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया है कि यदि पत्नी या उसके परिजनों की आपराधिक हरकतों के कारण पति के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आजीविका अर्जित करने की उसकी क्षमता समाप्त हो जाती है तो पत्नी भरण-पोषण की मांग नहीं कर सकती है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति लक्ष्मी कान्त शुक्ला की एकलपीठ ने परिवार न्यायालय, कुशीनगर के उस आदेश को बरकरार रखते हुए पारित किया, जिसमें पत्नी द्वारा दाखिल अंतरिम भरण-पोषण का आवेदन खारिज कर दिया गया था।मामले के तथ्यों के अनुसार कुशीनगर के पडरौना स्थित परिवार न्यायालय में स्वयं को डॉ. वेद प्रकाश सिंह की वैध पत्नी बताते हुए विनीता ने सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण की मांग की। ट्रायल कोर्ट ने सात मई 2025 को उपरोक्त आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि पति गंभीर रूप से घायल होने के कारण आजीविका अर्जित करने में असमर्थ है। अतः ऐसे में भरण-पोषण की मांग अस्वीकार्य है। डॉ. वेद प्रकाश सिंह होम्योपैथी चिकित्सक थे और अपना क्लिनिक चलाते थे।

13 अप्रैल 2019 को उनकी पत्नी के पिता और भाई अपने साथियों के साथ क्लिनिक पहुंचे, गाली-गलौज और धमकी के बाद विनीता के भाई ने डॉक्टर पर गोली चला दी। गोली का छर्रा डॉक्टर की रीढ़ की हड्डी में फंस गया और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार इसे निकालने पर लकवा होने का खतरा है। इस कारण डॉक्टर न तो ठीक से बैठ पा रहे हैं और न ही कोई काम कर पा रहे हैं।

कोर्ट ने माना कि यदि पत्नी या उसके परिजनों के हिंसक कृत्य से पति की आजीविका क्षमता नष्ट हुई हो, तो पत्नी ऐसे हालात का लाभ उठाकर भरण-पोषण का दावा नहीं कर सकती। कोर्ट ने परिवार न्यायालय के आदेश में कोई अवैधता या त्रुटि नहीं पाई, आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी।

3 साल बाद चोरी के मामले का संज्ञान लेने पर केस रद्द

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चोरी के एक मामले में इसलिए आपराधिक मुकदमा रद्द कर दिया है क्योंकि संबंधित मजिस्ट्रेट द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 468 के तहत निर्धारित तीन साल की अवधि के बाद इसका संज्ञान लिया गया। न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि ने लखनऊ स्थित न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान को प्रदेश में न्यायिक अधिकारियों को इस बात का प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया कि संज्ञान एक आपराधिक मामले का आधार होता है, इसलिए संज्ञान का आदेश कानून के मुताबिक पारित किया जाना आवश्यक है। इस टिप्पणी के साथ अदालत ने अवनीश कुमार नाम के एक व्यक्ति के खिलाफ दायर आपराधिक मामले को रद्द कर दिया। इससे पूर्व, अदालत ने संबंधित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) से स्पष्टीकरण मांगा था कि सीमित अवधि से परे जाकर क्यों मामले का संज्ञान लिया गया। अदालत ने 19 जनवरी को दिए अपने आदेश में तत्कालीन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, फिरोजाबाद द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। स्पष्टीकरण में सीजेएम ने कहा था कि सभी मजेस्ट्रियल अदालतों में प्रचलित सामान्य व्यवस्था के तहत संज्ञान लेने से पूर्व पुलिस रिपोर्ट पर गहन जांच नहीं की जाती है। यह मामला एक मोटरसाइकिल की चोरी से जुड़ा है जिसमें जुलाई, 2019 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी और पांच सह-आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था और उसी वर्ष इसका संज्ञान लिया गया था। हालांकि, याचिकाकर्ता (अवनीश कुमार) और एक अन्य आरोपी (सूरज ठाकुर) के खिलाफ जांच इस अदालत के समक्ष लंबित रही। इन दोनों आरोपियों के खिलाफ दूसरा आरोप-पत्र 26 जून, 2021 को तैयार किया गया, लेकिन यह क्षेत्राधिकारी के पास तीन वर्षों से अधिक समय तक पड़ा रहा। अंततः नवंबर, 2024 में इसे अदालत में दाखिल किया गया। तीन वर्षों की समयबद्धता को नजरअंदाज करते हुए संबंधित सीजेएम ने घटना के पांच साल बाद और आरोप-पत्र दायर करने की तिथि के तीन साल बाद इसका संज्ञान लिया।

सोनू निगम बने अध्यक्ष, गोलू पासवान महामंत्री

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नगर पंचायत शोहरतगढ़ कस्बे के शिव बाबा मन्दिर के प्रांगण में बुधवार को बैठक के माध्यम से अखिल भारतीय हिन्दू परिषद जनपद की शाखा तहसील शोहरतगढ़ का गठन अखिल भारतीय हिन्दू परिषद के प्रदेश महामंत्री अनिल सिंह के देख-रेख में निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें सैकडों भी संख्या में सनातनी लोगों ने भाग लिया। वहीं उक्त बैठक में जिलाध्यक्ष अवधेश यादव भी उपस्थित रहें। बैठक को सम्बोधित करते हुए अभहिप प्रदेश महामंत्री अनिल सिंह ने कहा कि आग जिस तरह से बंगलादेश में हिन्दुओं का उत्पीड़न हो रहा, ऐसी स्थित में हिन्दू एकता को मजबूत करना ही देश को विकासित बनायेगा। एकता के साथ ही लोकप्रिय प्रधानमंत्री एवं लोकप्रिय मुख्यमंत्री उप्र द्वारा जो जन कल्याणकारी योजनायें चलायी जा रही व उसकी भी आर्थिक रूप से कमजोर हिन्दुओं भी की मजबूत बनाने की आवश्यकता है। बैठक के माध्यम से तहसील शोहरतगढ़ की निर्विरोध कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें संरक्षक दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी, अध्यक्ष सोनू निगम, महामंत्री गोलू पासवान, कार्यवाहक अध्यक्ष संजीव पाण्डेय, कार्यकारी अध्यक्ष शिव प्रसाद वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालक दास, संगठन मंत्री केहरि प्रसाद, संयुक्त मंत्री सन्तोष चौधरी हैं।

सिद्धार्थनगर महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेते डीएम, एसपी व अन्य।

सिद्धार्थनगर महोत्सव की तैयारी का लिया जायजा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन द्वारा जनपद में बीएसए ग्राउण्ड मे आयोजित होने वाले सिद्धार्थनगर महोत्सव 2026 की तैयारियों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान महोत्सव की तैयारियों, पार्किंग व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, शांति व्यवस्था हेतु लगाये जाने वाले पुलिस बल इत्यादि की समीक्षा कर संबंधित को निर्देश दिये गये। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी, एसडीएम सदर, प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक, विश्वजीत सौरयान सहायक पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी सदर, सुजीत कुमार राय क्षेत्राधिकारी यातायात प्रभारी यातायात, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

ट्रायल में विलंब व लंबे समय से जेल में रहने के आधार पर जमानत याचिका अस्वीकार्य

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज हत्या के एक गंभीर मामले में यह स्पष्ट किया कि केवल ट्रायल में देरी और लंबे समय से जेल में बंद रहने को ही जमानत का आधार नहीं बनाया जा सकता। खासकर जब आरोप गंभीर हों और प्रथम दृष्टया साक्ष्य अभियुक्त की संलिप्तता दर्शाते हों। उक्त आदेश न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव की एकलपीठ ने नेतराम की दूसरी जमानत याचिका खारिज करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार आईपीसी की धारा 498-ए, 304-बी तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत पुलिस स्टेशन बरखेड़ा,पीलीभीत में दर्ज मुकदमे में आरोप लगाया गया कि विवाह के तीन वर्ष के भीतर दहेज की मांग को लेकर याची ने पत्नी को प्रताड़ित किया। अंततः उसकी फंदे पर लटकाकर हत्या कर दी गई। मृतका नेतराम की पत्नी थी और घटना उसके ससुराल में हुई। याची के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि अभियुक्त 26 अगस्त 2022 से जेल में बंद है। पहली जमानत याचिका जून 2023 में गुण-दोष के आधार पर खारिज की जा चुकी है। दूसरी याचिका में मुख्य तर्क यह था कि ट्रायल में अत्यधिक देरी हो रही है और 30 गवाहों में से अब तक केवल पांच के बयान दर्ज हो सके हैं। कोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई और अंडरट्रायल को बार-बार जेल से कोर्ट लाया गया, लेकिन ठोस प्रगति नहीं हुई। इसके बावजूद कोर्ट ने कहा कि दहेज हत्या जैसे गंभीर सामाजिक अपराध में, जहां साक्ष्य अभियुक्त की भूमिका की ओर इशारा करते हों, केवल देरी के आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि यद्यपि अनुच्छेद 21 के तहत त्वरित सुनवाई अभियुक्त का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार इतना विस्तृत नहीं किया जा सकता कि वह गंभीर अपराधों में समाज के हित और न्याय की मांग को पीछे छोड़ दे।

सिग्नल कारखाना का निरीक्षण करते जीएम पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर।

जीएम ने किया सिग्नल कारखाना का निरीक्षण

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने गुरुवार को सिग्नल कारखाना गोरखपुर छावनी का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर एम.एल. मकवाना, मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नियोजन नीलाभ महेश, मुख्य कारखाना प्रबन्धक/सिगनल कारखाना पवन कुमार वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक ने मॉडल रिले रूम के विभिन्न यूनिटों में सिगनलिंग रिले से सम्बन्धित हो रहे कार्यों एवं प्रपत्रों का गहनता से अवलोकन किया तथा सम्बन्धित अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। महाप्रबन्धक ने 143 मिमी. इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीन (ईपीएम) के कार्यप्रणाली तथा ईपीएम के 'तकनीकी विनिर्देशों की अनुसूची' (एसटीआर) का अवलोकन किया। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

196 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार

कुशीनगर, अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी खड्डा विरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में अवैध शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना हनुमानगंज पुलिस द्वारा नफर अभियुक्त राहुल यादव पुत्र स्व. रामनरेश यादव निवासी वार्ड नं. 5 रुपौली थाना बथनहा जिला सीतामढ़ी बिहार को एक कार वाहन में छिपाकर ले जायी जा रही कुल 196 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर बीएनएस पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

गोरखपुर, अमृत विचार। महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक के तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन संस्था के प्रधानाचार्य डॉक्टर अनिल प्रकाश सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्था की वार्षिक खेलकूद एवं वाद विवाद प्रतियोगिता केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि यह छात्रों को उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास का अद्भुत अवसर प्रदान करता है। जब युवा खेलों में भाग लेते हैं तो उनमें अनुशासन, एकता और सम्मान की भावना विकसित होती है। प्रतियोगिताओं में 800 मीटर दौड़ बालक वर्ग प्रथम अमन कुमार विश्वकर्मा द्वितीय सूरज यादव, तृतीय संयुक्त रूप से अविनाश कुमार एवं सुबोध लंबी कूद बालक वर्ग प्रथम : रोहित सिंह द्वितीय : अंकित चौहान तृतीयः सतपाल राणा लंबी कूद बालिका वर्ग प्रथम : विजय लक्ष्मी यादव द्वितीय नासरीन खातून तृतीय शुभांगी गोला फेक बालक वर्ग प्रथम अभिषेक द्वितीयः विपिन यादव तृतीयः पंडित रविकांत शर्मा गोला फेक बालिका वर्गप्रथम ज्योति द्वितीयः श्वेता निषाद तृतीयः नासरीन खातून भाला फेंक बालक वर्ग प्रथमः विपिन पासवान द्वितीय पंडित रविकांत शर्मा तृतीयः विवेक प्रताप सिंह भाला फेंक बालिका वर्ग प्रथम मृदुल द्वितीय नासरीन खातून तृतीयः अंकिता कुमारी बैडमिंटन प्रतियोगिता (एकल) विजेता : श्रेयांश शाह सिंह उपविजेताः किशन कुमार बैडमिंटन प्रतियोगिता (डबल) विजेता : सुबोध चौधरी एवं अथर्व आर्य सिंह उपविजेताः आर्यन श्रीवास्तव एवं अभय राज द्विवेदी कार्यक्रम का संचालन संस्था के शिक्षक एवं मीडिया प्रभारी माधवेंद्र राज ने किया।

खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। अमृत विचार

जमीन के विवाद में युवक को अगवा कर पीटा

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के देवरिया गंगा गांव निवासी एक युवक के अपहरण, बर्बर पिटाई और सड़क किनारे मरा समझकर फेंके जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित के छोटे भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग को लेकर गांव की दर्जनों महिलाओं ने गुरुवार को कोतवाली में जमकर हंगामा किया। महिलाएं करीब तीन घंटे तक कार्रवाई की मांग पर अड़ी रहीं। पीड़ित इंद्रशेखर कन्नौजिया पुत्र राम बेचन कन्नौजिया का आरोप है कि उनके बड़े भाई चंद्रशेखर कन्नौजिया पिछले करीब 10 वर्षों से कोतवाली क्षेत्र के एक सफेदपोश व्यक्ति के साथ रहकर उसके विश्वसनीय सहयोगी के रूप में काम कर रहे थे। इसी दौरान मोहनलालगंज, लखनऊ में उनके भाई के नाम से एक जमीन खरीदी गई, जिसमें कुछ रकम चंद्रशेखर ने और शेष रकम सफेदपोश ने लगाई थी। आरोप है कि चार माह पूर्व सफेदपोश ने जमीन अपने नाम बैनामा कराने का दबाव बनाया। इस पर चंद्रशेखर ने जमीन पर 28 लाख रुपये की स्टांप कमी की नोटिस का हवाला देते हुए पहले रकम जमा कराने और अपने लगाए गए पैसे लौटाने की मांग की। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित के अनुसार, 20 जनवरी 2026 को चंद्रशेखर रौरापार चौराहे पर दावत से लौट रहे थे। निखरकपार चौराहे के पास दो स्कॉर्पियो सवार लोगों ने उनकी बाइक में टक्कर मारकर गिरा दिया और जबरन गाड़ी में बैठा लिया। आंख और मुंह बांधकर उन्हें सहजनवा क्षेत्र के एक ईंट भट्ठे पर ले जाया गया, जहां बेरहमी से पिटाई की गई।

हिंदू समागम में दिखी समरसता की झलक

संतकबीरनगर, अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संत कबीर नगर के तत्वावधान में श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा उत्सव की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर विराट हिंदू समागम एवं समरसता भोज का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रभाव को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। इसमें जिले भर से बड़ी संख्या में नागरिक, समाजसेवी तथा स्वयंसेवक बंधु-भगिनी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ कुड़ी लाल रुंगटा सरस्वती विद्या मंदिर इंटरमीडिएट कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सुसंस्कृत एवं प्रेरणादायी सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ। गीत, नृत्य और भाव-प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, मर्यादा और राम-आदर्शों का प्रभावशाली चित्रण किया गया, जिसे जनसमूह ने करतल ध्वनि से सराहा।

संतोष त्रिपाठी बनाए गये सिद्धार्थनगर किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष, लोगों ने दी बधाई

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्र बांसी के बसंतपुर निवासी एवं कांग्रेस के बांसी ब्लॉक पूर्व अध्यक्ष सन्तोष त्रिपाठी को किसान कांग्रेस का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह मनोनयन किसान कांग्रेस के पूर्वी जोन के प्रदेश अध्यक्ष राम भुवन शुक्ला द्वारा किया गया है। संतोष की नियुक्ति की सूचना मिलते ही जनपद के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं में खुशी का माहौल है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद, पूर्व सांसद मोहम्मद मोकीम और पूर्व विधायक चौधरी रविन्द्र प्रताप ने विश्वास जताया कि संतोष के नेतृत्व में किसान कांग्रेस जनपद में किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठायेगी और संगठन को एक नई दिशा मिलेगी। उनकी नियुक्ति पर प्रदेश महासचिव अरशद खुर्शीद, प्रदेश उपाध्यक्ष अमित सिंह, डॉ. नादिर सलाम, किरन शुक्ला, देवेन्द्र कुमार गुड्डू, कृष्ण बहादुर सिंह, अभिनय राय, राजन श्रीवास्तव, अनिल सिंह, जावेद मोकीम, पंकज चतुर्वेदी, मैनुद्दीन प्रधान आदि ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है।

कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत के संचालन की सराहना

नई दिल्ली, अमृत विचार। पीएम मोदी ने 17 जनवरी को हावड़ा और कामाख्या के बीच भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। भविष्य के लिए तैयार और आधुनिक रेलवे नेटवर्क के विज़न के अनुरूप भारतीय रेलवे अब कामाख्या और हावड़ा के बीच भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का नियमित संचालन कर रहा है।

27576 कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस का नियमित संचालन 22 जनवरी कामाख्या स्टेशन से शुरू हुआ जिसमें इस शुभ अवसर के गवाह बने यात्रियों में काफी उत्साह और जोश था। हावड़ा छोर से पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस कल 23 जनवरी से अपना कमर्शियल संचालन शुरू करेगी। यात्रियों ने ट्रेन में यात्रा करने के लिए बहुत उत्साह दिखाया है और इस सेवा को बहुत

सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस सेवा में यात्रा करने वाले यात्रियों ने अपग्रेडेड रात भर की यात्रा के अनुभव के लिए बहुत सराहना व्यक्त की है। आधुनिक इंटीरियर, बेहतर यात्रा आराम, कम यात्रा थकान और प्रीमियम माहौल का व्यापक रूप से स्वागत किया गया है। 27576 कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस कामाख्या से प्रतिदिन बुधवार को छोड़कर 18:15 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन 08:15 बजे हावड़ा पहुंचती है। ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी (आगमन/प्रस्थान- 23:30 बजे/23:40 बजे), मालदा टाउन (आगमन/प्रस्थान- 03:25 बजे/03:35 बजे), न्यू फरक्का जंक्शन पर रुकेगी। (आगमन/प्रस्थान- 04:02 बजे/04:04 बजे), अजीमगंज (आगमन/प्रस्थान- 04:57 बजे/05:02 बजे), कटवा (आगमन/प्रस्थान- 05:46 बजे/05:48 बजे), नबद्वीप धाम (आगमन/प्रस्थान- 06:13 बजे/06:15 बजे) और बंदेल (आगमन/प्रस्थान- 06:58 बजे/07:00 बजे)। यह ट्रेन AC फर्स्ट क्लास, AC 2-टियर और AC 3-टियर आवास प्रदान करती है, जो यात्रियों की एक विस्तृत श्रृंखला की जरूरतों को पूरा करती है।

सड़क सुरक्षा रैली में प्रतिभाग करते लोग। अमृत विचार

महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा रैली का आयोजन

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। स्थानीय शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों स्वामी विवेकानन्द एवं रानी लक्ष्मीबाई के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारम्भ होकर गड़ाकुल तक निकाली गई जिसमें छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नारे लगाये। जागरूकता रैली से पहले प्राचार्य ने सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी। इस अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एके सिंह एवं स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामकिशोर सिंह के साथ-साथ डॉ. अमित सिंह, डॉ. अजय सिंह, रत्नेश सोनी, शमशीरूल इस्लाम, राजीव मिश्रा, अश्वनी सिंह, राजीव वर्मा, प्रतीक तथा छात्र-छात्राएं शिवांगी, ज्ञानमती, मोहम्मद फारूक आदि ने सक्रिय सहभागिता निभाई। छात्रों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करेंगे और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने में अग्रणी भूमिका निभायेंगे।

नेशनल ब्रीफ

ईडी के समन पर पेश न होने के मामले में केजरीवाल बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल को राहत देते हुए बृहस्पतिवार को दो अलग-अलग मामलों में बरी कर दिया। ये मामले आबकारी नीति घोटाले की जांच में शामिल होने के लिए ईडी के समक्ष पेश नहीं होने के कारण दर्ज किए गए थे। अदालत ने कहा कि आरोपी एक मुख्यमंत्री थे और उन्हें भी आवागमन का मौलिक अधिकार प्राप्त था। अदालत ने माना कि समन की विधिवत तामील को लेकर कानूनी चुनौती स्वीकार्य है। अदालत ने कहा, ईडी न न तो ईमेल के माध्यम से समन की तामील साबित की है और न ही पीएमएलए की धारा 50(2) के तहत किसी व्यक्ति को ईमेल के माध्यम से समन जारी करने की प्रक्रिया कानून के अनुसार साबित हुई है।

किश्तवाड़ में आतंकियों से मुठभेड़ के बाद तलाश अभियान तेज

जम्मू। गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू में चलाए जा रहे आतंकवाद रोधी अभियान के बीच, चार दिन के अंतराल के बाद बृहस्पतिवार को जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में सुरक्षा बलों का आतंकवादियों से एक बार आमना-सामना हुआ। चटरू पट्टी में मंड्राल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में आतंकवादियों की तलाश में रविवार को अभियान शुरू किया गया, जिसमें हुई गोलीबारी में एक पैराट्रूपर शहीद हो गया और सात सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को कई घंटों तक हुई गोलीबारी के बाद, घने जंगल और दुर्गम भूभाग का फायदा उठाते हुए आतंकवादी घने जंगल में भाग गए। हालांकि, सुरक्षा बलों ने उनकी तलाश जारी रखी और आखिरकार आज सुबह माली दाना चोटी पर छिपे आतंकवादियों का पता लगा लिया। दोनों पक्षों के बीच घंटों तक भारी गोलीबारी हुई।

परिवहन सचिव सौमित्र मोहन को सुनवाई के लिए तलब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के परिवहन सचिव सौमित्र मोहन को एसआईआर सुनवाई के लिए तलब किया गया है। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी के अनुसार, मोहन को 25 जनवरी को एपीजे अब्दुल कलाम कॉलेज में दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिए कहा गया है। सौमित्र मोहन न्यू टाउन विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत मतदाता हैं और उन्हें मौजूदा मतदाता सूची में दर्ज नाम और 2002 के दस्तावेजों में उनके पिता के नाम में विसंगति के कारण नोटिस जारी किया गया है।

नासिक एयर शो पर प्रशासन ने लगाया टिकट, वायुसेना नाराज

दो सौ से आठ सौ रुपये तक के बेचे टिकट, वायुसेना ने कहा- पैसे के लिए नहीं, युवाओं को प्रेरित करने के लिए करते हैं एयर शो

मुंबई, एजेंसी

- आपत्ति के बाद बैकफुट पर आए प्रशासन ने कहा- सैनिक कल्याण कोष में देंगे धनराशि

भारतीय वायुसेना ने नासिक जिले में बृहस्पतिवार को आयोजित एयर शो के लिए टिकट बेचकर पैसे लिए पर नाखुशी जताई है। बताया गया है कि प्रशासन की ओर से एयर शो में आए दर्शकों को टिकट बेचकर प्रवेश करने दिया जिनकी कीमत 200 से 800 रुपये तक थी। वायुसेना की आपत्ति के बाद बैकफुट पर आए अधिकारियों ने कहा है कि टिकट बेचने से मिली धनराशि वे सैनिक कल्याण कोष को दान करेंगे।

नासिक में वायुसेना की ओर से बृहस्पतिवार को दो दिवसीय एयर शो की शुरुआत की गई थी। शुक्रवार को वायुसेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह बात सामने आई है कि नासिक में आयोजित भारतीय वायुसेना के एयर शो को देखने आने वाले लोगों से प्रवेश शुल्क लिया जा रहा है। वायुसेना ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करने तथा राष्ट्र के साथ गहरा जुड़ाव पैदा करने के लिए देशभर में एयर शो आयोजित करती है। भारतीय वायु सेना यह स्पष्ट करना चाहती है कि वह इन आयोजनों के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं लेती है और न ही इनसे उसे कोई आर्थिक लाभ होता है।

नासिक में वायुसेना ने शुक्रवार को भी किया एयरशो।

भारतीय वायु सेना की ''सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम'' की ओर से आयोजित एयर शो बृहस्पतिवार को नासिक जिले के गंगापुर बांध के ऊपर हुआ, इसका उद्देश्य युवाओं को वायुसेना में आने के लिए प्रेरित करना था। पूर्व सैनिकों ने भी इस एयर शो को देखने के लिए 200 रुपये से 800 रुपये तक का शुल्क लेने के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रशासन के इस कृत्य ने एयर शो के उद्देश्य को ही खत्म कर दिया है। यह एयर शो अशुक्रवार को भी आयोजित किया गया।

सफाई... भीड़ नियंत्रित करने को लगाया टिकट

नासिक प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से वसूला गया शुल्क शो देखने के लिए नहीं बल्कि पानी और नाश्ता जैसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए था। टिकट व्यवस्था का उद्देश्य भीड़ को नियंत्रित करना और सुरक्षा सुनिश्चित करना था। अधिकारी ने बताया कि जिला कलेक्टर ने हाल में घोषणा की थी कि एकत्रित धनराशि सैनिक कल्याण कोष में दी जाएगी। नासिक जिले के कलेक्टर आयुष प्रसाद ने भी कहा कि यह कदम भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने कहा, इकट्ठी की गई धनराशि महाराष्ट्र सैनिक कल्याण विभाग को सौंप दी जाएगी। यह निर्णय जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

निर्वाचन आयोग ने नया एप ईसीआईनेट किया जारी

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को मतदाताओं, अधिकारियों और राजनीतिक दलों के लिए एक नया डिजिटल एप ईसीआईनेट जारी किया और कहा कि यह भ्रामक सूचना का मुकाबला करने का एक हथियार है। उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों को उनकी भाषाओं में और उनके कानूनों के अनुसार उपकरण विकसित करने में सहायता की पेशकश की।

कुमार ने बताया कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों ने भ्रामक सूचना के विषय पर चिंता व्यक्त की थी।

उप्र गैंगस्टर अधिनियम की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू

याचिकाकर्ताओं ने बताया- 1986 का कानून मनमाना और केंद्रीय कानून के विपरीत

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीठ ने कहा- राज्य का कानून केंद्रीय कानून के विपरीत नहीं है और दोनों एक ही चीज

उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एवं समाज विरोधी गतिविधि रोकथाम अधिनियम 1986 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई शुरू की। याचिकाकर्ताओं ने न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ को बताया कि 1986 का कानून मनमाना और केंद्रीय कानून के विपरीत है।

याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 111 में पहले से ही गैंगस्टरों और संगठित अपराध से संबंधित प्रावधान हैं और ऐसे ही प्रावधान उत्तर प्रदेश गैंगस्टर अधिनियम के तहत भी हैं। राज्य सरकार ने 1986 के अधिनियम से जुड़े नियमों में संशोधन किया है और कुख्यात अपराधियों की संपत्ति कुर्क करने का प्रावधान अब बीएनएस में भी शामिल किया गया है। उप्र का गैंगस्टर अधिनियम केंद्रीय कानून से टकराता है क्योंकि इस क्षेत्र में पहले से ही कानून मौजूद है और राज्य का कानून उस पहलू पर नियम नहीं बना सकता।

पीठ ने कहा कि राज्य का कानून केंद्रीय कानून के विपरीत नहीं है और दोनों एक ही चीज हैं। तिवारी ने दलील दी कि यह जरूरी नहीं कि कानूनों में सीधा टकराव हो, बल्कि पहले से ही केंद्र का कानून लागू है, तो राज्य उस क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज और अधिवक्ता रुचिरा गोयल ने कहा कि टकराव का मुद्दा सुनवाई में पहली बार उठाया गया है और वे इस संबंध में जवाब दाखिल करना चाहेंगे। याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तिवारी के तर्क का समर्थन करते हुए कहा कि यह कानून सिर्फ केंद्र के कानून से टकराता ही नहीं है, बल्कि मनमाना भी है। कोर्ट ने सुनवाई मार्च में तय की।

भगदड़ रोकने पर निर्देश जारी करने से इन्कार

उच्चतम न्यायालय ने धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों और यात्राओं समेत बड़े सार्वजनिक समारोहों के दौरान भगदड़ रोकने से जुड़ी जनहित याचिका पर कोई व्यापक आदेश पारित करने से गुरुवार को इन्कार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं विपुल एम. पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता को यह मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय और निर्वाचन आयोग के समक्ष आगे बढ़ाने की अनुमति दी। सीजेआई ने शुरुआत में भीड़ प्रबंधन एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के दायरे को लेकर बुनियादी सवाल उठाए। तुम्बलम गूटी वेंकटेश द्वारा दायर याचिका में केंद्र को बड़ी संख्या में लोगों के जमावड़े वाले सार्वजनिक आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन के बारे में बाध्यकारी एसओपी तैयार कर लागू करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है।

टीम को टीम इंडिया कहने से रोकने की मांग खारिज

उच्चतम न्यायालय ने उस याचिका को बेकार बताते हुए खारिज कर दिया, जिसमें प्रसार भारती को बीसीसीआई की क्रिकेट टीम को टीम इंडिया कहने से रोकने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के 8 अक्टूबर के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें वकील रीपक कंसल की जनहित याचिका को खारिज कर दिया गया था।

निर्वाचन आयोग ने एसआईआर को निष्पक्ष न्यायसंगत और उचित बताया

निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने संबंधी निर्णय को निष्पक्ष, न्यायसंगत और उचित बताया और उच्चतम न्यायालय से बिहार में इस प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का आग्रह किया। इसने दलील दी कि कुछ गैर सरकारी संगठनों और नेताओं के इशारे पर विशेष पड़ताल के नाम पर बिना किसी ठोस आधार के जांच नहीं की जा सकती। आयोग के अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि बिहार एसआईआर में जिन 66 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे, उनमें से कोई भी इस अदालत या उच्च न्यायालय में नहीं आया और न ही उन्होंने निर्वाचन आयोग के समक्ष कोई याचिका दायर की। एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स), पीयूसीएल (पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टी) तथा कुछ सांसदों के कहने पर बिना किसी ठोस आधार के जांच की अनुमति नहीं दी जा सकती। वरिष्ठ वकील ने बिहार समेत विभिन्न राज्यों में निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर करने के निर्णय को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं की अंतिम सुनवाई के दौरान ये दलीलें पेश कीं।

परेड की तैयारी

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां तेज हो गई हैं। परेड में भाग लेने वाली झांकियों में शामिल होने वाले लोक कलाकार लगातार रिहर्सल कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को रिहर्सल करता लोक कलाकारों का एक दल।

प्रधान के वित्तीय अधिकार किये गए सीज

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर।

अमृत विचार: जपनद के गोंदलामऊ विकास खण्ड की हिंडौरा ग्राम पंचायत में हुए फर्जीवाड़े का राज जिलाधिकारी की गोपनीय जांच के बाद उजागर हुआ। डीएम के आदेश पर कराई गई जांच के बाद मिले एक करोड़ से अधिक के घोटाले में प्रधान के वित्तीय अधिकारी सीज किये गए हैं। सचिव पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश भी हैं। घोटाला वित्तीय वर्ष 2021 से लेकर वर्ष 2026 से जुड़ा हुआ है।दरअसल घोटाले का मामला प्रशासनिक अमले से निकलकर तक कोर्ट तक भी पहुंचा, लेकिन जांच दर जांच बस्ता खामोशी में चलती गई। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. के आने के बाद जांच में सक्रियता बढ़ी। जिला गन्ना अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा डीएम ने गोपनीय जांच कराई, जिसमें एक करोड़ से अधिक के वित्तीय घोटाले का मामला सामने आया। डीएम के आदेश पर प्रधान श्यामा देवी के वित्तीय अधिकार सीज कर दिए गए। उधर, सचिव श्रीकृष्ण कुमार पुत्र नत्थू के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के आदेश भी दिए गए।

बजट सत्र से एक दिन पहले 27 को होगी सर्वदलीय बैठक

- दोनों सदनों के विधायी कार्यों और अन्य विषयों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। संसद के आगामी बजट सत्र के शुरू होने से एक दिन पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक होगी, जिसमें दोनों सदनों के विधायी कार्यों और अन्य विषयों को लेकर चर्चा की जाएगी। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा और केंद्रीय बजट एक फरवरी (रविवार) को पेश किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बताया था कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होकर दो अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र की शुरुआत लोकसभा में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आर्थिक सर्वेक्षण और आम बजट पेश करेंगी। संसदीय परिपाटी के मुताबिक, इस बार भी बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। इस बार एक फरवरी रविवार को है। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा और 9 मार्च से बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू होगा जो दो अप्रैल तक चलेगा।

कर्नाटक के राज्यपाल ने तीन वाक्य में खत्म किया संबोधन

बेंगलुरु, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ने की आलोचना राज्यपाल पर खुद का विचार व्यक्त करने का लगाया आरोप

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल तीन वाक्यों (सरकार द्वारा तैयार किए गए विस्तृत भाषण के पहले और आखिरी वाक्यों समेत) में समाप्त कर दिया, जिसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्यपाल पर अपना खुद का विचार व्यक्त करने का आरोप लगाया और उन्हें केंद्र सरकार की कठपुतली करार दिया। गैर-भाजपा शासित तीन दक्षिणी राज्यों (केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक) में दो दिनों में राज्यपाल और सरकार के बीच तीसरी बार टकराव हुआ है। विधानसभा और विधानपरिषद में अपने संक्षिप्त संबोधन के बाद गहलोत सत्ताधारी कांग्रेस सदस्यों के विरोध के बीच सदन से बाहर चले गए, जिन्होंने उन्हें घेरने का प्रयास किया। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर, विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी, विपक्ष के नेताओं, मंत्रियों और सदस्यों का अभिवादन करते हुए अभिभाषण शुरू किया। राज्यपाल ने हिंदी में कहा कि मैं राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं। मुझे कर्नाटक विधानमंडल के एक और संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मेरी सरकार राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं भौतिक विकास को दोगुना करने को प्रतिबद्ध है। जय हिंद, जय कर्नाटक। इस पर सत्ता पक्ष के विधायक खड़े हो गए और गहलोत से अभिभाषण पूरा करने का अनुरोध किया।

छत्तीसगढ़ में इस्पात संयंत्र में विस्फोट में छह लोगों की मौत

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में गुरुवार सुबह इस्पात संयंत्र में हुए विस्फोट में छह मज़दूरों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। जिलाधिकारी दीपक सोनी ने बताया कि यह घटना बकुलाही गांव में स्थित रियल इस्पात एंड पावर लिमिटेड में सुबह 9 बजकर 40 मिनट पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के बाद फैक्टरी से धुएं का गुबार उठता देखा गया।

जिलाधिकारी सोनी ने बताया कि भट्टी से जुड़े डस्ट सेटलिंग चैंबर (डीएससी) में विस्फोट से रिसाव होने लगा। डीएससी वह जगह होती है जिसमें उच्च तापमान वाली राख पहुंचाई जाती है। इस रिसाव से गरम राख कर्मचारियों पर गिर गई जिससे छह की मौत हो गई, जबकि पांच झुलस गए। घायलों को बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया।

किसानों ने मजदूरों को दिखाया एकजुट होने का रास्ता : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस नेता ने किया मनरेगा के लिए मिलकर लड़ने का आह्वान

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मनरेगा की जगह लाए गए 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को लेकर बृहस्पतिवार को भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए लोगों का आह्वान किया कि वे सरकार के इस कदम के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों।

उन्होंने कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'रचनात्मक कांग्रेस' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'मनरेगा बचाओ मोर्चा' में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा ने तीनों काले कृषि कानून लाकर किसानों के साथ जो किया था, वही अब वह मनरेगा को खत्म कर मजदूरों के साथ करना चाहती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि भाजपा एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जिसमें एक राजा सारे फैसले करे तथा देश के गरीब, अदाणी और अंबानी पर पूरी तरह निर्भर हो जाएं।

राहुल ने कहा, मनरेगा ने गरीबों को अधिकार दिया था। इसके पीछे यह सोच थी कि जिसे भी काम की जरूरत हो, वह सम्मान के साथ काम मांग सके। मनरेगा को पंचायती राज के तहत चलाया जाता था। मनरेगा में लोगों की आवाज थी, उनका अधिकार था जिसे मोदी खत्म करने में लगे हैं।

एसआईआर के तनाव ने 110 लोगों की ली जान : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मानसिक तनाव और दहशत से अब तक 110 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने यहां 49वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले का उद्घाटन करते हुए कहा कि उनकी नई पुस्तक का इस मेले में विमोचन होगा। यह पुस्तक एसआईआर के कारण लोगों को झेलनी पड़ रही पीड़ा पर आधारित 26 कविताओं का संकलन है। बनर्जी ने कहा कि बुजुर्ग सहित सैकड़ों लोगों को सुनवाई के लिए एसआईआर शिविरों में कतार में खड़ा होना पड़ रहा है और प्रतिदिन पांच-छह घंटे खुले में इंतजार करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तार्किक विसंगतियों के नाम पर वे (निर्वाचन आयोग) बंगालियों के उपनाम को लेकर सवाल पूछ रहे हैं, जो (उपनाम) वर्षों से ज्ञात और स्वीकृत हैं। उन्होंने कहा कि मुझे ममता बनर्जी और ममता बंद्योपाध्याय, दोनों नाम से जाना जाता है। उसी तरह चटर्जी और चट्टोपाध्याय एक ही उपनाम हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान ठाकुर को टैगोर नाम से भी जाना जाने लगा। अगर रवींद्रनाथ टैगोर जीवित होते, तो शायद उन्हें भी आज इस स्थिति का सामना करना पड़ता। उन्होंने दावा किया कि दो या दो से अधिक बच्चों वाले माता-पिता से उनकी उम्र में अंतराल के बारे में स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है।

बेंगलुरु 2025 में सबसे ज्यादा यातायात भीड़ वाला दुनिया का दूसरा शहर

बेंगलुरु, एजेंसी

- नीदरलैंड की लोकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी ने जारी किए आंकड़े
- 74.4% रहा भीड़ का स्तर, 10 किमी जाने में लगे 36 मिनट

भारत का आईटी केंद्र बेंगलुरु वर्ष 2025 में विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक यातायात भीड़भाड़ वाला शहर रहा, जहां औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 74.4 प्रतिशत रहा। इस संबंध में नीदरलैंड स्थित लोकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी टॉमटॉम ने आंकड़े जारी किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टॉमटॉम के वर्ष 2025 से संबंधित ट्रैफिक इंडेक्स में मैक्सिको सिटी को शीर्ष स्थान पर रखा गया है, उसके बाद बेंगलुरु और आयरलैंड के शहर डबलिन का स्थान है।

यह सूचकांक दुनिया भर के शहरों का मूल्यांकन औसत यात्रा समय और यातायात भीड़भाड़ के स्तर के आधार पर करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाला, सार्वजनिक रूप से सुलभ डेटा उपलब्ध होता है। बेंगलुरु में पिछले वर्ष की तुलना में औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 1.7 प्रतिशत अंक बढ़ गया। चालकों ने औसतन 4.2 किलोमीटर की दूरी 15 मिनट में तय की, जबकि 10 किलोमीटर की दूरी तय करने में औसतन 36 मिनट और नौ सेकंड का समय लगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यस्त समय के दौरान गाड़ियों की औसत गति घटकर 13.9 किमी प्रति घंटा हो गई। इसके अलावा, रिपोर्ट में 17 मई को शहर का सबसे खराब यात्रा दिवस बताया गया है, जिस दिन यातायात भीड़भाड़ का स्तर 101 प्रतिशत तक पहुंच गया था। उस दिन शाम छह बजे भीड़भाड़ का स्तर बढ़कर 183 प्रतिशत हो गया, जिससे 15 मिनट में तय की जाने वाली दूरी घटकर मात्र 2.5 किलोमीटर रह गई।

भारत के 6 और शहर दुनिया के शीर्ष 35 में

बेंगलुरु के अलावा छह अन्य भारतीय शहर वैश्विक स्तर पर शीर्ष 35 नगरों में शामिल हैं। पुणे 71.1 प्रतिशत यातायात भीड़भाड़ के साथ पांचवें स्थान पर रहा। इसके बाद मुंबई 63.2 प्रतिशत के साथ 18वें स्थान पर, नई दिल्ली 60.2 फीसदी के साथ 23वें स्थान पर, कोलकाता 58.9 प्रतिशत के साथ 29वें स्थान पर, जयपुर 58.7 फीसदी के साथ 30वें स्थान पर और चेन्नई 58.6 प्रतिशत के साथ 30वें स्थान पर रहा।

आज 129वीं जयंती | बेटी अनीता बोस ने अस्थियां भारत लाने की मांग की, सभी भारतीयों से इस मांग का समर्थन करने की भी अपील

नेताजी बोस की अस्थियां 80 साल बाद भी जापान के मंदिर में

नई दिल्ली, एजेंसी

देश 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती मनाने की तैयारी कर रहा है, इस बीच नेताजी की पुत्री अनीता बोस फाफ ने जापान के रेनकोजी मंदिर में रखी उनकी अस्थियों को वापस लाने की मांग की है। वह और उनके परिवार के सदस्य इन अस्थियों को नेताजी के अवशेष मानते हैं।

फाफ ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि भारत की आजादी के लिए लड़ते हुए अपने जीवन को न्यौछावर करने वाले नेताजी की मृत्यु के 80 साल बाद और देश की आजादी के 78 साल बाद भी उनके अवशेष मातृभूमि से बाहर रखे हुए हैं। फाफ ने कहा, मैं नेताजी का सम्मान करने वाले भारतीयों को आमंत्रित करती हूं कि वे उनके अवशेषों को अंतिम और उचित संस्कार के लिए भारत लाए जाने का समर्थन करें। नेताजी के भाई शरत बोस की पोती माधुरी बोस ने कहा, हम नेताजी के परिवार के सदस्य महान नेता के अवशेषों की सम्मानजनक वापसी की मांग कर रहे हैं और मुझे आशा है कि यह जल्द ही होगा।

फाफ ने अपने संदेश में उल्लेख किया कि नेताजी ने स्वतंत्रता आंदोलन के लिए दशकों समर्पित किए। जब कारावास में रहने से उनका मिशन असंभव हो गया तो उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम को जारी रखने के लिए भारत छोड़ने और इस लड़ाई को देश के बाहर से चलाने का निर्णय लिया। यूरोप की ओर उनका पलायन, उसके बाद एक पनडुब्बी में दक्षिण-पूर्व एशिया की खतरनाक यात्रा और आजाद हिंद फौज के नेतृत्व में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्वतंत्र भारत की अस्थाई सरकार का गठन हुआ। फाफ ने बताया कि अगस्त 1945 में जापान के आत्मसमर्पण के बाद नेताजी सिंगापुर से टोक्यो रवाना हुए थे, लेकिन 18 अगस्त 1945 को ताइपे में एक घातक विमान दुर्घटना का शिकार हो गए। ताइपे में उनका अंतिम संस्कार कर उनकी अस्थियां टोक्यो ले जाई गईं जो तभी से जापान के रेनकोजी मंदिर के मुख्य पुजारी की कस्टडी में रखी हुई हैं।

अस्थियों के डीएनए टेस्ट की मांग नहीं हुई पूरी

माधुरी बोस ने बताया कि नेताजी की पुत्री अनीता फाफ, उनके बड़े भाई के पुत्र और प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी द्वारका नाथ बोस और नेताजी के एक भतीजे अर्धेंदु बोस सहित परिवार के तीन सदस्यों ने अक्टूबर 2016 और दिसंबर 2019 में सरकार से विवाद खत्म करने के लिए रेनकोजी की अस्थियों के डीएनए परीक्षण का आदेश देने का अनुरोध किया था। हालांकि ऐसा नहीं किया गया है। आजाद हिंद फौज के कर्नल हबीबुर रहमान सहित कई प्रत्यक्षदर्शियों ने नेताजी की मृत्यु के संबंध गठित आयोग के समक्ष गवाही दी थी कि अगस्त 1945 में ताइपे में एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। उनके जीवित बचने या उस विशेष विमान में न होने की भी बात कही गई। यह भी कहा गया कि नेताजी किसी तरह भारत लौट आए थे और देश में भेष बदलकर रह रहे थे। किसी रूसी गुलाग (जेल) में उनकी मौत की भी बात कही गई थी।

कायर कभी इतिहास नहीं रचते।
-सुभाष चंद्र बोस

संतुलन का समय

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति का सबसे स्थायी तत्व उनकी अस्थायित्व और अनिश्चितता है। कभी 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी, फिर उससे पीछे हटना, कभी ग्रीनलैंड पर कब्जे का दावा, कभी सैन्य कार्रवाई से इनकार; कभी नाटो से दूरी, तो कभी समझौते की भाषा— यह शैली पारंपरिक कूटनीति से अलग, दबाव-आधारित सौदेबाज़ी की रणनीति प्रतीत होती है। ट्रंप की राजनीति को समझने के लिए इसे 'नीति की अस्थिरता' नहीं, बल्कि 'रणनीतिक अनिश्चितता' के रूप में पढ़ना होगा, जहां अधिकतम लाभ के लिए भ्रम और दबाव दोनों साधन हैं। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का तर्क कि यदि अमेरिका नियंत्रण नहीं करेगा तो रूस या चीन प्रभाव बढ़ा लेंगे, भू-रणनीतिक चिंताओं का बहाना है, असल बात आर्कटिक क्षेत्र में पिघलती बर्फ, जो नए समुद्री मार्ग और खनिज संसाधनों के अवसर खोल रही है, उसे कब्जाना है। रूस आर्कटिक में सैन्य उपस्थिति मजबूत कर चुका है, चीन अपने को 'नियर-आर्कटिक स्टेट' कहता है, लेकिन इसका बहाना लेकर संप्रभु डेनमार्क का अधिग्रहण कहां से उचित है। अमेरिका को अपनी सुरक्षा चिंताओं का समाधान नाटो के ढांचे, संयुक्त रक्षा सहयोग और आर्थिक साझेदारी के माध्यम से करना होगा, बलपूर्वक कब्ज़े से नहीं।

अमेरिका जानता है कि डेनमार्क, फ्रांस, कनाडा और अन्य यूरोपीय देशों द्वारा राजनीतिक, कानूनी और सामूहिक सुरक्षा तंत्र के माध्यम से जो प्रतिरोध करेंगे, वह असरकारक होगा। नाटो की सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धता भी एक बड़ा अवरोध है। ऐसे में ग्रीनलैंड पर आसानी से कब्ज़ा कठिन है। घरेलू राजनीति के स्तर पर भी यह दांव जोखिमपूर्ण है। यदि ट्रंप पीछे हटते हैं, तो उनके समर्थक इसे कमजोरी मान सकते हैं; यदि आक्रामक कदम उठाते हैं, तो त्वरित अधिग्रहण से 'अमेरिकी महानता' का प्रतीकात्मक संदेश तो मिल सकता है, पर अंतर्राष्ट्रीय अलगाव और आर्थिक अस्थिरता राजनीतिक लाभ को नुकसान भी पहुंचा सकती है। रूसी मीडिया द्वारा ट्रंप की प्रशंसा और चीनी आलोचना भी रोचक संकेत देती है। रूस को यूरोप-अमेरिका संबंधों में दरार लाभप्रद दिखती है, जबकि चीन किसी भी अमेरिकी क्षेत्रीय विस्तारवादी संकेत से सावधान है। व्यापक संदर्भ में यह अमेरिका, रूस और चीन के बीच नई शक्ति-संतुलन की प्रतिस्पर्धा का हिस्सा है, जहां आर्कटिक, इंडो-पैसिफिक और ऊर्जा मार्ग नई भू-राजनीतिक सीमाएं बन रहे हैं। इसे नई औपनिवेशिक व्यवस्था शायद अतिशयोक्ति हो पर शक्ति-प्रदर्शन की प्रवृत्ति स्पष्ट है। भारत के लिए यह परिदृश्य चुनौती और अवसर दोनों है।

यदि अमेरिका और यूरोप के बीच तनाव बढ़ता है, तो भारत-यूरोपीय संघ संबंधों में नई गति आ सकती है। प्रस्तावित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता दो अरब से अधिक लोगों के बाजार को जोड़ सकता है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक-चौथाई होगा। फार्मा, टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण, ऑटोमोबाइल, सोलर उपकरण और लेदर जैसे क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिल सकता है। अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता कम कर बहुध्रुवीय व्यापार साझेदारियां भारत की सामरिक स्वायत्तता को मजबूत करेंगी। वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में भारत की नीति स्पष्ट है- रणनीतिक स्वायत्तता, संतुलित बहुपक्षीयता और आर्थिक कूटनीति का विस्तार।

प्रसंगवश

प्रकृति के शृंगार का पर्व बसंत पंचमी

बसंत के आते ही प्रकृति मानो अपनी पुरानी, सूखी केंचुली को त्यागकर नव-वधू की तरह शृंगार करती है। कड़ाके की ठंड की विदाई होती है और सूर्य की किरणें शरीर में गर्माहट भरने लगती हैं। खेतों में सरसों के पीले फूल ऐसे लहलहाते हैं, मानो धरती ने 'पीतांबर' ओढ़ लिया हो। पेड़ों पर नई कोपलें आने लगती हैं, आम की मंजरियों की महक वातावरण को सुगंधित कर देती है और कोयल की कूक मन को आनंदित कर देती है। यह वह समय है जब प्रकृति और पुरुष दोनों में नई ऊर्जा का संचार होता है।

जब बसंत आता है, तो यह तिथि शीत ऋतु की जड़ता से निकलकर जीवन में नवचेतना, सृजन और ज्ञान का प्रवेश करती है। इसी कारण इसे मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस से भी जोड़ा जाता है। जैसे बसंत पंचमी में प्रकृति में पेड़-पौधे फिर से जीवंत होने लगते हैं, वैसे ही इस अवसर पर माता सरस्वती की पूजा साधक के भीतर विचारों की शुद्धि, चेतना का विस्तार और ज्ञान का अंकुरण लाता है।

गौरव शर्मा
शिक्षक

ऋग्वेद में माता सरस्वती का उल्लेख नदी और देवी, दोनों रूपों में मिलता है। वेदों में मां सरस्वती को ब्रह्मज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माना गया है। योग और वेदांत में बसंत पंचमी को नई साधना की शुरुआत का श्रेष्ठ समय कहा गया है। इस दिन किया गया मंत्र-जप, ध्यान या अध्ययन मन को स्थिर करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और साधक को दीर्घकालीन आध्यात्मिक लाभ देता है। इसी कारण कई आश्रमों और गुरुकुलों में इसी दिन विद्यारंभ संस्कार होता है।

बसंत पंचमी के अवसर पर माता सरस्वती की पूजा भी होती है। बसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती की पूजा करने का अर्थ है मन, बुद्धि और चित्त को शुद्ध करना, वाणी को संयमित करना और आंतरिक अज्ञानता का विसर्जन करना, लेकिन माता सरस्वती का स्थान केवल छात्रों के जीवन में ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में होनी चाहिए क्योंकि वो ज्ञान, विवेक और वाणी की शुद्धता प्रदान करने के साथ-साथ अहंकार, भ्रम और अज्ञानता का नाश भी करती है। जब बसंत पंचमी आती है, तो यह तिथि शीत ऋतु की जड़ता से निकलकर जीवन में नवचेतना, सृजन और ज्ञान का प्रवेश करती है। इसी कारण इसे माँ सरस्वती के प्राकट्य दिवस से भी जोड़ा जाता है।

जैसे बसंत पंचमी में प्रकृति में पेड़-पौधे फिर से जीवंत होने लगते हैं, वैसे ही इस अवसर पर माता सरस्वती की पूजा साधक के भीतर विचारों की शुद्धि, चेतना का विस्तार और ज्ञान का अंकुरण लाता है। उन्हें महान, पवित्र और प्रेरणादायिनी कहा गया है। ऋग्वेद में लिखा है - 'अम्बितमे, नदीतमे, देवितमे सरस्वति'

इसका अर्थ है कि 'हे सरस्वती! आप माताओं में श्रेष्ठ, नदियों में श्रेष्ठ और देवियों में श्रेष्ठ हैं'। वेदों में माता सरस्वती को वाणी की अधिष्ठात्री माना गया है। यज्ञ, मंत्र और स्तुति, सब मां सरस्वती की कृपा से ही संभव माने गए हैं। बिना सरस्वती की कृपा के वेदपाठ, मंत्रोच्चार और ज्ञान प्राप्ति अधूरी मानी जाती है। उपनिषदों में माता सरस्वती को ब्रह्मविद्या से जोड़ा गया है। पुराणों में माता सरस्वती को भगवान ब्रह्मा की मानस पुत्री और शक्ति माना गया है। वे सृष्टि के निर्माण में ब्रह्माजी को ज्ञान, विवेक और सृजन शक्ति प्रदान करती हैं, इसलिए उन्हें ब्रह्माणी भी कहा जाता है। देवी भागवत और स्कंद पुराणों में माता सरस्वती को माया से मुक्त करने वाली शक्ति कहा गया है।

सर्दी में बारिश और बर्फबारी की कमी अच्छे संकेत नहीं

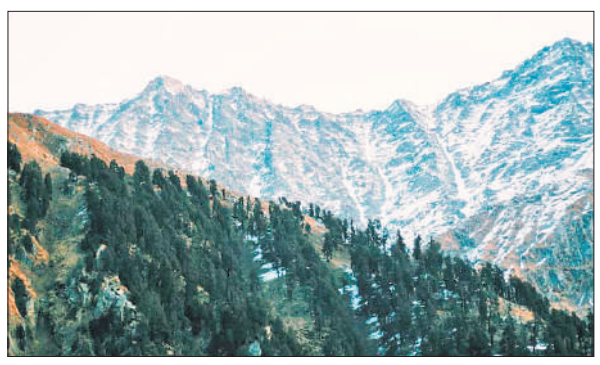

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

कोई 75 दिन बीत गए हैं, कश्मीर से ले कर उत्तरखंड और दिल्ली से ले कर समूचे मैदानी इलाके में एक बूंद भी बरसात नहीं हुई। सूखी सर्दी ने जनजीवन, खेती-किसानी और पर्यावरण पर जो चोट पहुंचाई है, उसका असर दूरगामी होना है। सबसे बड़ी बात, जब गर्मी के दिन और तापमान बढ़ रहा है, भारत सहित बहुत से देशों की जीवन रेखा कहे जाने वाले हिमालय के पहाड़ बर्फ न गिरने से भूरे दिख रहे हैं। हिमाचल में इस साल 'स्नो ड्राउट' यानी बर्फीले-सूखे के हालात हैं। उत्तर-पश्चिमी हिमालय (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर) में 2025-26 की सर्दियों में बर्फ का गिरना सामान्य से 45 से 75 फीसदी कम रहा, खासकर नवंबर-दिसंबर में। उत्तराखंड में दिसंबर 2025 में 100% वर्षा की कमी दर्ज की गई और जनवरी 2026 तक ऊंचे इलाकों में बर्फ नहीं जमी। बढ़ते तापमान, कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और ग्लोबल वॉर्मिंग से बर्फ तेजी से पिघल रही है। बीते पांच जाड़ों के मौसम में बर्फबारी में 25 फीसदी की गिरावट आई है, जो 1980-2020 के औसत से बहुत नीचे है।

कश्मीर का 'चिल्लई कलां', जो अपनी कठोर बर्फबारी और जमा देने वाली रातों के लिए जाना जाता है, इस बार वीरान है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि इस साल दिसंबर और जनवरी के मध्य तक कश्मीर घाटी में बर्फबारी में 75 से 80 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थल, जो इस समय तक चांदी जैसी बर्फ से ढके रहते थे, वहां केवल सूखी घास और नग्न पहाड़ दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति केवल पर्यटन को आर्थिक चोट नहीं पहुंचा रही, बल्कि ग्लेशियरों के पुनर्भरण (Recharge) की प्रक्रिया को भी बाधित कर रही है। यदि बर्फबारी का यह अकाल जारी रहा, तो गर्मियों में झेलम और सिंधु जैसी नदियों का जल स्तर रिकॉर्ड स्तर तक गिर सकता है, जिससे न केवल पीने के पानी का संकट पैदा होगा, बल्कि जल विद्युत परियोजनाओं पर भी ताला लग सकता है।

उत्तराखंड में शून्य बरसात के कारण राज्य के अधिकांश जिलों में सूखे की स्थिति है। हिमाचल प्रदेश में भी सामान्य से 97% कम बारिश दर्ज की गई। गेहूं, सरसों और चना जैसी रबी की फसलें अक्टूबर से दिसंबर तक बोई जाती हैं। इन फसलों को अच्छी पैदावार के लिए बढ़ने और पकने के समय ठंडे मौसम की जरूरत होती है। बारिश न होना रबी की फसलों खासकर गेहूं के लिए बुरा है। असल में सर्दियों की बारिश केवल पानी की जरूरत पूरा नहीं करती, बल्कि खेतों के लिए खाद का काम करती है, जिससे पौधों को नाइट्रोजन, फास्फोरस और दूसरे पोषक तत्व कुदरती रूप से मिलते हैं। इसकी पूर्ति सिंचाई करने से नहीं की जा सकती है।

उधर अक्टूबर-नवंबर के गर्म रहने से आलू का अंकुरण कम हुआ है। बहुत सी जगह बोए हुए आलू के बीज पौधा बनने की जगह गर्मी से गल गए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ने की मिठास नवंबर की गर्मी ने सोख ली। गन्ने में सुक्रोज बनने के लिए ठंड आवश्यक है, लेकिन अभी तक गन्ने में पानी की मात्रा अधिक है, इसलिए गुड़ बन ही नहीं पा रहा था। एक महीने देरी से गुड़ बनना शुरू हुआ है। देश के हर हिस्से की खेती-किसानी में बदलते मौसम ने ग्रहण लगा दिया है। उधर किसान खाद–बीज के लिए परेशान है। समझ लें कि रबी की फसल बिगड़ने का असर सारे देश की अर्थ और भोजन व्यवस्था पर पड़ना तय है।

ऊंचे पहाड़ों पर खेतों में बर्फ का आवरण आमतौर पर एक इन्सुलेशन कंबल के रूप में कार्य करता है। बर्फ की परत से उनकी फसलों की रक्षा होती है। कंद-मूल जैसे उत्पादों की वृद्धि होती है। पाले का प्रकोप नहीं हो पाता। साथ ही बर्फ से मिट्टी का कटाव भी रुकता है। पूरे हिमालय क्षेत्र में कम बर्फबारी और अनियमित बारिश से क्षेत्र में पानी और कृषि वानिकी सहित प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की संभावना है।

कम बर्फबारी के कारण अगर तापमान जल्दी ही बढ़ जाता है, तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासदी दायक होगी। इससे जीएलओएफ (हिमनद झील के फटने से होने वाली बाढ़) अचानक बाढ़ आएगी और घरों, बागानों और मवेशियों को बहा ले जाएगी। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैंकड़ों मेगा वाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट या सकता है, हालांकि यह भी कड़वा सच है कि पहाड़ों के मिजाज को बिगाड़ने में इन जल विद्युत परियोजनाओं की भूमिका काम संदिग्ध नहीं है। पहाड़ों पर बर्फ का असर पंजाब की नदियों पर घहराई से होता है। लंबे समय तक सूखे के कारण झेलम और अन्य नदियों का जल स्तर अभी से नकारात्मक सीमा में है।

उत्तराखंड के पौड़ी जिले में भले ही तगड़ा जाड़ा हो, लेकिन बीते चार महीनों से बर्फबारी और बारिश न होने के कारण यहां के पर्यावरण पर अलग किस्म का खतरा मंडरा रहा है। लगातार सूखे से जमीन की नमी समाप्त हो गई है। यदि हालात नहीं सुधरे, तो यहां जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाएगा, हालांकि यह खतरा समूचे राज्य में है और सूखी ठंड इंसानों के स्वास्थ्य के साथ-साथ खेती-किसानी का मिजाज भी बिगाड़े हुए है। बारिश और बर्फबारी की कमी का असर केवल कृषि तक सीमित नहीं है। यह पूरे पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है।

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले पहाड़ों पर बरसात और बर्फ न गिरने से जमीन का सूखना, वहां के वन्य जीवों के लिए बड़ा खतरा है। हरियाली पर जीने वाले जानवर बस्ती की तरफ आ रहे हैं और उनके पीछे-पीछे गुलदार, तेंदुए भी। घास के मैदान समाप्त होने का असर कस्तूरी मृग पर तो गहरा पड़ा है। हिमाचल, लेह, लाहौल स्पीति से ले कर उत्तराखंड के उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में दुर्लभ हो चुके हिम तेंदुओं का बगैर बर्फ के जीना मुश्किल हो रहा है।

> कोई 75 दिन बीत गए हैं, कश्मीर से लेकर उत्तरखंड और दिल्ली से ले कर समूचे मैदानी इलाके में एक बूंद भी बरसात नहीं हुई। दिसंबर–जनवरी के मध्य तक कश्मीर घाटी में बर्फबारी में 75 से 80 प्रतिशत तक गिरावट आई है।

आमने

भारत के अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री दावोस में पिकनिक मना रहे हैं। यात्रा का खर्च जनता के पैसों से पूरा किया जाएगा। यात्रा करने वाले नेताओं के खर्च का सार्वजनिक खुलासा किया जाए। भारतीय दृष्टिकोण से दावोस सम्मेलन हास्यास्पद है।

-संजय राउत
शिवसेना (यूबीटी)

सामने

मेरे पति दावोस पिकनिक मनाने नहीं गए हैं। जो व्यक्ति पिकनिक पर जाता है, वह भारत और महाराष्ट्र में निवेश लाने, रोजगार बढ़ाने के लिए काम नहीं करता। देवेंद्र फडणवीस निवेश लाने, रोजगार बढ़ाने के लिए सुबह छह से रात 11 बजे तक लगातार सम्मेलन और बैठकें करते हैं।

-अमृता फडणवीस
पत्नी, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र

कूटनीतिक चालाकी में फंसी फ्यूचर टेक्नोलॉजी

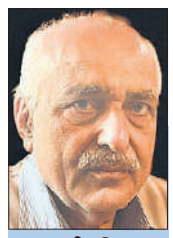

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

चीन से प्रकाशित एक्टा एरोनॉटिका एट एस्ट्रोनॉटिका सिनिका जर्नल में जनवरी 2026 महीने में छपे एक रिसर्च पेपर में यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स अर्थात यूएसएएफ़ के लिए नॉर्थरॉप ग्रुमन एयरो स्पेस कंपनी द्वारा विकसित किए जा रहे यूएस बी 21 रेडर स्टील्थ बॉम्बर के विकास में कुछ मौलिक खामियों की तरफ इशारा किया गया है। पेपर के मुख्य लेखक और शोधकर्मी हुआंग जियानताओ द्वारा इस्तेमाल किए गए डाटा का सोर्स मालूम नहीं है और न ही उक्त जर्नल के प्रकाशक ने अपनी वेबसाइट पर जर्नल की पीडीऍफ़ कॉपी पोस्ट की है। प्रतीत होता है कि इस पेपर की एडवांस्ड कॉपी एविएशन और एरोनॉटिक्स में पॉपुलर जर्नल्स के रिपोर्टर्स को खुफिया तौर से मिली और उन्होंने इसे प्रकाशित करके यूएसएएफ़ के लिए यह हंगामा खड़ा कर दिया।

अमेरिकन विशेषज्ञों ने शंका जाहिर की है कि बी-21 रेडर स्टील्थ बॉम्बर के बारे में कुछ डाटा या तो चोरी से चीन भेजा गया है, या फिर यह सिर्फ उन सूचनाओं की दृश्यता पर आधारित है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय एविएशन मीडिया जर्नल्स ने प्रकाशित किया और जिसे विकिपीडिया जैसे सार्वजनिक प्लेटफॉर्म्स पर भी पोस्ट किया गया है। क्या यह अनधिकृत चेष्टा है, संदेह के बीज बोने का उपक्रम अथवा प्रतिद्वंदी द्वारा विकसित की जाने वाली वार टेक्नोलॉजी पर खुफिया तौर से निगहबानी? चीन के इस साइंटिफिक रिसर्च दुस्साहस में कितना सच और कितना झूठ है, तब तक मालूम नहीं हो सकता, जब तक रिसर्च पेपर के डाटा की पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विद्वज्जनों द्वारा नहीं की जाती।

चीन की पूरी की पूरी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का रहस्य है, अनधिकृत और अनापेक्षित रूप से प्राप्त की गई टेक्नोलॉजी, जिसे रिवर्स इंजीनियरिंग से उन्नत करके अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में उतरना। इसी सिलसिले में ताज़ा खबर है कि उन्नत माइक्रो प्रोसेसर चिप्स के निर्माण के लिए चीन ने नीदरलैंड्स की एडवांस्ड सेमीकंडक्टर मटेरियल लिमिटेड एएसएमएल कंपनी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाले एक्सट्रीम अल्ट्रावायलेट फोटो लिथोग्राफिक प्रिंटिंग मशीन का स्वदेश में निर्माण कर लिया है। कंपनी की इस मशीन टेक्नोलॉजी में वैश्विक मोनोपॉली है।

इस मशीन के इस्तेमाल से मास्क बनाकर सिलिकॉन वेफर्स पर माइक्रो चिप का इन्टिग्रेटेड सर्किट प्रिंट किया जाता है और फिर इस पर लाखों की संख्या में ट्रांजिस्टर्स चिपकाए जाते हैं। इसे मास्किंग, एचिंग एंड प्रिंटिंग कहते हैं। चीन के इंजीनियरों द्वारा बिना लाइसेंस के इस मशीन का निर्माण कर लेना तकनीकी तौर से समकक्ष क्षमता हासिल करने के अलावा बौद्धिक संपदा चोरी भी है। चीन ने ऐसा करके सबको विस्मित कर दिया है, क्योंकि उसे बौद्धिक संपदा कानून के उल्लंघन की बिलकुल परवाह नहीं है।

नए विमानों के विकास का बहुत सा डाटा टॉप सीक्रेट होता है, जिसे रिसर्च पेपर्स में दशकों तक जाहिर नहीं किया जाता। लंबी दूरी तक पहुंचने वाले बी-21 रेडर स्टील्थ विमान की लागत $203 मिलियन या तकरीबन 18 अरब 49 करोड़ भारतीय रुपये मूल्य में है, जिसके लिए अनुसंधान और विकास में $23.1 से अधिक का व्यय हो चुका है। बी-21 बमवर्षक विमान पारंपरिक और थर्मोन्यूक्लियर हथियार ले जाकर दुश्मन के ठिकानों पर वार कर सकता है। बूढ़े हो चुके रॉकवेल बी-1 लांसर, बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस और बी-2 स्पिरिट को हटाकर सन 2040 तक बी-21 विमान का प्रयोग यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स कर पाएगी, इसी उम्मीद के साथ इसका विकास किया गया है।

चीन के एयरोस्पेस साइंटिस्ट्स द्वारा प्रकाशित उक्त रिसर्च पेपर के जरिये से किया गया दावा बी-21 के डिज़ाइन में कमज़ोरियां हैं। एक साइंटिफिक दुस्साहस है। अगर यह सही हैं, जो इनकी अनदेखी के चलते बी-21 की एयरोडायनामिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है। एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी में पीएडीजे-एक्स एक स्टेटिस्टिकल सॉफ्टवेयर टूल है, जिसे एयरोस्पेस सिमुलेशन में फाल्स डिस्कवरी रेट जानने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इससे सही लगने वाली त्रुटियों को जो भौतिक सच नहीं होतीं, या ऐसी त्रुटियां जिन्हें हम भौतिक सच मान लेते हैं, फाल्स-नेगेटिव या फाल्स पॉजिटिव कहा जाता है। यह एडजॉइंट ऑप्टिमाइजेशन टेक्नोलॉजी पर आधारित है और इसका इस्तेमाल एयरोडायनामिक्स, प्रोपल्शन और स्टील्थ सहित कई डिसिप्लिन में एयरक्राफ्ट डिज़ाइन का एनालिसिस और ऑप्टिमाइज करने के लिए किया जाता है।

यह सॉफ्टवेयर ऑप्टिमाइजेशन प्रोसेस में एयरोडायनामिक्स, प्रोपल्शन, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स, इंफ्रारेड सिग्नेचर और सोनिक बूम, को एक ही प्लेटफॉर्म में इंटीग्रेट करता है, जिससे हजारों डिज़ाइन पैरामीटर्स को एक साथ टेस्ट किया जा सकता है। रिसर्च पेपर में चीन के एयरोडायनामिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर के हुआंग जियांगताओ ने कहा है कि भविष्य के युद्ध के माहौल में कॉन्फ़िगरेशन के मुकाबले में एयरक्राफ्ट की इंटीग्रेटेड परफॉर्मेंस की ज्यादा ज़रूरत महसूस हो सकती है।

> चीन की एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का रहस्य है, अनधिकृत और अनापेक्षित रूप से प्राप्त की गई टेक्नोलॉजी।

सोशल फोरम

अटल-फैज की मुलाकात

रश्मि त्रिपाठी
ब्लॉगर

बात सन 1977 या 78 की है जब पहली बार देश में गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री थे और अटल बिहारी वाजपेई विदेश मंत्री। अटल जी अपने आधिकारिक दौरे पर पाकिस्तान गए थे। जैसा कि मंत्री स्तर पर प्रोटोकॉल के तहत सब कुछ पहले से तय होता है, वैसे ही सब तयशुदा कार्यक्रम के तहत हुआ, पर अचानक ही अटल जी फ़ैज़ साहब से मिलने उनके घर पहुंच गए। यहां बता दूं कि फ़ैज़ साहब उन दिनों एशियाई-अफ्रीकी लेखक संघ के प्रकाशन के अध्यक्ष थे और उन दिनों लेबनान में कार्यरत थे, पर उन दिनों पाकिस्तान आए हुए थे।

अचानक अटल जी को आया देख वे भी सकपका गए, पर अटल जी ने बड़ी विनम्रता से हंसते हुए उनसे कहा मैं सिर्फ आपके एक शेर के लिए आपसे मिलकर आपको दाद देना चाहता था।

मक़ाम 'फ़ैज़' कोई राह में जचा ही नहीं
जो कू-ए-यार से निकले तो सू-ए-दार चले

कहते हैं कि यह सुनकर फ़ैज़ भावुक हो गए थे। बाद में अटल जी ने न सिर्फ उनसे भारत आने को कहा, बल्कि भारत आकर बसने को भी कहा।

सनद रहे कि फ़ैज़ साहब लियाकत अली खां की सरकार के तख्तापलट की साज़िश करने के जुर्म में पांच साल जेल में रह चुके थे और संदर्भित ग़ज़ल भी फ़ैज़ ने मांटगुमरी जेल में रहते हुए लिखी थी। पाकिस्तानी हुक्मरानों को फ़ैज़ कभी फूटी आंख न सुहाए। यह अलग बात है कि भारत हो या पाक वे दोनों जगह अवाम के महबूब शायर थे।

जब सन् 1981 में फ़ैज़ भारत आए तो कई शहरों में उनका काव्यपाठ आयोजित हुआ। एक पाठ के दौरान उनसे उनकी प्रसिद्ध नज़्म रकीब से पढ़ने के लिए कहा गया। फ़ैज़ ने वह नज़्म बस आधी ही सुनाई। यह पूछने पर कि आधी ही क्यों सुनाई? फ़ैज़ ने कहा, "जहां तक सुनाया, वहीं तक असली नज़्म है। बाद का हिस्सा बाद में लिखा गया था।" **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

अब निवेश सलाहकारों के दावों की होगी जांच

देश में पूंजी बाजार विशेषज्ञों के नाम पर किए जाने वाले रिटर्न दावों का अब आसानी से सत्यापन किया जा सकेगा। भ्रामक प्रचार कर बेहतर रिटर्न देने का दावा करने वालों को पकड़ने और सत्यापित करने के लिए सेबी ने पीआरआरवीए एजेंसी लॉन्च कर वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का नया प्रयोग शुरू किया है। 1992 में सेबी अधिनियम के तहत सेबी को कानूनी दर्जा मिला था, जिससे उसे निवेशकों की सुरक्षा, बाजार की पारदर्शिता और वित्तीय गतिविधियों की निगरानी का अधिकार प्राप्त है। अपनी नियामक क्षमता के आधार पर सेबी ने स्वेच्छा से पीआरआरवीए जैसी पारदर्शी व्यवस्था शुरू की है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को प्रमाण-आधारित और सटीक जानकारी उपलब्ध कराना है।

पीआरआरवीए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और केयर एज रेटिंग्स के सहयोग से लॉन्च की गई है, जिससे इसकी विश्वसनीयता और प्रभावशीलता बढ़ गई है। अब निवेशक किसी ब्रोकर, एल्गो ट्रेडर, रिसर्च एनालिस्ट या निवेश सलाहकार के पिछले रिकॉर्ड को सत्यापित कर सकेंगे। कई लोग खुद को निवेश सलाहकार बताकर बेहतर रिटर्न का दावा करते रहते हैं, लेकिन उनका रिकॉर्ड जांचना लगभग असंभव था। कई बार केवल भरोसे और दावों के आधार पर निवेश नुकसान में बदल जाता है और निवेशकों की मेहनत की कमाई डूब जाती है। कुछ सलाहकार अपने तथ्यों में हेरफेर कर पिछले रिटर्न को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं। ऐसे में पीआरआरवीए की व्यवस्था निवेशकों के लिए राहत साबित होगी।

धनीश शर्मा
लेखक

ये बात जगजाहिर है कि कुछ निवेश सलाहकार सोशल मीडिया पर दावा करते हैं कि उन्होंने ग्राहकों को सालाना 25–30% तक का रिटर्न दिया है। अक्सर वे एडिटेड स्क्रीनशॉट, भ्रामक ग्राफ और अधूरी जानकारी दिखाकर निवेशकों को आकर्षित करते हैं, हालांकि पिछले कुछ समय से सेबी ने सोशल मीडिया पर गैर पंजीकृत सलाहकारों पर लगाम लगाई है, वहीं पीआरआरवीए ऐसे दावों की वास्तविक सच्चाई तुरंत उजागर कर देगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि टीवी चैनलों पर भी कई विशेषज्ञ तेज़ रिटर्न देने का दावा करते हैं, जबकि बाजार की वास्तविकता संभावनाओं पर आधारित है। कोई भी 100% सटीक अनुमान नहीं लगा सकता।

कोविड के बाद से ही डिजिटल प्लेटफॉर्म, यूट्यूब और सोशल मीडिया पर गैर-पंजीकृत निवेश सलाहकार और फिनफ्लुएंसरों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। वे आकर्षक वीडियो और अधूरी जानकारी दिखाकर निवेशकों को गुमराह करते हैं। सेबी की इस पहल से ऐसे गैर-सत्यापित दावों पर रोक लगेगी। फिलहाल सिस्टम स्वैच्छिक है और शुरुआती चरण में है। जो लोग पीआरआरवीए में शामिल नहीं होंगे, वे भविष्य में अपने रिटर्न दावों को सार्वजनिक रूप से नहीं दिखा पाएंगे। केवल वही सलाहकार या ब्रोकर अपना प्रदर्शन दिखा सकेंगे, जिनके डेटा को स्वतंत्र रूप से सत्यापित किया गया है।

पीआरआरवीए के माध्यम से निवेशक यह सत्यापित कर सकेंगे कि किसी ब्रोकर, एल्गो ट्रेडर या रिसर्च एनालिस्ट ने पिछले वर्षों में वास्तविक रूप से कितना रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई सलाहकार पिछले पांच वर्षों में औसतन 8–10% रिटर्न दे पाया है, तो निवेशक इसे आसानी से जांच सकेंगे और जोखिम समझकर ही निवेश करेंगे। केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में पूंजी बाजार को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। फिनटेक क्षेत्र को नियंत्रित करने, निवेशक संरक्षण को मजबूत करने और डिजिटल धोखाधड़ी रोकने के लिए निरंतर सुधार किए जा रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

खोज

कागज की खोज

मानव सभ्यता के विकास में कागज का आविष्कार एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी घटना माना जाता है। आज जिस कागज को हम सामान्य और दैनिक उपयोग की वस्तु समझते हैं, उसने ज्ञान के संरक्षण, प्रसार और लोकतंत्रीकरण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कागज के आविष्कार से पहले मनुष्य पत्थर, ताम्रपत्र, ताड़पत्र, भोजपत्र, चमड़े और रेशम जैसे माध्यमों पर लिखता था, जो या तो भारी थे, महंगे थे या लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रहते थे।

इतिहासकारों के अनुसार कागज का आविष्कार 105 ईसवी में चीन में हुआ। इसका श्रेय हान वंश के शाही दरबार के अधिकारी त्साई लुन (Cai Lun) को दिया जाता है। उन्होंने पेड़ की छाल, पुराने कपड़े, मछली पकड़ने के जाल और बांस जैसे रेशेदार पदार्थों को पानी में गलाकर, पीसकर और सुखाकर कागज बनाने की एक व्यावहारिक विधि विकसित की। यह पहले से मौजूद लेखन माध्यमों की तुलना में सस्ता, हल्का और अधिक उपयोगी था। चीन में लंबे समय तक कागज बनाने की तकनीक को गुप्त रखा गया, लेकिन धीरे-धीरे यह ज्ञान अन्य क्षेत्रों तक फैल गया। आठवीं शताब्दी में यह तकनीक अरब दुनिया पहुंची, जहां बगदाद और समरकंद जैसे नगर कागज निर्माण के प्रमुख केंद्र बने। इसके बाद कागज़ भारत पहुंचा और यहां फारसी व अरबी पांडुलिपियों के लेखन में इसका व्यापक प्रयोग हुआ। तेरहवीं शताब्दी तक कागज यूरोप पहुंच चुका था, जहां बाद में छापेखाने के आविष्कार के साथ इसने ज्ञान क्रांति को जन्म दिया।

भारत में कागज बनाने की सबसे पहली मिल कश्मीर में लगाई गई थी, जिसे वहां के सुल्तान जैनुल आबिदीन ने स्थापित किया था। सन् 1887 में भी कागज बनाने वाली मिल स्थापित की गई थी, जिसका नाम था टीटा कागज मिल्स, लेकिन ये मिल कागज बनाने में असफल रही। आधुनिक कागज का उद्योग कलकत्ता में हुगली नदी के तट पर बाली नामक स्थान पर स्थापित किया गया।

वैज्ञानिक के बारे में

त्साई लुन (Cai Lun) चीन के हान राजवंश के समय एक प्रमुख विद्वान और शाही अधिकारी थे। उन्हें कागज के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है। इससे पहले लेखन के लिए बांस की पट्टियां और रेशम का प्रयोग होता था, जो भारी और महंगे थे। त्साई लुन के इस आविष्कार ने लेखन को सरल बनाया और ज्ञान, शिक्षा तथा प्रशासन के व्यापक प्रसार में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

सम्मोहित करता विलक्षण पक्षी

सनबिटर्न

क्या कोई पक्षी अपनी चोंच या नुकीले पंजों का प्रयोग किए बिना भी खूंखार शिकारियों को परास्त कर सकता है? सनबिटर्न यह सिद्ध करता है कि भीषण संकट के समय धैर्य और मनोवैज्ञानिक कौशल ही सबसे अचूक प्रहार साबित होते हैं।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

मध्य और दक्षिण अमेरिका के अभेद्य वर्षावनों में, जहां हर आहट एक नए खतरे का उद्घोष होती है, वहां जीवित रहने के लिए केवल शारीरिक शक्ति पर्याप्त नहीं है। इन रहस्यमयी जंगलों में एक ऐसा पक्षी निवास करता है, जिसने यह सिद्ध कर दिया है कि बुद्धि का सटीक प्रयोग दुनिया के किसी भी घातक हथियार से अधिक शक्तिशाली हो सकता है। प्रकृति प्रेमी इसे 'सनबिटर्न' के नाम से जानते हैं। यह न तो गरुड़ जैसी शक्ति रखता है और न ही चीते जैसी तीव्र फुर्ती, फिर भी इसमें एक ऐसा अनूठा रणकौशल है, जो बड़े-बड़े शिकारियों को किंकर्तव्यविमूढ़ कर देता है। इसकी आत्मरक्षा की यह रणनीति महज जान बचाने की कोशिश भर नहीं है, बल्कि शिकारी के मस्तिष्क को भ्रमित कर देने वाला एक गहरा मनोवैज्ञानिक मायाजाल है।

अदृश्यता का आवरण

प्रकृति में विलीन होना- सनबिटर्न की आत्मरक्षा का प्रथम चरण है पूर्णत: अदृश्य हो जाना। नदी के किनारों पर सूखी पत्तियों और कीचड़ के बीच जब यह पक्षी निश्चल खड़ा होता है, तो इसके धूसर-भूरे पंख इसे परिवेश के साथ इस कदर एकाकार कर लेते हैं कि कोई अत्यंत निकट से भी गुजर जाए, तो इसे पहचान नहीं सकता। विज्ञान की शब्दावली में इसे 'क्रिप्टिक कलरेशन' कहते हैं। इसका सीधा अर्थ है स्वयं को परिवेश के रंगों में इस तरह विलीन कर लेना कि शिकारी की दृष्टि आप पर टिक ही न पाए। जब तक संकट टल न जाए, सनबिटर्न किसी पत्थर की भांति अडिग रहकर अपनी शांति को ही अपनी सबसे अभेद्य ढाल बनाए रखता है।

भ्रम का प्रहार : आंखों का धोखा

असली रोमांच तब प्रारंभ होता है, जब छिपने का विकल्प समाप्त हो जाता है। जैसे ही कोई भूखा सर्प या जंगली बिल्ली सनबिटर्न के घेरे में प्रवेश करती है, यह शांत पक्षी अचानक रौद्र रूप धारण कर लेता है। यह पलक झपकते ही अपने पंखों को एक विशाल पंखे की भांति फैला देता है। इस क्षणिक रूपांतरण में वह लघु पक्षी एकाएक एक विशाल और डरावने जीव जैसा प्रतीत होने लगता है। उसके पंखों के भीतर नारंगी, लाल और पीले रंगों के सम्मिश्रण से दो विशाल आकृतियां उभर आती हैं, जो हूबहू किसी खूंखार शिकारी की धधकती आंखों जैसी दिखती हैं।

मनोवैज्ञानिक विजय

वैज्ञानिक इन आकृतियों को 'आई-स्पॉट्स' कहते हैं। एक सुलभ शिकार की तलाश में आया शिकारी, अचानक अपने सम्मुख दो विशाल जलती हुई आंखें देखकर स्तब्ध रह जाता है। उसे भ्रम होता है कि वह किसी पक्षी को नहीं, बल्कि किसी ऐसे दैत्यकार जीव को देख रहा है, जो स्वयं उसे ही अपना ग्रास बना सकता है। सनबिटर्न यहीं नहीं थमता, वह अपने शरीर को एक विशिष्ट लय में झुकाकर और पंखों को थिरकाकर इस भ्रम को इतना जीवंत बना देता है कि शिकारी भय और अनिश्चितता से घिर जाता है। यही एक क्षण सनबिटर्न की विजय सुनिश्चित कर देता है और शिकारी अपनी जान बचाकर वहां से भागने में ही अपनी भलाई समझता है।

जीवन का संदेश

सनबिटर्न की युक्ति, आत्मरक्षा का अर्थ सदैव हिंसा या प्रतिघात नहीं होता हैं। हमें जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाती है। यह सिखाती है। कभी-कभी बिना चोंच चलाए और बिना पंजा मारे, केवल अपनी बुद्धिमत्ता और दृष्टि के छलावे से भी बड़ी जंग जीती जा सकती है। वर्षावनों की सघनता में आज भी यह पक्षी हमें स्मरण कराता है कि जब संकट विकराल हो, तो धैर्य और मानसिक कौशल ही आपके सबसे अचूक प्रहार सिद्ध होते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

शहद एक ऐसा प्राकृतिक खाद्य पदार्थ है, जो सामान्य परिस्थितियों में वर्षों तक सुरक्षित रहता है और लगभग कभी खराब नहीं होता। इसके पीछे कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उसकी विशिष्ट रासायनिक संरचना और प्राकृतिक गुण जिम्मेदार हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल से शहद को न केवल भोजन, बल्कि औषधि के रूप में भी महत्व दिया जाता रहा है।

शहद के दीर्घायु होने का विज्ञान

शहद में पानी की मात्रा बेहद कम होती है। आमतौर पर इसमें नमी 16 से 18 प्रतिशत के बीच रहती है, जबकि अधिकांश बैक्टीरिया और फफूंद को जीवित रहने और बढ़ने के लिए कहीं अधिक नमी की आवश्यकता होती है। पानी की कमी के कारण सूक्ष्मजीव शहद में पनप नहीं पाते। इसके साथ ही शहद में शर्करा की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो लगभग 80 प्रतिशत तक होती है। इतनी अधिक शर्करा के कारण उसमें ऑस्मोटिक दबाव बहुत ज्यादा होता है, जिससे बैक्टीरिया और फफूंद की कोशिकाओं से पानी बाहर खिंच जाता है और वे निष्क्रिय हो जाते हैं।

शहद की प्रकृति हल्की अम्लीय होती है। इसका pH सामान्यतः 3.2 से 4.5 के बीच रहता है। यह अम्लीय वातावरण अधिकांश रोगजनक सूक्ष्मजीवों के लिए अनुकूल नहीं होता, जिससे वे उसमें जीवित नहीं रह पाते। इसके अलावा शहद में प्राकृतिक जीवाणुरोधी तत्व भी पाए जाते हैं। मधुमक्खियां शहद बनाते समय उसमें ग्लूकोज़ ऑक्सीडेज नामक एंजाइम मिलाती हैं, जो नमी के संपर्क में आने पर हाइड्रोजन पेरॉक्साइड उत्पन्न करता है। यह पदार्थ बैक्टीरिया को नष्ट करने में सहायक होता है।

इतिहास में इसके प्रमाण भी मिलते हैं। मिस्र के पिरामिडों से हजारों वर्ष पुराना शहद प्राप्त हुआ है, जो आज भी सुरक्षित पाया गया। हालांकि यदि शहद में पानी मिल जाए, वह खुले या गीले बर्तन में रखा जाए या उसमें मिलावट हो, तो उसके खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से रखा गया शुद्ध शहद समय की कसौटी पर खरा उतरता है और प्रकृति का एक अनोखा, दीर्घजीवी खाद्य पदार्थ साबित होता है।

जंगल की दुनिया

छोटे शरीर में बड़ी सजा बुलेट चींटी का डंक

मध्य और दक्षिण अमेरिका के घने वर्षावनों में पाई जाने वाली बुलेट चींटी (Paraponera clavata) को दुनिया के सबसे दर्दनाक डंक वाले कीटों में गिना जाता है। प्रसिद्ध कीट विज्ञानी जस्टिन श्मिट द्वारा विकसित श्मिट स्टिंग पेन इंडेक्स में इसका स्थान सबसे ऊपर है। स्वयं श्मिट ने इसके दर्द की तुलना "गरम कोयलों पर चलते हुए एड़ी में कील ठोंक दिए जाने" से की थी। इस डंक का असर केवल तीव्र पीड़ा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कई मामलों में यह दर्द 24 घंटे या उससे अधिक समय तक बना रह सकता है।

दिलचस्प बात यह है कि बुलेट चींटियां आक्रामक शिकारी नहीं होतीं। ये मुख्यतः जमीन और पेड़ों के निचले हिस्सों में रहती हैं और अपने डंक का उपयोग आत्मरक्षा के लिए करती हैं। इनका विष (venom) शिकार को मारने से ज्यादा शत्रु को डराने और लंबे समय तक निष्क्रिय करने के लिए विकसित हुआ है। यही कारण है कि डंक के बाद दर्द तो अत्यधिक होता है, लेकिन स्थायी शारीरिक क्षति अपेक्षाकृत कम होती है।

इसी तरह, टारेंटुला हॉक ततैया, कुछ बिच्छू और अन्य विषैले कीट भी ऐसे रक्षात्मक तंत्र अपनाते हैं, जिनका उद्देश्य मृत्यु नहीं बल्कि तीव्र, यादगार पीड़ा देना होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसा दर्द शिकारियों के व्यवहार को लंबे समय तक बदल देता है, वे भविष्य में उस प्रजाति से दूरी बनाए रखते हैं। इन कीटों के डंक पर किए गए अध्ययन हमें यह समझने में मदद करते हैं कि विकासक्रम (evolution) में दर्द किस तरह एक प्रभावी हथियार के रूप में उभरा। साथ ही, इन विषों के रासायनिक गुणों पर शोध से दर्द निवारण (pain management) और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं खुल सकती हैं।

बुलेट चींटी और ऐसे अन्य कीट हमें यह सिखाते हैं कि प्रकृति में शक्ति हमेशा आकार या आक्रामकता में नहीं, बल्कि अनुभव कराए गए भय और दर्द की तीव्रता में भी निहित हो सकती है।

मृत्यु को चुनौती देने की मानवीय महत्वाकांक्षा व उसके वैज्ञानिक आयाम

मनुष्य ने सदियों से मृत्यु को अपनी सबसे बड़ी पराजय माना है। प्राचीन सभ्यताओं में अमृत की खोज, चीन के सम्राटों द्वारा जीवन रसायनों की तलाश और भारतीय पौराणिक कथाओं में अमृत मंथन की कहानियां इस बात की गवाह हैं कि अमरता मानव की सबसे पुरानी आकांक्षाओं में से एक रही है। 21 वीं सदी में यह खोज पौराणिक कथाओं से निकलकर अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं तक पहुंच चुकी है, जहां अरबों डॉलर की पूंजी और विश्व के श्रेष्ठ वैज्ञानिक इस प्रश्न से जूझ रहे हैं, क्या मनुष्य वास्तव में मृत्यु के विधान को बदल सकता है?

जयदेव राठी भराण
स्वतंत्र लेखक

विज्ञान की नई सीमाएं: कहां पहुंची है अमरत्व की खोज- आज एंटी-एजिंग और दीर्घायु अनुसंधान एक बहु-अरब डॉलर का उद्योग बन चुका है। विभिन्न अनुमानों के अनुसार, वैश्विक एंटी-एजिंग बाजार 2023 में 60 से 70 अरब डॉलर का था, जो 2030 तक 100 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। सिलिकॉन वैली के अरबपति इस दौड़ में सबसे आगे हैं। जेफ बेजोस द्वारा समर्थित एल्टोस लैब्स सेलुलर रीप्रोग्रामिंग पर काम कर रही है, जबकि गूगल की सहायक कंपनी कैलिको उम्र बढ़ने की जैविक प्रक्रिया को समझने में अरबों डॉलर खर्चकर रही है।

सैम ऑल्टमैन और ब्रायन जॉनसन जैसे तकनीकी उद्यमी स्वयं को "जीवित प्रयोगशाला" में बदल चुके हैं। ब्रायन जॉनसन अपने "ब्लूप्रिंट" कार्यक्रम पर हर साल लाखों डॉलर खर्च करते हैं और दावा करते हैं कि उनकी जैविक आयु वास्तविक आयु से कई वर्ष कम हो चुकी है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण: चार प्रमुख मार्ग- वैज्ञानिक दृष्टि से अमरता या दीर्घायु की खोज चार प्रमुख दिशाओं में आगे बढ़ रही है। पहली, सेनोलिटिक्स, जिसमें शरीर से बूढ़ी और क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को हटाने का प्रयास किया जाता है। चूहों पर इसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं, लेकिन मनुष्यों पर व्यापक परीक्षण अभी जारी हैं।

- दूसरी दिशा टेलोमियर विस्तारण की है। टेलोमियर हमारे गुणसूत्रों के सिरे होते हैं, जो हर कोशिका विभाजन के साथ छोटे होते जाते हैं। इन्हें लंबा करने के प्रयास किए जा रहे हैं, हालांकि इससे कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है।
- तीसरी दिशा नैनोटेक्नोलॉजी और आणविक मरम्मत की है, जहां भविष्य में नैनो-रोबोट्स द्वारा कोशिकाओं की मरम्मत की कल्पना की जा रही है।
- चौथी और सबसे विवादास्पद दिशा क्रायोनिक्स और माइंड अपलोडिंग की है, जिसमें मृत्यु के बाद शरीर या मस्तिष्क को अत्यंत निम्न तापमान पर संरक्षित किया जाता है, इस उम्मीद में कि भविष्य की तकनीक उन्हें पुनर्जीवित कर सकेगी।

भारतीय परिप्रेक्ष्य: परंपरा और आधुनिकता का संगम

भारतीय दर्शन मृत्यु को जीवन के स्वाभाविक चक्र का हिस्सा मानता है। गीता का कथन- "जातस्य हि ध्रुवो मृत्यु:" इसी सत्य को रेखांकित करता है। यहां अमरता आत्मा के स्तर पर मानी गई है, शरीर के स्तर पर नहीं। आयुर्वेद ने दीर्घ और स्वस्थ जीवन पर जोर दिया, लेकिन शाश्वत शारीरिक अमरता को लक्ष्य नहीं बनाया।

आशा और यथार्थ के बीच

विज्ञान हमें अधिक स्वस्थ और लंबा जीवन दे सकता है, लेकिन मृत्यु को पूरी तरह परास्त करना अभी दूर की बात है। शायद असली प्रश्न यह नहीं है कि क्या हम अमर हो सकते हैं, बल्कि यह है कि क्या हमें अमर होना चाहिए। 120 वर्षों का रोगग्रस्त जीवन, 80 वर्षों के स्वस्थ, सार्थक और संतुलित जीवन से बेहतर नहीं कहा जा सकता। वास्तविक बुद्धिमत्ता शायद सीमाओं को पूरी तरह तोड़ने में नहीं, बल्कि यह समझने में है कि हमें कहां रुकना चाहिए।

व्यक्तिगत उपचार योजनाएं

इन तमाम प्रयासों के बावजूद वास्तविकता अपेक्षाकृत संयमित है। पिछले सौ वर्षों में वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 30 से बढ़कर लगभग 73 वर्ष हुई है, लेकिन यह वृद्धि मुख्यत: बेहतर स्वच्छता, पोषण और चिकित्सा सुविधाओं के कारण है, न कि उम्र बढ़ने की मूल जैविक प्रक्रिया पर विजय के कारण। आज तक प्रमाणित अधिकतम मानव आयु 122 वर्ष ही है और पिछले दशकों में इस सीमा में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। मेटफॉर्मिन, रैपामाइसिन और एनएडी प्लस जैसी दवाओं ने प्रयोगशाला में जानवरों की आयु बढ़ाई है, लेकिन मनुष्यों पर उनके दीर्घकालिक प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं हैं। अधिकांश वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि हम "स्वस्थ जीवनकाल" बढ़ा सकते हैं, पूर्ण अमरता अभी विज्ञान कथा ही है।

इस खोज को गति देने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका निर्णायक बनती जा रही है। एआई दवा खोज की प्रक्रिया को तेज कर रहा है, जैविक बायोमार्कर्स की पहचान में मदद कर रहा है और व्यक्तिगत उपचार योजनाएं तैयार कर रहा है।

एआई आधारित एल्गोरिदम अब किसी व्यक्ति की जैविक आयु का आकलन पहले से कहीं अधिक सटीकता से कर पा रहे हैं, लेकिन यह खोज गंभीर नैतिक और सामाजिक प्रश्न भी खड़े करती है। यदि दीर्घायु तकनीकें सफल होती हैं, तो क्या वे केवल अमीरों तक सीमित रहेंगी? क्या समाज में एक नया जैविक वर्गभेद पैदा होगा? जनसंख्या, संसाधन और पीढ़ियों के बीच अवसरों का संतुलन भी एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,307 .37	25,289 .90
बढ़त	397 .74	132 .40
प्रतिशत में	0 .49	0 .53

सोना 1,57,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,20,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

कॉफी निर्यात मूल्य के लिहाज से 22.50% बढ़ा

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में भारत का कॉफी निर्यात मात्रा के हिसाब से 4 .47% गिरकर 3 .84 लाख टन रहा, लेकिन मूल्य के लिहाज से यह 22 .50% बढ़कर 2 .05 अरब डॉलर पहुंच गया। कॉफी बोर्ड के अनुसार, मात्रा के संदर्भ में, कुल निर्यात 2024 के 4 .02 लाख टन के मुकाबले कम रहा। प्रति टन मूल्य प्राप्ति 2025 में बढ़कर 4 .65 लाख रुपये रही, जो पिछले वर्ष 3 .48 लाख रुपये प्रति टन थी। कॉफी उत्पादन में भारत का विश्व में सातवां और निर्यात में पांचवां स्थान है। 2025 के दौरान अरेबिका कॉफी का निर्यात 65% गिरकर 15,607 टन रहा, जो पिछले वर्ष 44,315 टन था। आलोच्य तिमाही में रोबस्टा कॉफी का निर्यात भी 13% घटकर 2 .07 लाख टन से 1 .80 लाख टन रह गया। इंस्टेंट कॉफी का निर्यात 2025 में 11 .56% बढ़कर 46,954 टन रहा, जो पिछले वर्ष 42,054 टन था। इटली, रूस और जर्मनी भारतीय कॉफी के शीर्ष तीन खरीदार रहे।

रेजरपे को ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी रेजरपे की ऑफलाइन भुगतान इकाई रेजरपे पीओएस को आरबीआई से ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में कार्य करने का लाइसेंस मिल गया है। कंपनी ने बताया कि इस प्राधिकरण के साथ रेजरपे के पास अब आरबीआई के तीनों प्रमुख लाइसेंस, ऑनलाइन पेमेंट एग्रीगेटर, क्रॉस-बॉर्डर एग्रीगेटर (दिसंबर 2025 में प्राप्त) और ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर हैं। रेजरपे के प्रबंध निदेशक एवं सह-संस्थापक शशांक कुमार ने यह जानकारी दी।

विद्युत पारेषण नेटवर्क पांच लाख सर्किट किमी

नई दिल्ली। देश का विद्युत पारेषण नेटवर्क 220 किलोवोल्ट और उससे अधिक क्षमता वाली लाइन के साथ पांच लाख सर्किट किलोमीटर का आंकड़ा पार कर गया है। साथ ही कुल ट्रांसफॉर्मर क्षमता 1,407 गीगावोल्ट एम्पियर तक पहुंच गई है। मंत्रालय के अनुसार, राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से बिजली पारेषण के लिए भादला-दो से सीकर-दो सब-स्टेशन तक 765 किलोवॉट की 628 सर्किट किलोमीटर लंबी पारेषण लाइन का संचालन शुरू करने के साथ ही दुनिया के सबसे बड़े राष्ट्रीय ग्रिड ने यह उपलब्धि 14 जनवरी को हासिल की।

ईयू ने निर्यात लाभ छूट की स्थगित

87% भारतीय उत्पाद उच्च आयात शुल्क से होंगे प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

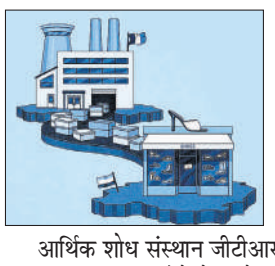

- भारतीय निर्यातकों को करना पड़ेगा महत्वपूर्ण चुनौती का सामना

यूरोपीय संघ (ईयू) ने 1 जनवरी, 2026 से भारत और दो अन्य देशों को सामान्यीकृत तरजीही व्यवस्था (जीएसपी) के तहत कुछ क्षेत्रों को दिए गए विशेष निर्यात लाभ को स्थगित कर दिया है। यह कदम 27 देशों वाले इस समूह को भारत से होने वाले निर्यात पर असर डालेगा। यह घटना इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि भारत और यूरोपीय संघ 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर बातचीत पूरी होने की घोषणा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ के आधिकारिक जर्नल के मुताबिक, यूरोपीय आयोग ने सितंबर, 2025 में नियम जारी किए थे, जिनके तहत जीएसपी लाभ पाने वाले कुछ देशों- भारत, इंडोनेशिया और केन्या के लिए यह निर्यात छूट एक जनवरी 2026 से 31 दिसंबर 2028 तक लागू नहीं होगी। इसका मतलब है कि अब तक 12 प्रतिशत शुल्क वाले किसी वस्त्र उत्पाद पर जीएसपी के तहत 9.6 प्रतिशत शुल्क ही देना पड़ता था, लेकिन अब पूरी 12 प्रतिशत दर लागू होगी। यह छूट अब सभी प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों- खनिज, रसायन, प्लास्टिक, रबर, वस्त्र और परिधान, पत्थर एवं सिरेमिक, कीमती धातुएं, लोहा एवं इस्पात, मशीनरी, इलेक्ट्रिकल वस्तुएं और परिवहन उपकरण से हटा दी गई है। ये क्षेत्र भारत के यूरोपीय निर्यात का प्रमुख आधार हैं।

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने कहा कि वस्त्र एवं प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों को मिले जीएसपी लाभ हटाए जाने से भारतीय निर्यातकों को ''महत्वपूर्ण चुनौती'' का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि 87 प्रतिशत निर्यात अब उच्च आयात शुल्क के अधीन होंगे। केवल कृषि और चमड़ा जैसे 13 प्रतिशत निर्यात ही अब जीएसपी लाभ के दायरे में रह जाएंगे। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत-ईयू एफटीए संपन्न होने से जुड़ी उम्मीदों के बीच जीएसपी छूट हटाए जाने और कार्बन कर प्रणाली सीबीएएम के तहत कर शुरू होने से भारतीय निर्यातकों को निकट भविष्य में उच्च शुल्क, बढ़ी हुई अनुपालन लागत और प्रतिस्पर्धा में कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि 87 प्रतिशत भारतीय निर्यात अब सर्वाधिक तरजीही देश (एमएफएन) के लिए लागू दर पर यूरोप में प्रवेश करेंगे, जिससे भारत की कीमत प्रतिस्पर्धा कमजोर

महाशक्तियों के लिए ये साथ आने का अवसर : जर्मन चांसलर

दावोस। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित एफटीए पर हस्ताक्षर से चंद दिनों पहले जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने गुरुवार को कहा कि महाशक्तियों का युग संरक्षणवाद एवं अलगाववाद के बजाय नियम-आधारित व्यवस्था एवं मुक्त व्यापार का समर्थन करने वाले देशों के लिए एक अवसर है। मर्ज ने डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में कहा कि यूरोप उच्च आर्थिक वृद्धि चाहता है और इसे हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष भारत जाएंगी, जहां भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सिद्धांतों को अंतिम रूप दिया जाएगा। मर्ज ने कहा कि एक सप्ताह पहले मैं भारत में था। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य उन देशों के लिए अवसर प्रस्तुत करता है जो मनमाने फैसलों के बजाय नियमों को प्राथमिकता देते हैं और संरक्षणवाद एवं अलगाववाद के स्थान पर मुक्त व्यापार में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में यूरोपीय संघ नए साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। मर्ज ने मेक्सिको एवं इंडोनेशिया के साथ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिए जाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

- भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित एफटीए पर हस्ताक्षर से चंद दिनों पहले मर्ज ने की टिप्पणी

वैश्विक आर्थिक शक्ति बना भारत

दावोस, एजेंसी

- दावोस में आयोजित सीआईआई और केपीएमजी के सत्र में भारतीय मंत्रियों ने दिए बयान

भारत ने पिछले दशक में उभरती अर्थव्यवस्था की छवि से बाहर निकल कर खुद को महत्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में तब्दील किया है, जिसकी नींव मजबूत वृद्धि एवं व्यापक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू और गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने यहां आयोजित एक सत्र में यह बात कही।

सीआईआई और केपीएमजी द्वारा आयोजित सत्र में नायडू ने कहा कि भारत विश्वास, पैमाने एवं नवाचार के संगम पर खड़ा है। भारत अपने स्थिर लोकतांत्रिक संस्थानों के जरिये भरोसेमंद व्यवस्था, विविधता एवं आकार के जरिये मजबूती और किफायती एवं मूल्यवर्धित समाधान देकर प्रासंगिकता प्रदान करता है। संघवी ने इस बात पर जोर दिया कि दशकों तक भारत को उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन आज की सच्चाई और है। भारत अब केवल उभरता हुआ देश नहीं रहा बल्कि वह वैश्विक वृद्धि के लिए, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए, लोकतांत्रिक स्थिरता के लिए तथा नवाचार, निरंतरता एवं समावेशी विकास के भविष्य के लिए निर्णायक भूमिका निभा रहा है। नायडू ने कहा कि भारत को अब उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता। भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के लिए अनिवार्य बनता जा रहा है।

नायडू ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के इतर सत्र में कहा कि भारत की वर्तमान वृद्धि व्यापक है, डिजिटल रूप से सक्षम है, मजबूत अवसंरचना से समर्थित एवं समावेशी है। भारत के विकास मॉडल में बदलावों में से एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण रहा है। डिजिटल पहचान, वास्तविक समय (रीयल-टाइम) में भुगतान और सहमति-आधारित डेटा साझाकरण जैसे मंचों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को विशेष लाभ प्रदान किया है।

व्यापार समझौते पर ट्रंप की टिप्पणी उत्साहजनक : वैष्णव

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के साथ अच्छा व्यापार समझौता करने के बयान पर गुरुवार को कहा कि वैश्विक व्यापार मामलों में भारत की स्थिति और गहरी भागीदारी को देखते हुए यह बेहद उत्साहजनक है। ट्रंप ने कल शाम कहा था कि अमेरिका, भारत के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करने जा रहा है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को एक बेहदतरीन व्यक्ति और अपना मित्र बताया था जिनके लिए उनके मन में बेहद सम्मान है। वैष्णव ने कहा कि व्यापार मामलों में भारत की स्थिति और गहन भागीदारी को देखते हुए, यह बेहद उत्साहजनक है। वैष्णव डब्ल्यूईएफ की बैठक के लिए आए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

डाक विभाग का लक्ष्य राजस्व में 30 प्रतिशत की वृद्धि करना : सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- तिमाही समीक्षा के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा- छह में से पांच क्षेत्रों के दर्ज की गई वृद्धि

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि डाक विभाग ने चालू वित्त वर्ष में राजस्व में 30% की वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा है। डाक विभाग (डीओपी) की 2025-26 तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही समीक्षा के बाद मंत्री ने कहा कि छह में से पांच क्षेत्रों के राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई जबकि अमेरिकी प्रतिबंधों से अंतर्राष्ट्रीय डाक का राजस्व स्थिर रहा।

सिंधिया ने कहा कि 2025-26 के लिए हमारा लक्ष्य 17,546 करोड़ रुपये है, जिसका मतलब है कि हम वित्त वर्ष 2024-25 के 13,240 करोड़ रुपये से एक ही वित्त वर्ष में राजस्व में 30 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2023-2024 में यह 12,800 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 13,240 करोड़ रुपये हुआ जो केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि है। सिंधिया ने कहा कि इसलिए, 2023-2024 से 2024-25 की तुलना में वृद्धि दर मात्र तीन प्रतिशत है। इसे हम वित्त वर्ष 2025-26 में 10 गुना कर 30 प्रतिशत करने का इरादा रखते हैं।

भू-राजनीतिक तनाव घटने से सेंसेक्स 398 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

- वैश्विक बाजारों में मजबूती और ग्रीनलैंड पर राष्ट्रपति ट्रंप के नरम रुख ने बाजार को दी मजबूती
- रुपये में हल्का सुधार आने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशक धारणा को मिला समर्थन

वैश्विक बाजारों में मजबूती और ग्रीनलैंड मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के नरम रुख अपनाने से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीन सत्रों की गिरावट से उबरने में सफल रहे। सेंसेक्स 398 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 132 अंकों की तेजी रही। कारोबारियों ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये में हल्का सुधार आने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशक धारणा को समर्थन मिला।

बीएसई का सेंसेक्स 397.74 अंक बढ़कर 82,307.37 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 873.55 अंक उछला था, लेकिन ऊपरी स्तर पर बिकवाली से यह उस तेजी को कायम नहीं रख सका। वहीं, एनएसई का निफ्टी 132.40 अंक बढ़कर 25,289.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, सन फार्मास्युटिकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। दूसरी तरफ, इटर्नल, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 1.28 प्रतिशत की तेजी रही जबकि छोटी कंपनियों का स्मालकैप सूचकांक 1.13 प्रतिशत चढ़ गया। क्षेत्रवार सूचकांकों में पीएसयू बैंक में सर्वाधिक 2.43 प्रतिशत की तेजी रही जबकि पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.03 प्रतिशत, औद्योगिक खंड में 1.78 प्रतिशत और जनकेंद्रित सेवा खंड में 1.57 प्रतिशत की बढ़त रही।

एशिया और यूरोप के बाजार बढ़त के साथ हुए बंद

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार मजबूत रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,787 .66 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,520 .47 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस बीच, अंतर्राष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.10 प्रतिशत गिरकर 64 .52 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बुधवार को सेंसेक्स 270 .84 अंक टूटकर 81,909 .63 अंक और निफ्टी 75 अंक गिरकर 25,157 .50 अंक पर बंद हुआ था।

डायमंड पैटर्न : अनिश्चितता बढ़ने का एक सूचक

शेयर बाजार और तकनीकी विश्लेषण में चार्ट पैटर्न कीमतों की दिशा समझने का एक अहम साधन होते हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण लेकिन कम चर्चा में रहने वाला पैटर्न है डायमंड पैटर्न। डायमंड पैटर्न एक प्रभावशाली लेकिन अपेक्षाकृत दुर्लभ चार्ट पैटर्न होता है जो सही समझ, धैर्य और कन्फर्मेशन के साथ ट्रेंड रिवर्सल को पकड़ने में मददगार होता है। यह पैटर्न आमतौर पर तब बनता है जब बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के बाद अनिश्चितता बढ़ जाती है। कीमतें पहले फैलती हुई दिखती हैं और फिर धीरे-धीरे सिमटने लगती हैं, जिससे चार्ट पर हीरे (डायमंड) जैसी आकृति बनती है। यह पैटर्न अक्सर ट्रेंड के बदलाव का संकेत देता है, इसलिए ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए इसे पहचानना और समझना काफी जरूरी माना जाता है। सही तरीके से उपयोग करने पर यह पैटर्न अच्छे ट्रेडिंग अवसर दे सकता है।

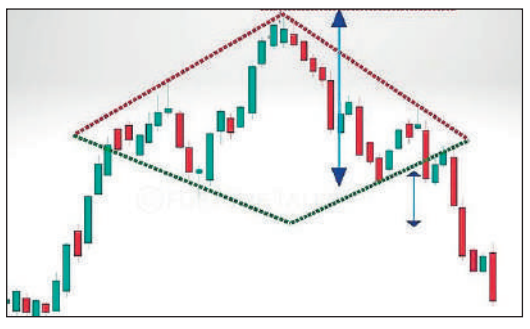

क्या है डायमंड पैटर्न

डायमंड पैटर्न एक रिवर्सल चार्ट पैटर्न है, जो मुख्य रूप से दो रूपों में पाया जाता है। पहला डायमंड टॉप और दूसरा डायमंड बॉटम होता है। डायमंड टॉप आमतौर पर तेजी (बुलिश ट्रेंड) के अंत में बनता है और गिरावट का संकेत देता है, जबकि डायमंड बॉटम मंदी (बेयरिश ट्रेंड) के बाद बनता है और तेजी की शुरुआत का संकेत देता है।

ट्रेडिंग में महत्व

डायमंड पैटर्न को सही समय पर पहचानना आसान नहीं होता, लेकिन एक बार पहचान में आ जाए तो यह मजबूत रिवर्सल सिग्नल दे सकता है। यह पैटर्न खासतौर पर स्विंग ट्रेडर्स और पोजिशनल ट्रेडर्स के लिए उपयोगी होता है, क्योंकि इसमें ट्रेंड बदलने से पहले ही संकेत मिलने लगते हैं।

सीमाएं और सावधानियां

हर पैटर्न की तरह डायमंड पैटर्न भी 100% सही नहीं होता। कई बार यह फॉल्स ब्रेकआउट दे सकता है। इसलिए इसे हमेशा अन्य तकनीकी संकेतकों जैसे वॉल्यूम, RSI या सपोर्ट-रेजिस्टेंस के साथ मिलाकर देखना चाहिए।

पैटर्न की संरचना

इस पैटर्न की खासियत इसकी अनोखी बनावट है। शुरुआत में कीमतें ऊपर-नीचे ज्यादा फैलाव के साथ चलती हैं, जिससे वाइडनिंग फॉर्मेशन बनता है। इसके बाद धीरे-धीरे उतार-चढ़ाव कम होने लगता है और कीमतें सिमटने लगती हैं, जिसे कॉन्ट्रैक्टिंग फॉर्मेशन कहते हैं। इन दोनों हिस्सों को मिलाकर देखने पर चार्ट पर हीरे जैसी आकृति बनती है, जिसे डायमंड पैटर्न कहा जाता है।

ब्रेकआउट व सिग्नल

डायमंड पैटर्न में सबसे अहम भूमिका ब्रेकआउट की होती है। डायमंड टॉप में यदि कीमत नीचे की ओर सपोर्ट लाइन तोड़ती है, तो यह बिकवाली का संकेत देता है। डायमंड बॉटम में यदि कीमत ऊपर की ओर रेजिस्टेंस लाइन तोड़ती है, तो यह खरीदारी का संकेत माना जाता है। अक्सर देखा जाता है कि ब्रेकआउट के समय वॉल्यूम बढ़ता है, जो सिग्नल की विश्वसनीयता को मजबूत करता है।

10,000 करोड़ का हिस्सा बेचेंगे वॉलमार्ट, टाइगर ग्लोबल, माइक्रोसॉफ्ट

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी फोनपे के शेयरधारक वॉलमार्ट, टाइगर ग्लोबल और माइक्रोसॉफ्ट ग्लोबल फाइनेंस कंपनी के आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में 10,115 करोड़ की हिस्सेदारी बेचेंगे। कंपनी के अद्यतन आईपीओ दस्तावेजों से यह जानकारी मिली।

कंपनी का आईपीओ बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसलिए आईपीओ के माध्यम से कंपनी कोई अतिरिक्त पूंजी नहीं जुटाएगी। फोनपे की प्रवर्तक डब्ल्यूएम डिजिटल कॉमर्स होल्डिंग्स पीटीई कंपनी में 0.12% हिस्सेदारी यानी 45,942,496 शेयर बेचेगी। वॉलमार्ट के नियंत्रण वाली फोनपे की प्रवर्तक इकाई है। टाइगर पीआईपी 9-1 द्वारा 10,39,160 शेयर जबकि माइक्रोसॉफ्ट द्वारा 36,78,790 शेयर बिक्री पेशकश के जरिये बेचे जाएंगे। बिक्री के जरिये 10,115.87 करोड़ के शेयर की बिक्री होगी।

रोजगार-सृजन, निर्यात समर्थन को प्राथमिकता देने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक व्यापार तनाव का फिक्की ने किया सर्वे
- उद्योग प्रतिनिधियों को जीडीपी 7 से 8% रहने की उम्मीद

वैश्विक व्यापार तनावों में बढ़ोतरी के बीच आगामी बजट में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और निर्यात को मजबूत समर्थन दिए जाने की जरूरत है। फिक्की के एक सर्वेक्षण में यह बात कही गई है। उद्योग मंडल फिक्की की तरफ से गुरुवार को जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकांश उद्योग प्रतिनिधियों ने भारत की आर्थिक वृद्धि संभावनाओं को लेकर भरोसा जताया है। सर्वे में शामिल आधे उद्योग प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि 2026-27 में जीडीपी की वृद्धि दर 7 से 8% के दायरे में बनी रहेगी।

80% प्रतिभागियों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मध्यम अवधि के आर्थिक बुनियादी पहलुओं पर विश्वास जताया है। यह सर्वे दिसंबर 2025 के अंत से जनवरी 2026 के मध्य किया गया था, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की 100 कंपनियों ने भाग लिया। फिक्की ने कहा कि बढ़ते वैश्विक व्यापार तनाव, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं के कारण उद्योग जगत को बजट से निर्यात समर्थन की स्पष्ट अपेक्षा है। निर्यात प्रदर्शन को मजबूत करने और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में बेहतर एकीकरण के लिए प्रतिभागियों ने व्यापार सुविधा और सीमा-शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने, लॉजिस्टिक एवं बंदरगाह संबंधी अड़चनों को कम करने और निर्यात प्रोत्साहन एवं रिफंड व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया।

गैर-शुल्क बाधाओं के तौर पर यूरोपीय संघ के सीबीएएम और वन-कटौती नियमों का उल्लेख किया गया है। सीबीएएम व्यवस्था के तहत इस्पात, एल्युमीनियम और सीमेंट जैसे उत्पादों के उत्पादन में होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर शुल्क लगाया जाता है। उद्योग प्रतिनिधियों ने निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए आरओडीटीईपी योजना के तहत आवंटन बढ़ाने, विशेष आर्थिक क्षेत्र नीति में सुधार और सीमा-शुल्क करों को युक्तिसंगत बनाए जाने की भी मांग की।

प्रौद्योगिकी भविष्य की सफलता के भरोसे पर टिकी : नैसकॉम

नई दिल्ली, एजेंसी

- डिजिटल समस्याओं से निपटने के लिए एआई के लिए संतुलित दृष्टिकोण को अपना रहा भारत

नैसकॉम के सार्वजनिक नीति उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने कहा कि भारत अपनी बड़ी एवं विविध आबादी को देखते हुए डीपफेक, डिजिटल धोखाधड़ी और उपयोगकर्ताओं को पेश होने वाली समस्याओं से निपटने को कृत्रिम मेधा (एआई) के कामकाज को लेकर संतुलित एवं चरणबद्ध दृष्टिकोण अपना रहा है। प्रौद्योगिकी उद्योग की भविष्य की सफलता की नींव, भरोसे पर ही टिकी होगी।

प्रौद्योगिकी को सशक्त माध्यम बताते हुए अग्रवाल ने कहा कि एआई का उपयोग इसके कारण उत्पन्न होने वाली कई तरह की समस्याओं को कम करने और रोकने के लिए भी किया जा सकता है। उपयोगकर्ताओं को नुकसान के बाद प्रतिक्रिया देने वाले विनियमन के बजाय अब प्रौद्योगिकी-आधारित सुरक्षा सीमाएं (टेक्नोलॉजी-लेड गार्डरेल्स) तय करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें बहुत सावधानी बरतनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे। चाहे वह डीपफेक हों या अन्य समस्याएं जो लगातार तेजी से बढ़ रही हैं, खासतौर पर वित्तीय धोखाधड़ी एवं डिजिटल गिरफ्तारी जैसे मामले... । इसलिए इन सभी मुद्दों का प्रभावी ढंग से समाधान करना बेहद जरूरी है।

अग्रवाल ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रस्तावित एआई ढांचे एवं भारतीय रिजर्व बैंक के एआई अपनाने को बढ़ावा देने के समग्र दृष्टिकोण संबंधी रिपोर्ट सहित हालिया घटनाक्रमों का उल्लेख किया और एआई के कामकाज को लेकर सरकार के समग्र सरकारी दृष्टिकोण (होल-ऑफ-गवर्नमेंट अप्रोच) की सराहना की।

बजट से उम्मीद स्वास्थ्य उद्योग के अनुसार, विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए उन्नत अनुसंधान जरूरी, 2047 तक 500 अरब डॉलर की महत्वाकांक्षा

औषधि, चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नवाचार के लिए वित्तपोषण जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

स्वास्थ्य उद्योग ने आगामी बजट में देश में नवाचार और शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए व्यवस्थित वित्तपोषण ढांचे की मांग की है। उद्योग का मानना है कि विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए इन क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान जरूरी है।

डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी ने कहा कि फार्मा उद्योग अब मात्रा के बजाय गुणवत्ता एवं मूल्य-आधारित वृद्धि की तरफ बढ़ रहा है। यह क्षेत्र 2047 तक 500 अरब डॉलर का उद्योग बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। ऐसे में बजट 2026 से मुख्य उम्मीद नवाचार और आरएंडडी को मजबूत करने को व्यवस्थित वित्तपोषण ढांचा तैयार करने की है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रमुख निकाय मेडिकल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमताई) ने कहा कि ऐसे समय में जब गैर-संक्रामक बीमारियां, कैंसर, ट्रॉमा और गहन चिकित्सा की जरूरतें भारत में बीमारियों के बोझ का बड़ा हिस्सा हैं, यह बजट सरकार के लिए

सार्वजनिक स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे, रोकथाम और टेक्नोलॉजी-आधारित देखभाल में और अधिक निवेश करने का एक अहम मौका है। एमताई के चेयरमैन पवन चौधरी ने कहा कि इस बजट में इन जरूरी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य हर भारतीय के लिए सुलभ और सस्ता हो सके।

वहीं, पॉली मेडिक्योर के प्रबंध निदेशक हिमांशु बैद ने कहा कि चिकित्सा-प्रौद्योगिकी (मेडटेक) क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने को लागत कम करने और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियों की जरूरत है। कर ढांचे में सुधार के साथ इस क्षेत्र को अनुसंधान और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश की जरूरत है। बजट में 1,000 करोड़ का मेडटेक रिसर्च फंड बनाने से स्वदेशी उत्पादों के विकास और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी तैयार उत्पादों पर 5% और कच्चे माल पर 18% जीएसटी से उल्टा शुल्क ढांचा बन गया है।

आवास ऋण पर ब्याज छूट बढ़ाकर पांच लाख करे सरकार : नारेडको

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनियों के निकाय नारेडको ने गुरुवार को आगामी बजट में आवास ऋण पर ब्याज कटौती की सीमा को मौजूदा दो लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने और रियल एस्टेट क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने की मांग रखी। नेशनल रियल एस्टेट डवेलपमेंट काउंसिल (नारेडको) ने किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव की मांग करते हुए कहा कि अब 90 लाख तक की कीमत वाले घरों को किफायती आवास माना जाना चाहिए, जिसकी मौजूदा सीमा 45 लाख है। बजट से पहले नारेडको ने यह मांग रखी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को बजट पेश करेंगी। नारेडको के चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि केंद्र सरकार ने रियल एस्टेट क्षेत्र को समर्थन देने के लिए कई उपाय किए हैं, लेकिन किफायती आवास क्षेत्र के लिए और अधिक काम करने की आवश्यकता है। हमें सभी के लिए आवास सुनिश्चित करना होगा। आवास को अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के समान महत्व मिलना चाहिए। हीरानंदानी ने सुझाव दिया कि सरकार को किफायती और मध्यम आय वर्ग के आवासों के लिए खाली पड़ी जमीन का उपयोग करना चाहिए।

नैसकॉम ने की क्लाउड कर में स्पष्टता ईएसओपी कर स्थगन की मांग

नई दिल्ली। उद्योग जगत की संस्था नैसकॉम को बजट में कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) के तहत कर स्थगन का लाभ अधिक स्टार्टअप को देने और भारतीय डेटा केंद्रों के विदेशी क्लाउड उपयोग की कर संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए उचित स्पष्टीकरण लाने की उम्मीद है। इस संगठन में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियां सहित प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विभिन्न दिग्गज शामिल हैं। साथ ही, उसने विलय या समामेलन की स्थिति में संचित घाटे एवं अप्रयुक्त अवमूल्यन के कैरी-फॉरवर्ड और समायोजन (सेट-ऑफ) से जुड़े लाभों को सभी कंपनियों तक उनके व्यवसाय की प्रकृति की परवाह किए बिना विस्तारित करने का भी प्रस्ताव रखा है। अन्य सुझावों में विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) पुनर्निवेश आरक्षित कोष के पात्र उपयोग के दायरे का विस्तार करना भी शामिल है ताकि इसमें पट्टे पर ली गई प्रौद्योगिकी परिसंपत्तियां, क्लाउड अवसंरचना, सॉफ्टवेयर सब्सक्रिप्शन, इंटीरियर, सुविधाएं एवं अधिकृत एसईजेड परिचालनों से जुड़े नए कर्मचारियों की भर्ती तथा प्रशिक्षण पर होने वाला व्यय भी शामिल किया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

फ्रांस की नौसना ने रूस से आ रहे तेल टैंकर को भूमध्य सागर में रोका

पेरिस। फ्रांस की नौसेना ने ब्रिटेन से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर बृहस्पतिवार को भूमध्य सागर में रूस से आ रहे एक तेल टैंकर को रोक लिया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई प्रतिबंधित रूसी गुप्त बेड़े को निशाना बनाने के उद्देश्य से की गई। भूमध्य सागर में तैनात फ्रांसीसी अधिकारियों ने कहा कि ग्रिंच नामक जहाज पर फर्जी झंडा लगाकर संचालन करने का संदेह है। बयान में कहा गया है कि फ्रांसीसी नौसेना आगे की जांच के लिए टैंकर को बंदरगाह तक ले जा रही है।

बांग्लादेश: पहले आम चुनाव के लिए शुरू हुआ प्रचार, रैलियां हुईं

ढाका। बांग्लादेश में 2024 के जन आंदोलन और लंबे समय से प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद 12 फरवरी को होने जा रहे पहले राष्ट्रीय चुनाव के लिए बृहस्पतिवार से प्रचार अभियान शुरू हो गया। प्रमुख राजनीतिक दलों ने चुनाव से पहले राजधानी ढाका समेत कई शहरों में रैलियां आयोजित कीं। बांग्लादेश के इतिहास में सबसे अहम माना जा रहा यह चुनाव अंतरिम सरकार करा रही है और इसमें मतदाता प्रस्तावित राजनीतिक सुधारों पर भी फैसला करेंगे।

नेपाल में हिंसा की जांच कर रहे आयोग का कार्यकाल बढ़ा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने बृहस्पतिवार को उस आयोग का कार्यकाल 20 दिन के लिए बढ़ा दिया जो जेन जी आंदोलन के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग की जांच कर रहा है। गृह मंत्री एवं सरकारी प्रवक्ता ओम प्रकाश आर्यल ने बताया कि मंत्रिपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। गृह मंत्रालय के अनुरोध पर दूसरी बार आयोग के कार्यकाल की समय सीमा बढ़ाई गई है, क्योंकि आयोग ने शुरू में दी गई तीन महीने की समय सीमा के बावजूद अंतिम रिपोर्ट अभी नहीं सौंपी है। आयोग का पिछला कार्यकाल बृहस्पतिवार को समाप्त हो रहा है।

भारत-अमेरिका मादक पदार्थरोधी सहयोग की क्वात्रा ने समीक्षा की

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में मादक पदार्थों के खिलाफ द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान दोनों पक्षों ने मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए प्रभावी प्रवर्तन और मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय दूतावास इस मौके पर क्वात्रा के साथ अमेरिका के राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण नीति कार्यालय की निदेशक सारा कार्टर भी मौजूद थीं।

तकनीकी खामी से दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र बंद

टोक्यो, एजेंसी

- फुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद कुछ ही घंटे पहले हुआ था शुरू

दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र को बृहस्पतिवार को फिर से बंद कर दिया गया। यह कदम 2011 के फुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद पहली बार संचालन फिर शुरू होने के महज कुछ घंटों बाद उठाया गया। उत्तर-मध्य जापान में स्थित काशिवाजाकी-कारिवा परमाणु संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर को कंट्रोल रॉड्स में तकनीकी खामी के कारण बंद करना पड़ा।

इसके संचालक टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स के अनुसार, कंट्रोल रॉड्स रिएक्टर को सुरक्षित रूप से शुरू करने और बंद करने के लिए बेहद अहम होते हैं। तेप्को ने कहा कि इस तकनीकी खराबी से कोई सुरक्षा समस्या नहीं है और कंपनी स्थिति की जांच कर रही है। फिलहाल यह पता नहीं है कि रिएक्टर को फिर से चालू करने की प्रक्रिया कब से शुरू होगी। काशीवाजाकी-कारिवा में परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर के काम दोबारा शुरू करने पर सबकी नजरें थीं क्योंकि तेप्को वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी देखती है। काशीवाजाकी-कारिवा परमाणु संयंत्र के सभी सात रिएक्टर मार्च 2011 में फुकुशिमा दाइची संयंत्र में भीषण भूकंप और सुनामी आने के एक साल बाद से बंद पड़े हैं।

भारत के लिए नई चुनौतियों का वर्ष

डोनाल्ड ट्रंप का एक साल

अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के पहले ही साल में डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। इस कार्यकाल में टैरिफ को तमाम देशों के खिलाफ अपना प्रमुख रणनीतिक हथियार बनाने के साथ उन पर अपनी शर्तें थोपने की कोशिश की है, जिससे लगभग पूरी दुनिया जूझ रही है। भारत के लिहाज से भी ट्रंप के फैसले और अमेरिका फर्स्ट की नीति नई चुनौतियां खड़ी करने वाली रही है और भारत को उनसे पार पाने के लिए अपनी आर्थिक और रणनीतिक नीतियों में कई बदलाव करने पड़े हैं। भारत के लिए राहत की बात बस इतनी है कि रणनीतिक सहयोग में निरंतरता जारी है। निष्कर्ष की बात करें तो भारत और अमेरिका के संबंध अब लेनदेन आधारित और यथार्थवादी हो गए हैं। ट्रंप ने दिखाया है कि ये संबंध अब भावनात्मक मित्रता के बजाय व्यावहारिकता पर आधारित रहेंगे।

भारत पर 50% टैरिफ का असर

- भारत के प्रमुख निर्यात क्षेत्र कपड़ा, रत्न-आभूषण, चमड़ा और समुद्री उत्पादों जैसे श्रमकेंद्रित क्षेत्रों पर बेतहाशा मार पड़ी है, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो गई है।
- विकास दर में गिरावट, अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि उच्च टैरिफ के कारण भारत की जीडीपी विकास दर में 0.3% से 0.5% तक की गिरावट आ सकती है।
- उत्पादन में कटौती, तिरुपुर जैसे कपड़ा केंद्रों में उत्पादन में 30% तक की कमी दर्ज की गई है, क्योंकि अमेरिकी खरीदार अब सस्ते विकल्प तलाश कर रहे हैं।
- शेयर बाजार में अस्थिरता, टैरिफ नीतियों के कारण विप्रो, रिलायंस और प्रमुख बैंकों के शेयरों में गिरावट देखी गई है, जिससे निवेशकों का भरोसा डगमगाया है।

वीजा-आव्रजन नीतियों के नतीजे

- एच- 1 बी वीजा के लिए 100,000 डॉलर यानी करीब 84 लाख रुपये का एकमुश्त शुल्क प्रस्तावित, अमेरिकी कंपनियों भारतीयों को नौकरी मिलना मुश्किल।
- सितंबर 2025 में ट्रंप प्रशासन के एक आदेश के तहत 100,000 डॉलर का अतिरिक्त भुगतान न करने वाले नए एच- 1 बी आवेदकों के प्रवेश पर कड़े प्रतिबंध लागू।
- वीजा सख्ती और भविष्य में नौकरी की अनिश्चितता के कारण अमेरिकी विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों के दाखिले में लगभग 75 प्रतिशत की गिरावट आई है।
- वर्ष 2025 में अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों के निर्वासन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई, जिसमें नवंबर तक लगभग 3,250 भारतीयों को वापस भेजा गया।

- ट्रंप ने डेड इकोनॉमी व टफ नेगोशिएटर कहकर भारत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की हैं

पाकिस्तान से नजदीकियां

- ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान को 686 मिलियन डॉलर की एफ-16 डील दी है जिससे दक्षिण एशिया में सैन्य संतुलन प्रभावित होने की आशंका है।
- ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाकर भारतीय वस्तुओं पर 50% टैरिफ लागू कर दिया, लेकिन पाकिस्तानी सामान पर टैरिफ घटाकर 19% कर दिया गया।
- पाकिस्तान को ऑपरेशनल पार्टनर बनाने और गाजा शांति योजना में शामिल करने से अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी में दरार आई है।

भारत के उपाय

- बाजार विविधीकरण की नीति के तहत भारतीय निर्यातकों ने अन्य वैश्विक बाजारों की ओर रुख करना शुरू कर दिया है।
- अमेरिका के बदले रुख के जवाब में भारत ने चीन और रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने की पहल।
- जीएसटी को सरल बनाकर और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाकर उद्योगों को टैरिफ के झटकों से बचाने का प्रयास।

ट्रंप की गाजा पर बोर्ड ऑफ पीस की पहल में शामिल नहीं हुआ भारत

अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को भेजा गया था आमंत्रण

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में स्थाई शांति स्थापित करने और संभवतः वैश्विक संघर्षों का समाधान करने की दिशा में काम करने के लिए प्रस्तावित बोर्ड ऑफ पीस का बृहस्पतिवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में औपचारिक रूप से अनावरण किया। भारत इस मौके पर अनुपस्थित रहा। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई और वैश्विक नेताओं के साथ बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

भारत के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन, चीन, जर्मनी और कई और प्रमुख देश भी न्योते के बावजूद शांति बोर्ड के अनावरण समारोह में नहीं पहुंचे। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस स्थित पहाड़ी रिसॉर्ट में आयोजित वार्षिक विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) से अलग इस समारोह की मेजबानी की। ट्रंप ने अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए इस बोर्ड को दुनिया के लिए एक बेहद अनोखी पहल बताया। उन्होंने बोर्ड के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में कहा, यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर न सिर्फ पश्चिम एशिया बल्कि अन्य जगहों पर भी युद्धों को सुलझाने में मदद कर सकता है।' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ किस प्रकार सहयोग करेगा।

दावोस में डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस का अनावरण किया।

बोर्ड में शामिल होने पर अभी कोई फैसला भी नहीं

घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों का प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप के निमंत्रण के बारे में कहना है कि भारत ने अब तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने बताया कि भारत इसके विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रहा है क्योंकि इसमें कई संवेदनशील मुद्दे शामिल हैं। भारत फिलिस्तीन मुद्दे के लिए 'दोराष्ट्र समाधान' पर जोर दे रहा है, जिसमें इजराइल और फिलिस्तीन मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति के साथ रहें।

- **ये देश शामिल :** बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने वाले देशों में अर्जेंटीना, अर्मेनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, कजाकिस्तान, मोरक्को, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई), सऊदी अरब और वियतनाम शामिल हैं।
- **नहीं दिया जवाब :** जर्मनी, इटली, पैराग्वे, रूस, स्लोवेनिया, तुर्किये और यूक्रेन सहित कई देशों ने निमंत्रण के बावजूद अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है।

अमेरिका पहले ही घोषणा कर चुका है कि शांति बोर्ड गाजा के संघर्ष से शांति और विकास की ओर संक्रमण के दौरान रणनीतिक निगरानी प्रदान करने, अंतरराष्ट्रीय संसाधनों को जुटाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की ट्रंप की 20 सूत्री योजना को पूरा करने में एक आवश्यक भूमिका निभाएगा। ट्रंप की योजना में गाजा को एक आतंकवादमुक्त क्षेत्र बनाना शामिल है जो पड़ोसियों के लिए कोई खतरा पैदा न करे और इसे गाजा पट्टी के लोगों के लिए पुनर्विसित किया जाए। व्हाइट हाउस ने पिछले सप्ताह शांति बोर्ड को साकार करने के लिए संस्थापक कार्यकारी बोर्ड के गठन की घोषणा की। कार्यकारी समिति में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, पश्चिम एशिया मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, व्यवसायी और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा को शामिल किया गया है।

अटकलें: संयुक्त राष्ट्र के समानांतर संगठन खड़ा करने की कोशिश तो नहीं

ट्रंप के शांति बोर्ड को अमेरिका की ओर से गाजा और उसके बाहर शांति और स्थिरता लाने के लिए एक नए अंतरराष्ट्रीय निकाय के रूप में पेश किया जा रहा है। इस पहल से अटकलें लगाई जा रही हैं कि शांति बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के प्रतिद्वंद्वी निकाय के तौर पर उभर सकता है। मूल रूप से इस शांति बोर्ड को गाजा के पुनर्निर्माण के लिए शासन की देखरेख करने और धन के समन्वय का कार्य सौंपा जाना था, जो इजराइल की सेना की दो वर्ष तक चली कार्रवाई के दौरान तबाह हो गया है। बोर्ड के घोषणापत्र में भी कहा गया है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो संघर्ष से प्रभावित या खतरे में पड़े क्षेत्रों में स्थिरता को बढ़ावा देने, विश्वसनीय और वैध शासन को बहाल करने और स्थाई शांति का प्रयास करेगा। यह भी कहा गया है कि स्थाई शांति के लिए व्यावहारिक निर्णय, सामान्य ज्ञान पर आधारित समाधान और उन दृष्टिकोणों और संस्थानों से अलग होने का साहस आवश्यक है जो अक्सर विफल रहे हैं।

बोर्ड ऑफ पीस को एक अरब डॉलर देंगे पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीस ऑफ बोर्ड एक अरब अमेरिकी डॉलर दान करने की घोषणा करते हुए कहा है कि बोर्ड में शामिल होने के बारे में फैसला वह अपने रणनीतिक साझेदारों से परामर्श के बाद ही लेंगे। पुतिन ने जोर दिया कि पूरी प्रक्रिया फिलिस्तीन-इजराइली संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली होने के साथ संयुक्त राष्ट्र के निर्णयों के आधार पर होनी चाहिए।

संप्रभुता पर समझौता नहीं : डेनमार्क

कोपनहेगन, एजेंसी

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा है कि उनका देश अपनी संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं कर सकता। यह टिप्पणी फ्रेडरिक्सन ने तब की जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने नाटो प्रमुख मार्क रूट के साथ आर्कटिक सुरक्षा पर भविष्य के समझौते का ढांचा तय करने पर सहमति व्यक्त की है और इससे अमेरिका को जरूरत के मुताबिक ग्रीनलैंड तक सैन्य पहुंच मिल जाएगी।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का दबाव बनाने के लिए आठ यूरोपीय देशों पर शुल्क लगाने की धमकी को बुधवार को वापस ले लिया। ग्रीनलैंड नाटो सहयोगी डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। इससे कुछ समय पहले ट्रंप ने कहा था कि वह द्वीप को पूरे अधिकार, स्वामित्व और कब्जे सहित प्राप्त करना चाहते हैं। संभावित करार को लेकर बृहस्पतिवार को भी स्थिति बहुत अस्पष्ट रही। हालांकि ट्रंप ने

- प्रधानमंत्री मेटा फ्रेडरिक्शन ने ट्रंप को फिर दिया दो टूक जवाब
- ट्रंप ने किया था नाटो प्रमुख के साथ समझौते का दावा

फॉक्स बिजनेस को दिए साक्षात्कार में कहा कि हमें ग्रीनलैंड तक वह सारी सैन्य पहुंच मिलेगी जो हम चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि यदि समझौता पूरा हो जाता है, तो अमेरिका को ग्रीनलैंड में अपनी मिसाइल रक्षा प्रणाली गोल्डन डोम को स्थापित करने की अनुमति मिल जाएगी।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्कटिक में सुरक्षा नाटो के सभी सदस्यों का मामला है और अमेरिकी राष्ट्रपति और रुट के बीच इस पर चर्चा होना स्वाभाविक और उचित है। फ्रेडरिक्सन ने एक बयान में कहा कि उन्होंने रुट से लगातार बातचीत की है, जिसमें दावोस में ट्रंप से मुलाकात से पहले और बाद की बातचीत भी शामिल है। उन्होंने लिखा कि नाटो डेनमार्क साम्राज्य की इस स्थिति से पूरी तरह अवगत है कि सुरक्षा, निवेश और आर्थिक मुद्दों सहित किसी भी राजनीतिक मुद्दे पर बातचीत की जा सकती है लेकिन हम अपनी संप्रभुता पर बातचीत नहीं कर सकते।

सिर्फ डेनमार्क और ग्रीनलैंड लेंगे फैसला

नाटो प्रमुख मार्क रुट के साथ ट्रंप की वार्ता पर टिप्पणी करते हुए डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने कहा कि डेनमार्क और ग्रीनलैंड से संबंधित मुद्दों पर निर्णय केवल डेनमार्क और ग्रीनलैंड ही ले सकते हैं। फ्रेडरिक्सन ने कहा कि डेनमार्क आर्कटिक में सुरक्षा को मजबूत करने के तरीकों पर सहयोगियों के साथ रचनात्मक संवाद जारी रखना चाहता है, जिसमें अमेरिकी गोल्डन डोम कार्यक्रम भी शामिल है, बशर्ते कि यह हमारी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए किया जाए। डेनमार्क ने कहा है कि अमेरिका की पहले ही ग्रीनलैंड में सैन्य उपस्थिति है और वह अपने सैन्य अड्डों का विस्तार कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में फिर अंधाधुंध गोलीबारी, तीन की मौत के बाद पूरे शहर में लॉकडाउन

सिडनी, एजेंसी

- हमलावर फरार, पुलिस ने लोगों को दी घरों में रहने की हिदायत

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य में गुरुवार शाम अंधाधुंध गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सिडनी से लगभग 611 किमी पश्चिम में स्थित कस्बे लेक कारजेलिगो में हुई इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। हमलावर का पता न लगने के कारण सुरक्षा कारणों से कस्बे में 'लॉकडाउन' जैसी स्थिति है। लोगों को सख्ती से घरों के भीतर रहने की हिदायत दी गई है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस के अनुसार घटना दोपहर शुरू हुई, जब वाकर स्ट्रीट के पास गोलियां चलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को एक वाहन के भीतर एक पुरुष और महिला के शव मिले। इसके कुछ ही देर बाद, एक अन्य स्थान पर हुई दूसरी गोलीबारी में एक और महिला की मौत हो गई, एक पुरुष गंभीर घायल पाया गया। घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने हमलावर की पहचान कर ली है और उसे पकड़ने के लिए सिडनी से विशेष 'टैक्टिकल ऑपरेशंस यूनिट' के कमांडो विमान से मौके पर भेजे गए

अल्बनीज ने बोंडी बीच हमले पर माफी मांगी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने बोंडी बीच पर दिसंबर में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों की सुरक्षा नहीं कर पाने के लिए माफी मांगी है। अल्बनीज ने हमले के 15 पीड़ितों के लिए सिडनी ओपेरा हाउस में एक स्मारक सेवा को संबोधित करते हुए 14 दिसंबर को प्रतिष्ठित बीच पर हनुक्का कार्यक्रम को निशाना बनाकर की गई सामूहिक गोलीबारी के जवाब में यहूदी ऑस्ट्रेलियाई समुदाय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मुझे दुख है कि हम आपके प्रियजनों को नहीं बचा सके।

सिंगापुर में ट्री लेडी के नाम से मशहूर कीर्तिदा का निधन

सिंगापुर। कर्नाटक से आकर सिंगापुर में पर्यावरण के क्षेत्र में जाना पहचाना नाम बनी कीर्तिदा मेकानी का 66 वर्ष की उम्र में हृदयाघात से निधन हो गया। प्यार से 'ट्री लेडी' कहलाने वाली कीर्तिदा मेकानी के अचानक निधन से सिंगापुर के पर्यावरण, कला और नागरिक समुदायों को झटका लगा है।

सिंगापुर के ऑनलाइन टैब्लॉइड 'टब्ला' के अनुसार, पर्यावरण की दिशा में कार्य करने के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित और 2024 में 'सिंगापुर विमेंस हॉल ऑफ फ़ेम' में शामिल कीर्तिदा मेकानी की विरासत

इस द्वीप के हरित क्षेत्रों, उद्यानों, शैक्षिक संस्थानों और सांस्कृतिक स्थलों में बसी हुई है। जब वह 1990 में अपने पति भरत मेकानी के साथ सिंगापुर आईं, तो उन्हें चांगी हवाई अड्डे से शहर तक के रास्ते में सड़क किनारे की हरियाली ने प्रभावित किया। मेकानी 1993 में 'सिंगापुर एनवायरनमेंट काउंसिल' की संस्थापक कार्यकारी निदेशक बनीं।

भारत ने यूएन में की अफ्रीका-एशिया प्रशांत की पैरवी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समयबद्ध सुधारों को लागू करने में हो रही देरी के प्रति आगाह करते हुए सुझाव दिया है कि अफ्रीका एवं एशिया प्रशांत को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के लिए स्थाई तथा अस्थाई सीटों की संख्या बढ़ाकर 15 से 25 की जानी चाहिए । संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने बुधवार को जी-4 (भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान) की ओर से बयान देते हुए कहा कि सुरक्षा परिषद में उन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना चाहिए जिनका प्रतिनिधित्व नहीं है या बहुत कम है।

- पर्याप्त प्रतिनिधित्व के लिए सुरक्षा परिषद में 15 से बढ़ाकर 25 सदस्य करने की मांग

हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद में छह नए स्थाई सदस्य होने चाहिए, दो अफ्रीकी क्षेत्र, दो एशिया प्रशांत, एक लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों के समूह (ग्रुलैक) और एक पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह (विओग) से। साथ ही चार या पांच अतिरिक्त अस्थाई सदस्य होने चाहिए, एक या दो अफ्रीका, एक एशिया प्रशांत, और एक-एक ग्रुलैक और पूर्वी यूरोपीय समूह (ईईजी) से। गौरतलब है कि ग्रुलैक 33 मध्य अमेरिकी और कैरिबियाई देशों का एक क्षेत्रीय समूह है, जो मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के भीतर मानवाधिकार, पर्यावरण और सतत विकास जैसे वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति और संवाद के लिए काम करता है। विओग 28 पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों का समूह है। इस समूह में अधिकांश पश्चिमी यूरोप के देश हैं, लेकिन उत्तरी अमेरिका, पूर्वी भूमध्यसागर और ओशिनिया के देश भी शामिल हैं।

अभूतपूर्व दौर से गुजर रही है पूरी दुनिया

भारतीय राजदूत कहा कि दुनिया अभूतपूर्व दौर से गुजर रही है। लगभग हर दिन अलग-अलग तरह की चुनौतियां उभर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र जैसी सार्वभौमिक बहुपक्षीय संगठन भी इसका अपवाद नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि संगठन की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। दुनिया भर में भीषण संघर्षों को सार्थक रूप से संबोधित करने में संयुक्त राष्ट्र की सीमाएं इस स्थिति का एक प्रमुख कारण हैं, हालांकि यह बहुत व्यापक शक्ति समीकरणों का हिस्सा है। हरीश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने के मामले में संयुक्त राष्ट्र की कमियां स्वाभाविक रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रभावशीलता की कमी से जुड़ी हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 24 जनवरी 01.46 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

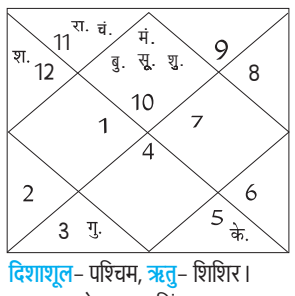

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पूर्व भाद्रपद 14.33 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज मन किसी पुरानी बुरी घटना को लेकर अशांत हो सकता है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। ऑनलाइन कारोबार में नुकसान हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अपमानित होना पड़ सकता है।

वृष — आज सिनेमा में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। बच्चों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आप सभी काम बेहतरीन तरीके से कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन — आज नौकरीपेशा लोग अतिरिक्त आय के लिए कुछ नए स्रोत खोज सकते हैं। आप कुछ नया और रचनात्मक कार्य करने को प्रेरित होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों को आज पार्टी दे सकते हैं। प्रेमीजन के साथ एकांत में समय बिता सकते हैं।

कर्क — आज उच्च अधिकारी आपकी पदोन्नति की घोषणा कर सकते हैं। धीमे चल रहे निर्माण कार्यों में गति आएगी। जॉब में आपके काम की प्रशंसा होगी। यदि किसी मीटिंग के लिए जा रहे हैं, तो परिणाम आपके पक्ष में हो सकते हैं।

सिंह — आज आपको नया काम भी शुरू करने से बचना चाहिए। आपको मेहनत का उचित परिणाम नहीं मिलेगा। कार्यक्षेत्र में लोग आपका उपहास करने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपको इन सब पर ध्यान न देते हुए केवल काम पर ध्यान देना है।

कन्या — आज का दिन उच्च पदस्थ लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर अत्यंत एकाग्र रहेंगे। कारोबारी यात्रा करनी पड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ किसी नई परियोजना को लेकर चर्चा कर सकते हैं।

तुला — आज आप आराम करना पसंद करेंगे। मन में किसी अप्रिय खबर की आशंका रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति आपको सावधान रहना चाहिए। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ मीठी नोक-झोंक हो सकती है। पेटदर्द की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपकी व्यस्तता बढ़ने वाली है। दूसरों पर अपने काम को लेकर अधिक निर्भर न रहें। इसके बावजूद आप दूसरों की सहायता को तत्पर रहेंगे, लेकिन अपनी क्षमता से अधिक किसी की सहायता न करें।

धनु — आज का दिन कुछ अजीबोगरीब रहने वाला है। राजनीति और परनिंदा आदि से दूर रहें। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। आपके विरोधी मित्रता दिखाने का प्रयास करेंगे, किंतु कोई अपना व्यक्ति छल-कपट का व्यवहार करने का प्रयास करेगा।

मकर — आज नकारात्मक विचारों को अपने ऊपर हावी न होने दें। अनुभवी व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। आप जितनी मेहनत करेंगे उतना ही आपको अच्छा परिणाम मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपसे अत्यंत प्रभावित रहेंगे।

कुंभ — आज साझेदारी से जुड़े हुए कार्यों में उत्तम सफलता मिलेगी, लेकिन आपको पारदर्शिता अवश्य रखनी पड़ेगी। जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। घर में कुछ पार्टी जैसा माहौल रहेगा। लोग आपको अत्यधिक सम्मान देंगे।

मीन — आज व्यापारिक संबंधों का अच्छा लाभ उठाएंगे। आय के स्रोत काफी अच्छे रहेंगे। धार्मिक कार्यों में आपका मन लगा रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को किसी बड़े प्रोग्राम में जुड़ने का अवसर मिलेगा।

सुडोकू-40

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

							2	
4		3		6	1		8	
5		7	8	2				9
		9			5		1	
	5		3		8		7	
	8		4			5		
8				5	2	1		3
	6		7	3		4		8
	3							

सुडोकू - 39 का हल

5	3	2	4	8	6	1	7	9
7	8	9	1	2	5	3	4	6
6	1	4	9	3	7	8	5	2
8	9	3	6	4	2	5	1	7
4	6	5	7	1	8	9	2	3
1	2	7	3	5	9	4	6	8
9	5	8	2	6	4	7	3	1
2	7	1	5	9	3	6	8	4
3	4	6	8	7	1	2	9	5

विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो भारत भी कमाल करेगा। वह दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं। उनका आत्मविश्वास का स्तर शिखर पर है।
-रवि शास्त्री

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार ,23 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

स्थिति सामान्य होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने इस प्रचलित धारणा को खारिज कर दिया है कि टीम चयन में उनके पास असीमित अधिकार हैं और कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा उनकी भूमिका को प्रधानमंत्री के बाद सबसे मुश्किल काम बताने के बाद खुद को अपने ही लोगों के खिलाफ खड़ा किए जाने पर उन्होंने हैरानी जताई है। क्रिकेट के शौकीन थरूर ने नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच से पहले गंभीर के साथ एक सेल्फी साझा की और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज की लगातार आलोचनाओं के बावजूद अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उनकी प्रशंसा व्यक्त की। गंभीर ने कहा जब मामला शांत हो जाएगा तब कोच के कथित 'असीमित अधिकार' को लेकर सच्चाई स्पष्ट हो जाएंगे।

डी गुकेश ने वान गुयेन को हराया

विक आन जी (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने लगातार चार ड्रॉ मुकाबलों के बाद टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन को हराकर पहली जीत दर्ज की जबकि अर्जुन एरिगैसी को स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के हाथों चौंकाने वाली हार झेलनी पड़ी। एरिगैसी ने इस हार के कारण अपनी संयुक्त बढ़त गंवा दी।

सचिन तेंदुलकर ने साइना की तारीफ की

नई दिल्ली। महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने पूर्व विश्व नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की तारीफ करते हुए कहा कि आपका करियर इस बात का प्रमाण है कि महानता समय के साथ बनती है और उसकी विरासत केवल पदकों तक सीमित नहीं है। साइना ने पिछले दो साल से घुटने की चोट से परेशान रहने के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन से संन्यास की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि उनका शरीर अब उच्च स्तरीय खेल की जरूरतों को सहन नहीं कर सकता।

फिनिशर की भूमिका में खरे उतरे टीम से अंदर-बाहर होने वाले रिंकू

रायपुर, एजेंसी

रिंकू सिंह को भले ही भारतीय टीम की तरफ से खेलने के बहुत कम मौके मिल रहे हों लेकिन जब भी उन्हें अवसर मिलता है तब उन्होंने डेथ ओवरों में अपना खास प्रभाव छोड़ा जिसकी एक बानगी नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के दौरान देखने को मिली। सितंबर में एशिया कप में एकमात्र गेंद पर चौका लगाकर जीत दिलाने के बाद रिंकू ऑस्ट्रेलिया में टी20 श्रृंखला के अधिकतर मैचों में बेंच पर ही बैठे रहे। जिस एकमात्र मैच में उन्हें अंतिम एकादश में जगह मिली उसमें उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से पहले रिंकू ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच आठ नवंबर को ब्रिस्बेन में खेला था। नागपुर में उन्होंने हालांकि केवल 20 गेंदों पर 44 रन बनाकर मैच का रुख बदलने वाली पारी खेली। कामचलाऊ गेंदबाज डैरिल मिचेल के पारी 20वें ओवर में उन्होंने दो छक्के और एक चौका लगाया जिससे भारत सात विकेट पर 238 रन बनाने में सफल रहा। इससे पहले शुभमन गिल के शीर्ष क्रम में होने से रिंकू के लिए अंतिम एकादश में जगह बनाना मुश्किल हो गया था। अब गिल के टीम से बाहर होने के बाद रिंकू को अंतिम एकादश में जगह मिली।

इससे टीम प्रबंधन विकेटकीपर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में अधिक समय दे सकता है, क्योंकि निचले क्रम में रिंकू और हार्दिक पंड्या जैसे अच्छे फिनिशर मौजूद हैं। रिंकू की सबसे उल्लेखनीय क्षमता यह है कि वह खासकर तेज गेंदबाजों के खिलाफ पहली ही गेंद से लय हासिल कर लेते हैं। पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने रिंकू को विश्व कप की टीम में शामिल करने के बारे में अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम सभी हार्दिक की फिनिशर के रूप में असाधारण क्षमता से अवगत हैं। अब जब संजू सैमसन शीर्ष क्रम पर जमे हुए हैं और ईशान किशन विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में वापस आ गए हैं, तो क्या बचा है। उन्होंने कहा आखिरी ओवरों में हार्दिक के साथ एक फिनिशर की जरूरत होती है। रिंकू से बेहतर यह कौन कर सकता है जितेश शर्मा स्पिनरों के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी करते हैं, लेकिन तेज गेंदबाजी और पारी के आखिर में रिंकू के आंकड़े और रिकॉर्ड शानदार हैं। इसलिए टीम ने उन्हें मौका दिया। रिंकू ने बुधवार को भी हमेशा की तरह शांत और सहजता से बल्लेबाजी की। रिंकू ने कहा, टीम में मैं अंदर बाहर होता रहा हूं और इसलिए मुझ पर दबाव था। मेरी रणनीति एक या दो रन लेना और बीच-बीच में बाउंड्री लगाना था। इसके अलावा मैं आखिर तक टिके रहना चाहता था और मैंने वही किया। यहां तक कि जब अर्शदीप सिंह ने अंतिम ओवर से पहले वाले ओवर में तीन डॉट बॉल खेलीं, तब भी रिंकू ने दूसरे छोर पर निराशा नहीं दिखाई। वह जानते थे कि वह इसकी भरपाई अंतिम ओवर में कर सकते हैं। अगले महीने होने वाले विश्व कप में रिंकू का फिनिशर का कौशल भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा।

चौंकाने वाले हैं आंकड़े

रिंकू के 19वें और 20वें ओवर में आंकड़े चौंका देने वाले हैं। रिंकू ने 36 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 19वें और 20वें ओवर में 74 गेंदों पर 213 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 287 .83 रहा है। उन्होंने मैच के इस निर्णायक मोड़ पर 22 छक्के जड़े हैं। एक फिनिशर के रूप में उनकी दक्षता को देखते हुए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके करियर के 35 प्रतिशत से अधिक रन पारी के अंतिम दो ओवरों में आए हैं।

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय टी-20 टीम

सैमसन और किशन पर रहेगी नजर, मुकाबला शाम 7 बजे से

रायपुर, एजेंसी

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साह से भरी भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मैदान पर उतरेगी, जिसमें शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन की भूमिका पर निगाह टिकी रहेगी।

वनडे श्रृंखला में हारने के बाद भारत ने नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 48 रनों से शानदार जीत हासिल की थी, लेकिन उस मैच में सैमसन और किशन बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा पाए थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं लेकिन अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें निश्चित रूप से लंबा मौका मिलेगा। श्रृंखला के पहले मैच में आसानी से अपना विकेट गंवाने वाले सैमसन अपने विभिन्न तरह के शॉट का शानदार नमूना पेश करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जिनके दम पर उन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में तीन शतक बनाए हैं।

एक और बल्लेबाज जिसे टीम प्रबंधन के भरोसे को सही साबित करने की जरूरत है, वह है किशन, जिन्हें विश्व कप के लिए टीम में शामिल किया गया है और नागपुर में पहले मैच में श्रेयस अय्यर पर उन्हें प्राथमिकता दी गई थी। कवर पर कैच आउट होने से पहले बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी संक्षिप्त पारी में अच्छा प्रदर्शन किया। भारत के अधिकतर खिलाड़ी शुरू में ही हर गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाने की कोशिश में पूरी ताकत से बल्लेबाजी करते हैं। किशन भी इसी निडर रवैये को जारी रखेंगे और उम्मीद कर सकते हैं कि इसका उन्हें फायदा मिले। आईसीसी टूर्नामेंट से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म पर सबकी नजरें टिकी हुई थीं और भले ही वह कोई बड़ा योगदान नहीं दे सके, लेकिन 22 गेंदों में बनाए गए 32 रन ने उनके आत्मविश्वास को कुछ हद तक जरूर बढ़ाया होगा। पहले टी20 में मिली जीत से व्यक्तिगत तौर पर सुधार के कई क्षेत्र सामने आए, इसके बावजूद टीम के प्रदर्शन ने विश्व कप से पहले अपने प्रतिद्वंद्वियों को खतरनाक संकेत दिए हैं, जहां भारत मौजूदा चैंपियन के रूप में उतर रहा है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

मैं अनावश्यक परेशान नहीं होना चाहता : अर्शदीप

नागपुर। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ऐसी किसी परिस्थिति में भी सकारात्मक पक्ष ढूंढ लेते हैं जो उनके अनुकूल नहीं हो और यही वजह है कि वह हर तरह की परिस्थितियों में खेल का पूरा आनंद लेते हैं।

गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से भारतीय टीम में लगातार अंदर-बाहर होते रहे इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज से पूछा गया कि क्या टीम में लगातार होने वाले बदलावों ने उन्हें प्रभावित किया है। अर्शदीप ने मुस्कुराते हुए कहा, जैसे मैं टीम से अंदर-बाहर होता हूं, उसका अपना फायदा भी है। मेरी गेंद भी अंदर-बाहर जाती है। इसलिए मैं इसका आनंद ले रहा हूं। अर्शदीप ने इस तरह से सबको याद दिलाया कि चयन न होने से गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की उनकी क्षमता पर जरा भी असर नहीं पड़ा है। अर्शदीप ने 73 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 111 विकेट लिए हैं और वह अभी भी सबसे छोटे प्रारूप में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्हें हाल के महीनों में टीम संयोजन के लिए अक्सर नजरअंदाज किया गया है। भारत ने 2025 में 21 टी20 मैच खेले जिनमें से अर्शदीप केवल 13 मैच में ही खेल पाए। इस प्रारूप में प्रभावशाली रिकॉर्ड होने के बावजूद एशिया कप के अधिकतर मैचों में जगह नहीं दी गई।

आईसीसी से अब भी न्याय की उम्मीद : बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के साथ बैठक के बाद घोषणा की कि आईसीसी का रुख उन्हें स्वीकार्य नहीं है। आईसीसी ने इस मामले में क्रिकेट स्कॉटलैंड को कोई सूचना दी है या नहीं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है क्योंकि उसकी सीईओ टूडी लिंडब्लैड ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

क्रिकेट स्कॉटलैंड के संचार प्रमुख चार्ल्स पैटरसन ने पीटीआई के सवाल के जवाब में कहा हम इस स्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। यदि परिस्थितियों में कोई बदलाव होता है तो हम अपनी वेबसाइट पर एक आधिकारिक मीडिया विज्ञप्ति जारी करेंगे। नजरुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा और स्पष्ट किया कि देश भारत में मैच नहीं खेलेगा। उन्होंने कहा हालांकि हमारे क्रिकेटरों ने विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए कड़ी मेहनत की है लेकिन भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा का खतरा अब भी बना हुआ है। यह चिंता किसी काल्पनिक विश्लेषण पर आधारित नहीं है। उन्होंने कहा हम इस बात से आश्वस्त नहीं हैं कि वे हमारी पूरी टीम, पत्रकारों और दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने कहा हमने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। हमारी टीम तैयार है। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमारे वास्तविक सुरक्षा जोखिमों पर विचार करके हमें श्रीलंका में खेलने की इजाजत देकर न्याय करेगा। बांग्लादेश को भारत में चार मैच (तीन कोलकाता में और एक मुंबई में) खेलने हैं। नजरुल ने कहा टूर्नामेंट में नहीं खेलने से होने वाले नुकसान को खिलाड़ियों, दर्शकों और पत्रकारों को एक जोखिम भरी क्षेत्रीय राजनीतिक स्थिति में धकेलने से होने वाली संभावित आपदा के साथ तुलनात्मक देखना बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत में खिलाड़ियों को खतरा नहीं : आईसीसी

आईसीसी ने बुधवार को बांग्लादेश की सुरक्षा चिंताओं को खारिज करते हुए कहा किसी भी स्वतंत्र सुरक्षा निष्कर्ष के अभाव में आईसीसी के लिए मैचों का स्थल बदलना संभव नहीं है। ऐसा करने से दुनिया भर की अन्य टीमों और प्रशंसकों के लिए गंभीर समस्याएं और दूरगामी मिसाल कायम करने वाली चुनौतियां पैदा होंगी। इससे आईसीसी के संचालन की निष्पक्षता, तटस्थता और अखंडता को खतरा पैदा होगा। भारत में उनके खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था।

जीत का जश्न मनातीं गुजरात जाएंट्स की खिलाड़ीं। एजेंसी

गुजरात जाएंट्स ने वॉरियर्स को 45 रनों से हराया

वडोदरा, एजेंसी

सोफी डिवाइन के हरफनमौला खेल से गुजरात जाएंट्स ने महिला प्रीमियर लीग टी20 मुकाबले में बृहस्पतिवार को यहां यूपी वॉरियर्स को 45 रन से शिकस्त देकर लगातार तीन हार के बाद जीत का स्वाद चखा। डिवाइन ने नाबाद 50 रन की संयमित पारी खेलने के बाद गेंदबाजी में भी कमाल करते हुए 16 रन देकर दो विकेट चटकाए। गुजरात जाएंट्स ने आठ विकेट पर 153 रन बनाने के बाद यूपी वॉरियर्स को 108 रन पर आउट कर दिया। इस जीत के बाद गुजरात छह अंक के साथ तालिका में दूसरे जबकि यूपी वॉरियर्स चार अंक के साथ पांचवें और आखिरी पायदान पर है। गुजरात के लिए राजेश्वरी गायकवाड़ ने भी 16 रन देकर तीन विकेट झटक कर टीम में अपनी वापसी को यादगार बनाया। रेणुका सिंह ने भी दो सफलता हासिल की।

यूपी वॉरियर्स के लिए फोबे लिचफील्ड ने 32 और क्लो ट्रायोन ने नाबाद 30 रन का योगदान दिया। इससे पहले डिवाइन ने पिछले तीन मैचों की लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 42 गेंद की नाबाद पारी में तीन छक्के और दो चौके लगाए।

न्यूजीलैंड की यह अनुभवी खिलाड़ी पारी की शुरुआत में रन आउट होने से बचीं और बाद में 35 रन पर नो-बॉल पर उनका कैच भी छूटा। उन्होंने इसका पूरा लाभ उठाते हुए अंतिम ओवर में शिखा पांडे की गेंदों पर दो छक्के जड़कर जायंट्स को 150 रन के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वॉरियर्स को पहले ओवर में ही किरण नवगिरे के निराशाजनक तरीके से आउट से बड़ा झटका लगा।

रेणुका सिंह की गेंद विकेटकीपर बेथ मूनी के पैड से लगकर विकेटों से टकरा गयी और वह खाता खोले बगैर स्टंप करार दी गयी। शानदार लय में चल रही फोबे लिचफील्ड ने क्रीज पर आते ही चौके से खाता खोला दूसरे छोर से मैग लैनिंग ने काश्वी गौतम की गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराये। काश्वी ने पांचवें ओवर में हालांकि दो चौके खाने के बाद लैनिंग को बोल्ड कर 10 गेंद में 14 रन की पारी को खत्म किया। लिचफील्ड ने डिवाइन की गेंद पर चौके के साथ पावर प्ले को खत्म किया। इस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 46 रन था। आठवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आयी गार्डनर की गेंद को लिचफील्ड रिवर्स स्वीप करते हुए रेणुका को कैच दे बैठी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर भी आगे बढ़ने में रहे सफल

जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 399वीं जीत से तीसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में जगह बनाई जबकि महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज़ भी आगे बढ़ने में सफल रही।

जोकोविच ने वर्तमान टूर्नामेंट में पहली बार अपनी सर्विस गंवाई लेकिन इसके बाद उन्होंने कोई चूक नहीं दिखाई और दूसरे दौर के मैच में फ्रांसेस्को मैस्ट्रेली को 6-3, 6-2, 6-2 से पराजित किया। यह ग्रैंड स्लैम एकल मैच में जोकोविच की 399वीं जीत है। इस तरह से रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता को 400 जीत तक पहुंचने वाला पहला खिलाड़ी बनने के लिए अब केवल एक और जीत की जरूरत है। जोकोविच ने तीसरे सेट के छठे गेम में सर्विस गंवाई लेकिन अगले गेम में उन्होंने मैस्ट्रेली की सर्विस तोड़कर 5-2 की बढ़त बना ली। बाद में जोकोविच ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच अपने नाम किया। वह मेलबर्न पार्क में अपना 11वां और कुल मिलाकर 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में हैं।

कल तक मैं उसके बारे में ज्यादा नहीं जानता था। उसकी सर्विस दमदार है। उसका खेल भी शानदार है। उसे बड़े मंच पर खेलने का अनुभव भले ही कम हो, लेकिन उसमें बड़े शॉट लगाने की क्षमता है।
-नोवाक जोकोविच

तीसरे दौर में जोकोविच का सामना बोटिक वैन डे ज़ैंड्सचल्प से होगा, जिन्होंने शांग जुनचेंग को 7-6 (6), 6-2, 6-3 से हराया। यानिक सिनर ने जेम्स डकवर्थ को रोड लेवर एरीना में 6-1, 6-4, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार लगातार जीत का अभियान जारी रखा।

इगा स्वियातेक ने बोजकोवा को आसानी से हराया

महिला वर्ग में शुरुआती दो दौर में अपनी फैशन से सुर्खियां बटोरने वाली नाओमी ओसाका को सोराना सिस्तेआ से कड़ी टक्कर मिली। उन्होंने हालांकि दूसरा सेट गंवाने के बाद अच्छी वापसी करते हुए 6-3, 4-6, 6-2 से जीत दर्ज की। इगा स्वियातेक ने मैरी बोजकोवा को 6-2, 6-3 से हराया। मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज़ को दूसरे सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन आखिर में उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी एशलीन क्रूगर को 6-1, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। पहले सेट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद नौवीं वरीयता प्राप्त कीज़ दूसरे सेट में 5-2 से पिछड़ गईं, लेकिन जॉन केन एरिना में उन्होंने जोरदार वापसी करने का शानदार नमूना पेश किया और लगातार पांच अंक हासिल करके जीत दर्ज की। कीज़ ने कहा मुझे लगता है कि मैंने बहुत अच्छी शुरुआत की और एशलिन ने थोड़ी धीमी शुरुआत की। मुझे पूरी उम्मीद थी कि वह अपने खेल का स्तर बढ़ाएगी और उसने ऐसा किया भी लेकिन मैंने वापसी के लिए अपनी तरफ से पुरजोर कोशिश जारी रखी और आखिर में उसमें सफल रही। कीज़ का अगला मुकाबला कैरोलिना प्लिस्कोवा से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की जेनिस ट्जेन को 6-4, 6-4 से हराया। रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज अमांडा अनिसिमोवा ने युगल चैंपियन कैटरीना सिनियाकोवा को 6-1, 6-4 से हराया और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने अपनी युगल साथी मैककार्टनी केसलर को 6-0, 6-2 से मात दी। पिछले दो प्रमुख टूर्नामेंटों में उपविजेता रहीं अनिसिमोवा का अगला मुकाबला साथी अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स से होगा। पेगुला के सामने ओक्साना सेलेखमेतेवा की चुनौती होगी। ओक्साना ने 2025 की सेमीफाइनलिस्ट पाउला बडोसा को 6-4, 6-4 से हराकर उलटफेर किया।

इगा स्वियातेक।

श्रीराम बालाजी दूसरे राउंड में, भांबरी का अभियान समाप्त

मेलबर्न। ओलंपियन एन श्रीराम बालाजी गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुषों के युगल मुकाबले के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं, जबकि हार के साथ युकी भांबरी का मिश्रित युगल में अभियान समाप्त हो गया।

आज यहां खेले गये मुकाबले में बालाजी और उनके ऑस्ट्रियाई जोड़ीदार नील ओबरलीटनेर ने फ्रांस के पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट और ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई।

बालाजी-ओबरलीटनेर की जोड़ी ने दो घंटे और 43 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7(7)-6(4), 3-6, 7(10)-6(8) से जीत दर्ज की। पिछले हफ्ते बैंकॉक में नॉनथबुरी चैलेंजर द्वितीय जीतने के बाद, बालाजी और ओबरलीटनेर ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली।